THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 306 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ कृ.13/14 2079 शुक्रवार, 20 जनवरी 2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

स्पोर्ट्स स्टोर में भीषण आग

दस लोगों को बचाया गया

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद के मिनिस्टर्स रोड स्थित एक इमारत में गुरुवार दोपहर भीषण आग लग गई। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, जबकि इमारत में फंसे कुछ लोगों को अग्निशमन विभाग के कर्मियों और स्थानीय पुलिस ने बचा लिया। अधिकारियों के मुताबिक, मिनिस्टर्स रोड सिकंदराबाद के नल्लागुट्टा स्थित डेक्कन नाइटवियर स्टोर में आग लग गई। इमारत में फंसे करीब दस लोगों को दमकल कर्मियों ने बचा लिया।

शुरुआत में दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाया। हालांकि, आग फिर से शुरू हो गई और आग पर काबू पाने में मदद के लिए दमकल की और गाड़ियां मौके पर मंगाई गईं। पूरे इलाके में धुएं का गुब्बार छा गया और आग बुझाने का काम बाधित हो गया। धुएं को बाहर निकालने के लिए विभाग के पास उपलब्ध बड़े स्मोक एजॉस्टर लाए गए थे, हालाँकि, यह थोड़ी मदद साबित हुई क्योंकि आग इमारत की ऊपरी मंजिलों में थी। दमकल अधिकारियों और पुलिस ने एहतियात के तौर पर आसपास की इमारतों को खाली करा लिया।

दिल्ली महिला आयोग प्रमुख स्वाति को कार ने घसीटा

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली महिला आयोग की प्रमुख स्वाति मालीवाल ने बताया है कि नशे में धुत एक कार ड्राइवर ने उनके साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की। जब स्वाति ने उसे रोका तो आरोपी ने उन्हें कार से 15 मीटर तक घसीटा। स्वाति मालीवाल गुरुवार तड़के दिल्ली की सड़कों पर रियलिटी चेक के लिए निकली थीं, जब एम्स हॉस्पिटल के पास उनके साथ यह घटना हुई। स्वाति की शिकायत पर पुलिस ने 47 साल के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

गुरुवार तड़के की घटना :

सुबह करीब 3.11 बजे हरीश चंद्र नाम का यह शख्स अपनी बलेनो कार से उनके पास आया और उनसे कार में बैठने की जिद करने लगा। जब स्वाति ने उसे मना किया तो वह कार लेकर आगे चला गया लेकिन फिर यू-टर्न लेकर आया और सड़क के बगल में चलने लगा। जब शख्स ने दोबारा उनके साथ बदतमीजी की तो वे उसे पकड़ने के लिए कार की खिड़की के पास पहुंचीं। तभी शख्स ने कार का शीशा बंद कर दिया जिससे स्वाति का हाथ उसमें फंस गया। इसके बाद भी वह कार चलाता रहा। उसने स्वाति को करीब 15 मीटर तक घसीटा। स्वाति की टीम यहां से कुछ दूरी पर खड़ी उनका इंतजार कर रही थी। इसी दौरान यह घटना हुई। 31 दिसंबर 2022 की रात दिल्ली में अंजलि को लगभग 12 किलोमीटर तक कार से घसीटा गया था, जिससे लड़की की मौत हो गई थी। इस केस में स्वाति खुलकर सामने आई और मामले में सीबीआई जांच की मांग की। स्वाति ने अंजलि की दोस्त निधि पर भी सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि अंजलि का जब एक्सीडेंट हुआ, उस दौरान निधि भी साथ थी, लेकिन वह अंजलि को तड़पता छोड़कर भाग गई थी।

सिमी देश के लिए घातक

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में कहा, इस्लामिक सत्ता कायम करने की कोशिश कर रहा था इसलिए बैन किया

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में एक एफिडेविट दाखिल करके कहा है कि बैन की गई स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट इन इंडिया (सिमी) संस्था देश में गुपचुप तरीके से काम कर रही है और इसे फंड भी मिल रहे हैं। केंद्र ने कहा कि इस संस्था का मकसद देश में इस्लामिक सत्ता कायम करना है और किसी भी हालत में इसे ऐसा करने की इजाजत नहीं दी जा सकती है।

गृह मंत्रालय ने एफिडेविट में कहा है कि हमारे सामने जो सबूत हैं वे साफतौर पर दिखाते हैं कि 27 सितंबर 2001 को बैन होने के बाद भी सिमी कार्यकर्ता मिल रहे हैं, बैठकें कर रहे हैं, षड्यंत्र रच रहे हैं, गोलाबारूद जमा कर रहे हैं और ऐसे कामों में शामिल हो रहे हैं जो विनाशकारी हैं और देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं। केंद्र ने कहा कि वे अपने साथियों और दूसरे देशों में बसे उनके मालिकों

के साथ लगातार संपर्क में हैं। उनके एक्शन देश की शांति और सौहार्द्र को खत्म करने करने की क्षमता रखते हैं। इस संगठन के उद्देश्य हमारे इस देश के कानूनों के खिलाफ हैं। खासतौर से देश में इस्लामिक सत्ता कायम करने के उनके लक्ष्य को हम किसी भी सूरत में जारी नहीं रहने दे सकते हैं।

संस्था पर लगे बैन को हटाने की याचिका के जवाब में केंद्र ने दाखिल किया ऐफिडेविट :

केंद्र ने यह एफिडेविट एक याचिका के जवाब में दायर किया है, जिसमें इस संगठन पर लगाए गए बैन को चुनौती दी गई थी। सिमी पर यह बैन यूएपीए यानी अनलॉफुल एक्टिविटीज प्रिवेंशन एक्ट (गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम) के तहत लगाया गया था। बता दें कि सिमी की स्थापना 25 अप्रैल 1977 को उत्तर प्रदेश की अलीगढ़ मुस्लिम यूनिसर्विटी में हुई थी।

केंद्र का दावा, सिमी के हर सदस्य को दिलाई जाती है इस्लामिक व्यवस्था लागू करने की कसम :

केंद्र ने कहा कि सिमी के हर नए सदस्य को एक कसम दिलाई जाती है जिसमें कहा जाता है कि वे मानवता की आजादी और देश में इस्लामिक व्यवस्था लागू करने के लिए काम करेंगे।

केंद्र ने यह भी कहा कि इस संगठन का संविधान न सिर्फ इस देश की अक्षुण्णता और अखंडता को खत्म करने की मंशा रखता है बल्कि भारत और उसके संविधान के खिलाफ लोगों में असंतुष्टि की भावना भी भरना चाहता है।

अणुब्रत मंडल को फिर नहीं मिली जमानत

कोलकाता, 19 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में पशु तस्करी मामले में गिरफ्तार बीरभूम जिले के बाहुबली तृणमूल नेता अणुव्रत मंडल को एक बार फिर जमानत नहीं मिली। गुरुवार को उन्हें आसनसोल की विशेष सीबीआई कोर्ट में पेश किया गया था। सुनवाई के बाद न्यायाधीश राजेश चक्रवर्ती ने अणुव्रत को आगामी तीन फरवरी तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। सीबीआई की ओर से सुनवाई के दौरान बताया गया कि अणुव्रत मंडल के नाम पर कई फर्जी दस्तावेज और नई गाड़ियां मिली हैं। उनके आय का स्त्रोत क्या है, इस बारे में जांच के लिए फिलहाल उनसे पूछताछ जरूरी है। केंद्रीय एजेंसी ने बताया कि फिलहाल सिउड़ी के सहकारी बैंक में 177 बेनामी बैंक अकाउंट मिले हैं, जिनका संबंध कहीं ना कहीं पशु तस्करी मामले से है। इस मामले में अणुव्रत मंडल मुख्य कड़ी हैं और अगर उन्हें जमानत मिलेगी तो साक्ष्य प्रभावित होंगे।

राम सेतु को राष्ट्रीय विरासत घोषित करने की प्रक्रिया जारी : केंद्र

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा है कि वह राम सेतु को राष्ट्रीय विरासत स्मारक घोषित करने की प्रक्रिया में है और इस पर विचार चल रहा है।

भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने याचिकाकर्ता को निर्देश दिया कि वह इससे जुड़े अतिरिक्त सबूत मंत्रालय को दे सकते हैं। राम सेतु, तमिलनाडु के दक्षिण-पूर्वी तट से पांबन द्वीप और श्रीलंका के उत्तर-पश्चिमी तट से दूर मन्नार द्वीप के बीच चूने के पत्थरों की एक श्रृंखला है। इसे आदम का पुल भी कहा जाता है। भाजपा नेता ने स्वामी ने कहा है कि वह मुकदमे का पहला दौर जीत चुके हैं, जिसके तहत केंद्र सरकार ने राम सेतु के अस्तित्व को स्वीकार किया था।

उन्होंने कहा कि संबंधित केंद्रीय मंत्री ने उनकी मांग पर विचार करने के लिए 2017 में बैठक बुलाई थी लेकिन बाद में कुछ नहीं हुआ। भाजपा नेता ने इससे पहले की यूपीए सरकार के पहले कार्यकाल में विवादास्पद सेतुसमुद्रम पोत मार्ग परियोजना के खिलाफ अपनी जनहित याचिका में रामसेतु को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने का मुद्दा उठाया था। मामला शीर्ष अदालत में पहुंचा, जिसने 2007 में रामसेतु पर परियोजना के लिए काम रोक दिया।

आईटी नियम में संशोधन प्रस्ताव

पीआईबी हटवा सकेगा फेक न्यूज : एडिटर्स गिल्ड ने कहा, अकेले सरकार के पास न हो फैसला-सही आलोचना दब जाएगी

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। आईटी नियमों में नए संशोधन प्रस्ताव को लेकर एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया ने चिंता जाहिर की है। आईटी मिनिस्ट्री ने एक संशोधन प्रस्ताव पेश किया है। इससे प्रेस इन्फर्मेशन ब्यूरो (पीआईबी) को फेक न्यूज के फैक्ट चेक और सोशल मीडिया को इन्हें हटाने का आदेश देने की अधिकार मिल जाएगा।

एडिटर्स गिल्ड का कहना है कि फेक न्यूज को हटाने जैसा फैसला अकेले सरकार के हाथों में नहीं होना चाहिए। इससे प्रेस की स्वतंत्रता पर असर पड़ेगा और सही आलोचना भी दब जाएगी। उधर, कांग्रेस ने आईटी नियमों के मसौदे में नए संशोधन को बोलने की आजादी पर गुप्त हमला बताया है।

आईटी नियमों में संशोधन प्रस्ताव क्या है :

जिन खबरों को प्रेस इंफॉर्मेशन ब्यूरो फर्जी मानेगा, मीडिया कंपनियों को वे खबरें इंटरनेट और अन्य प्लेटफॉर्म से डिलीट करनी पड़ेंगी।

इस संशोधन प्रस्ताव से पीआईबी को क्या अधिकार मिलेगा :

इससे बिना किसी न्यायिक निरीक्षण के देश

में कहीं भी पब्लिश खबरों को ब्लॉक करने, हटाने या बदलने का अधिकार मिलेगा।

एडिटर्स गिल्ड का संशोधन पर क्यों ऐतराज है, 03 पॉइंट :

एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया का कहना है कि कोई खबर फर्जी है, ये बताने की जिम्मेदारी अकेले सरकार के हाथों में नहीं हो सकती। इससे सेंसरशिप जैसे हालात बन जाएंगे। फैक्चुअली गलत कंटेंट से निपटने के लिए पहले से ही कई कानून बने हैं।

ये संशोधन प्रेस की स्वतंत्रता को खत्म करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि प्रेस इंफॉर्मेशन ब्यूरो या फैक्ट चेक एजेंसियां मीडिया कंपनियों या ऑनलाइन मीडिएटर कंपनियों को वे खबरें हटाने के लिए मजबूर कर सकती हैं, जिनसे सरकार को परेशानी हो सकती है।

सरकार का यह कदम सरकार की वैध आलोचना का गला घोंट देगा। साथ ही सरकारों को जिम्मेदार ठहराने की प्रेस की काबिलियत पर उल्टा असर डालेगा।

क्या एडिटर्स गिल्ड ने पहले भी आपत्ति जाहिर की थी :

हां, मार्च 2021 में एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया ने आपत्ति जाहिर की थी। एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया ने कहा था कि इन नियमों के प्रावधानों में डिजिटल न्यूज मीडिया समेत बड़े पैमाने पर मीडिया पर अनुचित प्रतिबंध लगाने की क्षमता है।

फेक न्यूज पर अभी क्या नियम हैं :

फेक न्यूज पर कार्रवाई के लिए अभी कोई ठोस आधार नहीं है। रविशंकर प्रसाद और प्रकाश जावड़ेकर दोनों ही जवाबदेही तय किए जाने और कानून के दायरे में दंड का भी प्रावधान होने की बात कह चुके हैं।

राजकोट में ठंड से छात्रा की मौत

राजकोट, 19 जनवरी (एजेंसियां)। सर्दी के चलते इन दिनों हार्ट अटैक की घटनाएं अधिक हो रहीं हैं। एक ऐसी ही घटना गुजरात के राजकोट में सामने आई है। यहां 8वीं क्लास में पढ़ने वाली 14 साल की स्टूडेंट रिया स्कूल में अपने दोस्तों से बात कर रही थी।

इसी दौरान वह जमीन पर गिरी और उसकी सांसे थम गईं। परिजनों ने कहा कि स्कूल के ड्रेस कोड ने बेटी की जान ले ली। गुजरात के राजकोट में ठंड के चलते आठवीं की छात्रा की मौत के बाद जिला शिक्षा अधिकारियों ने स्कूल प्रशासन को यूनिफॉर्म नियम में सख्ती न बरतने को कहा है। अहमदाबाद में प्रशासन ने कहा कि ठंड ज्यादा होने के चलते गर्म कपड़े पहनने पर छात्र-छात्राओं के खिलाफ सख्ती न बरती जाए।

कर्नाटक को 10,800 करोड़ की सौगात

पीएम मोदी ने कहा पिछली सरकारों ने वोट बैंक की राजनीति की, महाराष्ट्र में भी कई परियोजनाएं शुरू करेंगे

यादगिरि, 19 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को कर्नाटक के यादगिरि में 10,800 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इसमें सिंचाई, पेयजल से जुड़ी परियोजनाओं और एक राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना शामिल है। इस दौरान पीएम ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछली सरकार ने सिर्फ वोट बैंक की राजनीति की है, जबकि हमारी सरकार की प्राथमिकता विकास है।

पीएम के संबोधन की 5 बड़ी बातें..

हमारे देश में दशकों तक करोड़ों छोटे किसान भी हर सुख-सुविधा से वंचित रहे, सरकारी नीतियों में उनका ध्यान तक नहीं रखा गया। आज वही छोटे किसान देश की कृषि नीति की सबसे बड़ी प्राथमिकता हैं। पहले की सरकार ने जिन जिलों को पिछड़ा घोषित किया, उन जिलों में हमने विकास

की आकांक्षा को प्रोत्साहित किया।

देश अगले 25 वर्षों के नए संकल्पों को सिद्ध करने के लिए आगे बढ़ रहा है। ये 25 साल देश के प्रत्येक व्यक्ति के लिए अमृतकाल है, प्रत्येक राज्य के लिए अमृतकाल है।

पीएम ने कहा कि जब जल जीवन मिशन शुरू हुआ था, तब 18 करोड़ ग्रामीण परिवारों में से केवल 3 करोड़ ग्रामीण परिवारों के पास नल के पानी का कनेक्शन था। आज देश के करीब 11 करोड़ ग्रामीण परिवारों को नल से पानी मिल रहा है। सूरत-चेन्नई इकोनॉमी कॉरिडोर का जो हिस्सा कर्नाटक में पड़ता है, उस पर भी आज काम शुरू हो गया है। इससे यादगिरि, रायचूर और कलबुर्गी जैसे इलाकों में लोगों को रोजगार मिलेगा।

दिल्ली विधानसभा में जबरदस्त हंगामा

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा की कार्यवाही जारी है। हालांकि, आज कार्यवाही शुरू होते ही सदन में हंगामा हो गया।

आम आदमी पार्टी के विधायक वेल में आये और नारेबाजी करने लगे। आप विधायक मांग कर रहे हैं कि दिल्ली के मुख्य सचिव, स्वास्थ्य सचिव और वित्त सचिव को निलंबित किया जाए। आप विधायकों ने "एलजी साहब होश में आओ..." के नारे लग रहे हैं। सदन में हंगामे के चलते अभी तक कार्यवाही दो बार स्थगित करनी पड़ी है। मनीष सिसोदिया कहा, जनता के लिए जवाबदेह तो विधायक ही हैं। मैंने सुना जो फ़ैक्टूस समिति के सामने आए। पेंशन और सेलरी भले रोकी गईं लेकिन अंततः मिलीं। कुछ डिमांड सदन के सामने रख रहे हैं। 100 करोड़ रुपये मुख्यमंत्री सड़क योजना के लिए हम रख रहे हैं।

'पप्पू' नहीं, समझदार हैं राहुल : राजन

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने राहुल गांधी की 'पप्पू' छवि दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि वह एक होशियार आदमी हैं। उन्होंने कहां कि मैंने कई मोर्चों पर उनके साथ बातचीत करते हुए लगभग एक दशक बिताया है। वह किसी भी तरह से 'पप्पू' (मूर्ख) नहीं हैं। वह एक स्मार्ट, युवा और जिज्ञासु व्यक्ति हैं। दावोस में विश्व आर्थिक मंच के मौके पर बातचीत के दौरान रघुराम राजन ने कहा कि मेरे हिसाब से एक व्यक्ति में बुनियादी जोखिम और उनका मूल्यांकन करने की क्षमता और अच्छी समझ होनी चाहिए, और मुझे लगता है कि यह क्षमता और समझ राहुल गांधी में है।

राजनीतिक दल में शामिल होने का इरादा नहीं :

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की आर्थिक नीतियों की आलोचना पर, रघुराम राजन ने कहा कि वह मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के भी आलोचक थे। राजनीति में आने के कयासों पर रघुराम राजन ने कहा कि मैं भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुआ क्योंकि मैं यात्रा के मूल्यों के लिए खड़ा हूं। मैं किसी राजनीतिक दल में शामिल नहीं हो रहा हू।

देश में गरीब और गरीब हो रहा :

इंटरव्यू में रघुराम ने कहा कि देश में गरीब, और गरीब तथा अमीर और अमीर होता जा रहा है। रघुराम का कहना था कि कोविड के दौरान जिन अमीरों का काम ऑनलाइन हो रहा था, वे तो ज्यादा अमीर हो गए लेकिन जिन्हें फैक्ट्री में जाकर नौकरी बजानी थी, वे घर में ही पड़े रहे। उन्हें न वेतन मिला, न बोनस। नौकरी गई, सो अलग। कुल मिलाकर निम्न मध्यम वर्ग के लोगों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ।

ललित मोदी के खिलाफ सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट तैयार

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों का सामना करे रहे पूर्व आईपीएल चेयरमैन ललित मोदी, पूर्व अटार्नी जनरल मुकुल रोहतगी के खिलाफ टिप्पणी कर बुरे फंस गए है। अब सुप्रीम कोर्ट रोहतगी के खिलाफ ललित मोदी के बयान पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। दरअसल, हाल ही में ललित मोदी ने सोशल मीडिया पर रोहतगी के खिलाफ टिप्पियां की थीं।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और जेबी पारदीवाला की पीठ को वरिष्ठ कील कपिल सिब्बल ने बताया कि मोदी ने बिना किसी आधार के रोहतगी के खिलाफ अपमानजनक आरोप लगाए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगले शुक्रवार को हम इस मामले को बेंच को सौंपेंगे। पूर्व आईपीएल कमिश्नर ने पिछले दिनों एक इंस्टाग्राम पोस्ट में मुकुल रोहतगी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी।

राष्ट्रपति ने उपराज्यपाल की पावर बढ़ाई

दो नए अधिकार दिए, अब दिल्ली के एलजी सक्सेना और मजबूत हुए

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सभी केंद्र शासित राज्यों के एलजी को दो नए अधिकार दिए हैं। इनमें औद्योगिक संबंध संहिता-2020 और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य स्थिति संहिता-2020 शामिल है। इसके बाद दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना और मजबूत हो गए हैं। एलजी सक्सेना को इन अतिरिक्त शक्तियों के मिलने से उक्त कानूनों के तहत नियम बनाने की जिम्मेदारी भी आ जाएगी।

एलजी के बनाए नियम केंद्र शासित प्रदेश के क्षेत्रों में जहां इनकी जरूरत होगी, लागू किए जा सकेंगे। आधिकारिक बयान में कहा गया है कि 16 जनवरी को गृह मंत्रालय की ओर से जारी दो अलग-अलग नोटिफिकेशन का उल्लेख करते हुए निर्देशित किया जाता है कि दिल्ली के एलजी अगले आदेश तक इन नियमों के तहत शक्तियों का प्रयोग करेंगे और उपयुक्त सरकार या राज्य सरकार के कार्यों का निर्वहन करेंगे। नोटिफिकेशन के अनुसार, अंडमान और निकोबार आइलैंड, दादरा और नागर हवेली और दमन

और दीव, चंडीगढ़, पुडुचेरी और लक्षद्वीप सहित पांच अन्य केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासकों और एलजी को भी राष्ट्रपति की ओर से ऐसी ही समान शक्तियां प्रदान की गई हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में ट्रांसफर और पोस्टिंग मामले में फैसला सुरक्षित रखा :

दिल्ली में अधिकारियों की पोस्टिंग और ट्रांसफर के अधिकार को लेकर केंद्र और दिल्ली सरकार के बीच विवाद पर सुनवाई पूरी हो गई। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने बुधवार को फैसला सुरक्षित रख लिया। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड की अध्यक्षता वाली पीठ ने 5 दिन चली सुनवाई के बाद केंद्र और दिल्ली सरकार को दो दिन के भीतर लिखित दलीलें दायर करने को कहा। इससे पहले केंद्र सरकार ने मामला बड़ी पीठ को भेजने की मांग की। इस पर संविधान पीठ ने आश्चर्य जताते हुए कहा कि इस तरह की मांग पर पहले कोई दलील नहीं पेश की गई है।

सिंघवी बोले, यह मामले में देरी का एक तरीका है :

कोर्ट के समक्ष केंद्र की मांग पर आपत्ति जताते हुए दिल्ली सरकार के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा, यहां ऐसी तस्वीर पेश की जा रही है कि राष्ट्रीय राजधानी को हाईजैक किया जा रहा है। संसद कोई भी कानून बना सकती है, लेकिन यहां अधिकारियों को लेकर नोटिफिकेशन का मामला है। यह मामले में देरी का एक तरीका है, जो केंद्र सरकार अपना रही है।

सॉलीसिटर जनरल बोले, मामला राजधानी का, इसलिए बड़ी बेंच को भेजा जाए :

केंद्र की ओर से पेश सॉलीसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, मामला देश की राजधानी का है। इसलिए इसे बड़ी बेंच को भेजा जाए। इतिहास शायद हमें याद न रहे कि हमने देश की राजधानी को पूर्ण अराजकता के हवाले कर दिया था, इसलिए सुप्रीम कोर्ट की ओर से फैसले में देरी को मानदंड नहीं बनाना चाहिए। इस पर सीजेआई ने कहा, जब सुनवाई पूरी होने वाली है, ऐसी मांग कैसे कर सकते हैं? केंद्र ने इस पर पहले बहस क्यों नहीं की? इसके बाद कोर्ट ने सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रख लिया।

27 साल तक भारत की जेलों में कैद रहकर आतंकियों से मिला

बाहर आते ही टेरर संगठन से जुड़ा, नौशाद ने किए बहुत बड़े खुलासे

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी के जहांगीरपुरी इलाके से गिरफ्तार किए गए आतंकवादी नौशाद अली ने पुलिस के सामने बड़े खुलासे किए हैं। उसने बताया कि उसे अपने पाकिस्तानी आकाओं से निर्देश मिले थे और उसने दो बार नेपाल के रास्ते पाकिस्तान जाने की कोशिश की, लेकिन इस काम में वह नाकाम रहा। नौशाद अली और उसके साथी जगजीत सिंह उर्फ जग्गा को पिछले गुरुवार दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

पाकिस्तानी हैंडलर्स ले रहे थे कमांड

ये दोनों ही हरकत-उल अंसार संगठन और हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकवादियों के संपर्क में थे, जिसे भारत में एक आतंकवादी संगठन के रूप में नामित किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, स्पेशल सेल की पूछताछ में नौशाद ने खुलासा किया कि उसे लगातार पाकिस्तानी हैंडलर्स असफाक और सुहैल से निर्देश मिल रहे थे। नौशाद पाकिस्तानी आतंकी असफाक उर्फ आरिफ से लगातार कॉन्टेक्ट में था।

निशाने पर थे पंजाब के बड़े नेता

अशफाक उर्फ आरिफ आतंकी संगठन लश्कर ए तैयबा का बेहद खास मेंबर है। सूत्रों ने कहा, आरिफ ने ही नौशाद को एक अन्य पाकिस्तानी आतंकवादी सुहैल से मिलवाया था। सुहेल आतंकवादी संगठन लश्कर का भी सदस्य है, जो फिलहाल पाकिस्तान से ऑपरेट हो रहा है। सूत्रों ने ये भी बताया कि सुहेल ने पंजाब के कुछ बड़े नेताओं को निशाना बनाने का भी प्लान तैयार किया था।

जेल में नदीम से हुई थी मुलाकात

इतना ही नहीं नौशाद ने जांच के दौरान खुलासा किया कि जब वह जेल में था, तब उसकी मुलाकात आतंकवादी संगठन हरकत-उल-अंसार से जुड़े नदीम से हुई थी। सूत्रों ने उसके हवाले से कहा, जेल से पैरोल पर बाहर आने के बाद नदीम ने जिहाद के लिए मिलकर काम करने के लिए नौशाद को हरकत-उल-अंसार संगठन में शामिल कर लिया था।

पाकिस्तान जाने के चक्कर में दो बार गया नेपाल

बताया जा रहा है कि हत्या के आरोप में जेल में बंद नौशाद 25 साल बाद 2018 में जेल से छूटा था, तभी से वह पाकिस्तानी आतंकी सुहैल के इशारे पर काम करने लगा। सूत्रों ने ये भी बताया कि नौशाद 2019 में दो बार नेपाल भी गया ताकि वहां से पाकिस्तान जाने का रास्ता खोजा जा सके। सूत्रों ने बताया कि जिस नेपाली अधिकारी के जरिए वह अपना नेपाली पासपोर्ट बनवा रहा था, उसे रिश्वतखोरी के आरोप में पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था।

27 साल तक भारत की अलग-अलग जेलों में रहा

नौशाद करीब 27 साल तक भारत की अलग-अलग जेलों में बंद रहा और उस दौरान वह पाकिस्तानी आतंकी संगठनों के आतंकियों से मिलता रहा, जिसके बाद वह उनके लिए काम करने लगा। इससे पहले, दिल्ली पुलिस ने कहा था कि गिरफ्तार किए गए दो आतंकवादी कम से कम चार लोगों के सीधे संपर्क में थे, जिनके पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन हरकत-उल अंसार और हिजबुल मुजाहिदीन से तार जुड़े हैं।

हिंदू नेताओं पर टारगेट हमले का मिला था जिम्मा

बता दें कि दिल्ली में गणतंत्र दिवस समारोह से कुछ दिन पहले खुलासे हुए हैं, जहां इस आयोजन के लिए सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस को पता चला है कि ये दोनों सुनील राठी, नीरज बवाना, इरफान छेनू, हाशिम बाबा, इबल हसन और इमरान पहलवान जैसे कुछ गैंगस्टर्स के संपर्क में थे। दिल्ली पुलिस ने कहा था कि गिरफ्तार किए गए दोनों आतंकवादियों को दक्षिणपंथी हिंदू नेताओं पर टारगेट हमले करने का काम सौंपा गया था।

जम्मू-कश्मीर के डोडा- किश्तवाड़ में भूकंप के झटके

रिक्टर पैमाने पर 3.2 रही तीव्रता

किश्तवाड़, 19 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ और डोडा जिले में वीरवार दोपहर को भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। इसकी रिक्टर स्केल पर तीव्रता 3.2 दर्ज की गई। इसका केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर नीचे था। फिलहाल किसी भी हिस्से से जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है। कुछ सेकेंड के लिए आए झटकों से कई इलाकों में लोग घरों से बाहर आ गए। एक पखवाड़ा पहले भी प्रदेश में जम्मू, राजोरी, पुंछ, कठुआ, श्रीनगर आदि जिलों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। जम्मू-कश्मीर में भूकंप के लिहाज से कई क्षेत्र संवेदनशील हैं। इन इलाकों में नियमित रूप से झटके महसूस किए जाते रहे हैं। प्रदेश कई बार भूकंप के बड़े झटके भी झेल चुका है।

भारतीय राजनीति में चाहिए न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जैसे नेता- जयराम रमेश

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश का कहना है कि भारतीय राजनीति में न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न की तरह के नेता चाहिए। जयराम रमेश ने ट्वीट करते हुए लिखा कि 'महान क्रिकेट खिलाड़ी विजय मर्चेंट ने एक बार कहा था कि अपने करियर के चरम पर रिटायरमेंट लेना चाहिए। जब जाना चाहिए, जब लोग पूछे कि क्यों जा रहे हो ना कि तब जब पूछे कि क्यों नहीं जा रहे हो।' कांग्रेस नेता ने लिखा कि 'न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री ने हाल ही में अपना पद छोड़ने का ऐलान किया है। भारतीय राजनीति को भी ऐसे नेता चाहिए।' बता दें कि जेसिंडा अर्डर्न ने प्रधानमंत्री पद छोड़ने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि वह 7 फरवरी तक पद छोड़ देंगी। न्यूजीलैंड के सरकारी मीडिया ने बताया कि जेसिंडा अर्डर्न ने कहा है कि वह इस साल चुनाव नहीं लड़ेंगी और बतौर प्रधानमंत्री उनका आखिरी दिन 7 फरवरी होगा। आम चुनाव 2023 में 14 अक्टूबर को होने हैं। न्यूजीलैंड की सत्ता में साढ़े पांच साल रहने के बाद जेसिंगा अर्डर्न ने यह चौंकाने वाला फैसला किया है।

अपने कार्यकाल के दौरान जेसिंडा अर्डर्न ने कोरोना महामारी को झेला और सफलतापूर्वक देश को इस मुश्किल से उबारा। जेसिंडा अर्डर्न ने देश की जनता को अपने फैसले से अवगत कराते हुए कहा कि उन्हें पता है कि प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी निभाने के लिए क्या चाहिए लेकिन अब वह अपने पद से न्याय नहीं कर पा रही हैं। हालांकि उनके कई सहयोगी हैं, जो यह काम अच्छे से कर सकते हैं। न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री ने बताया कि वह अब अपने परिवार पर ध्यान देना चाहती हैं और इसी वजह से वह पीएम पद से इस्तीफा दे रही हैं।

गोवा-मुंबई हाईवे पर दो हादसे, 22 की मौत

बस पलटने से 13 लोगों की जान गई; कार-ट्रक की टक्कर में 9 ने दम तोड़ा

मुंबई, 19 जनवरी (एजेंसियां)। गोवा-मुंबई हाईवे पर गुरुवार सुबह दो सड़क हादसे हुए। कणकवली के पासे एक प्राइवेट बस के पलटने से 13 पैसेंजर्स की मौत हो गई, जबकि 23 लोग घायल बताए जा रहे हैं। बस में 36 लोग सवार थे। उधर, एक कार और ट्रक की टक्कर में 9 लोगों की मौत हो गई, इसमें एक 4 साल का बच्चा भी शामिल है।

पहला हादसाः 13 लोगों की मौत

गोवा-मुंबई हाईवे पर कणकवली के पास एक प्राइवेट बस पटल गई। इस हादसे में 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 23 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। यहां इलाज के दौरान 9 अन्य लोगों की मौत हो गई। इस तरह हादसे में मरने वालों की संख्या 13 हो गई है। बस में 36 लोग सवार थे। शुरुआती जांच में पता चला है कि ड्राइवर का नियंत्रण बिगड़ने से हादसा हुआ है।

दूसरा हादसाः बच्चे समेत 9 लोगों की मौत

मुंबई-गोवा हाईवे पर आज सुबह 5 बजे एक कार और ट्रक की टक्कर हो गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई। हादसे में एक 4 साल की बच्ची गंभीर रूप से घायल हुई है। उसे इलाज के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ये सभी अपने रिश्तेदार के निधन पर शोक सभा में शामिल होकर रत्नागिरी लौट रहे थे।

'पहले किया रेप, फिर टुकड़े करने की दी धमकी', पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

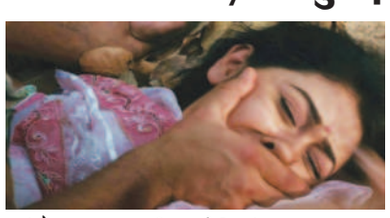

इंदौर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में बाणगंगा थाना क्षेत्र में एक 22 वर्षीय महिला के साथ कथित तौर पर बलात्कार करने और उसके टुकड़े-टुकड़े करने की धमकी देने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है. आरोपी की पहचान जिले के शिवकांत नगर मोहल्ले के रहने वाले करीब 25 वर्षीय शुभम के रूप में हुई है. अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (एडीसीपी) राजेश रघुवंशी ने कहा, 22 वर्षीय मुस्लिम लड़की ने शहर के बाणगंगा थाने में आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी. आरोपी ने लड़की के साथ शारीरिक संबंध बनाए और इसके लिए दबाव बना रहा था. उसने उसे धमकी भी दी कि अगर उसने शादी नहीं की तो वह उसके टुकड़े-टुकड़े कर देगा.

'एक साल से लड़की को कर रहा था परेशान'

उपायुक्त ने कहा, लड़की की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आईपीसी की बलात्कार सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. आरोपी पिछले एक साल से लड़की को परेशान कर रहा था. मामले की आगे की जांच जारी है.

3 वर्षीय मासूम का बलात्कार

मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में बलात्कार के मामले दिन-ब-दिन बढ़ते जा रहे हैं. बीते दिनों एक अधेड़ व्यक्ति पर पड़ोस में रहने वाली तीन वर्षीय मासूम बच्ची के साथ रेप की घटना को अंजाम देने का आरोप लगा. पुलिस ने पीड़िता के परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और जांच शुरू की.

शख्स ने दोस्त के साथ मिलकर किया भाभी का रेप

वहीं, इंदौर में से एक और शर्मनाक करतूत सामने आई. देवर पर दोस्त के साथ मिलकर घिनौनी वारदात को अंजाम देने का आरोप लगा. पुलिस के मुताबिक, पीड़ित महिला ने बताया कि देवर और उसका दोस्त घर छोड़ने के बहाने ऑटो रिक्शा में बिठाकर एक मकान में ले गए. दोनों ने अकेला पाकर महिला के साथ रेप किया. विरोध करने पर महिला को जान से मारने की धमकी भी दी. पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है.

बी.टेक छात्रा के गर्भपात को लेकर सुप्रीम कोर्ट गंभीर

एम्स के निदेशक को टीम गठित कर रिपोर्ट देने के निर्देश

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। बी.टेक की छात्रा के गर्भपात कराने के फैसले को लेकर सुप्रीम कोर्ट काफी गंभीर है। शीर्ष न्यायालय ने दिल्ली के एम्स के निदेशक को इसको लेकर 20 जनवरी तक डॉक्टरों की एक टीम गठित करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि कि ये टीम यह जांच करेगी कि क्या 20 वर्षीय अविवाहित बी.टेक छात्रा के 29 सप्ताह के गर्भ को गिराना सुरक्षित है या नहीं। एम्स को इसके बाद रिपोर्ट जमा करने के लिए भी कहा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने बीते साल ही गर्भपात को लेकर एक बड़ा फैसला सुनाया था। कोर्ट ने सितंबर 2022 को एक याचिका पर फैसला सुनाते हुए कहा था कि महिला चाहे विवाहित हो या नहीं सभी को गर्भपात का अधिकार है। बता दें कि इससे पहले केवल विवाहित महिला को 24 हफ्ते तक गर्भपात कराने का अधिकार था। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट (एमटीपी) के तहत 24 हफ्ते तक सभी महिलाओं को गर्भपात कराने की इजाजत मिल गई है। कोर्ट ने इसी के साथ कहा था कि इस एक्ट के तहत अविवाहित महिला को बाहर रखना असंवैधानिक है।

आशीष देशमुख ने मल्लिकार्जुन खडगे को लिखी चिट्ठी

महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले को हटाने की मांग की

नागपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और पूर्व विधायक आशीष देशमुख ने महाराष्ट्र में पार्टी के अध्यक्ष नाना पटोले को हटाने की मांग की है। आशीष देशमुख अपनी मांग को लेकर इतने गंभीर हैं कि उन्होंने इस संबंध में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे को चिट्ठी भी लिख दी है। आशीष देशमुख के इस कदम से महाराष्ट्र कांग्रेस की अंदरूनी लड़ाई अब खुलकर सामने आ गई है। महाराष्ट्र में कांग्रेस के लिए पिछले कुछ साल अच्छे नहीं गए हैं और ताजा गुटबाजी आने वाले दिनों में उसे और भारी पड़ सकती है।

'पार्टी की स्थिति बहुत खतरनाक है'

खडगे को लिखी चिट्ठी में आशीष देशमुख महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले पर जमकर भड़के हैं। उन्होंने अपनी चिट्ठी में लिखा है कि महाराष्ट्र में पार्टी की स्थिति 'खतरनाक' है। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एमपीसीसी) के संसदीय बोर्ड के सदस्य देशमुख ने पार्टी के युवा नेता सत्यजीत तांबे के विद्रोह के लिए पटोले को जिम्मेदार ठहराया है। युवा नेता ने 30 जनवरी को विधानमंडल परिषद के द्विवार्षिक चुनाव के लिए नासिक डिवीजन स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय के रूप में अपना नामांकन दाखिल किया है।

युवा नेताओं में गिने जाते हैं देशमुख

खडगे को मंगलवार को लिखे पत्र में पूर्व विधायक ने कहा कि महाराष्ट्र में कांग्रेस की स्थिति 'चिंताजनक' है और राज्य इकाई के अध्यक्ष को बदलने की जरूरत है। बता दें कि आशीष देशमुख महाराष्ट्र कांग्रेस के युवा नेताओं में गिने जाते हैं और उनके पिता रंजीत देशमुख सूबे में पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और सरकार में मंत्री रह चुके हैं। बीजेपी से कांग्रेस में आए देशमुख ने 2019 के विधानसभा चुनावों में तत्कालीन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के खिलाफ ताल ठोंकी थी और 31 फीसदी से ज्यादा वोट बटोरे थे।

सीमा पर केरल का युवक गिरफ्तार

पुलिस सीमा पर पहुंचने के कारणों लगा रही पता

जम्मू, 19 जनवरी (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के सीमावर्ती गांव घराना के पास संदिग्ध हालात में घूम रहे एक व्यक्ति को ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। पुलिस को सौंपने से पहले ग्रामीणों ने उससे नाम आदि पूछा परंतु उसने कोई जवाब नहीं दिया। मित्तल चौधरी नाम के ग्रामीण ने बताया कि वह भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास लगते अपने खेतों में काम कर रहे थे। तभी एक संदिग्ध युवक को खेतों में घूमता दिखाई दिया। उन्होंने उससे कुछ पूछा परंतु युवक ने कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने उसे पुलिस को सौंप दिया। ग्रामीणों ने बताया कि युवक के पास पासपोर्ट, एक नक्शा व आधार कार्ड भी था। पुलिस युवक को कब्जे में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस ने बताया कि युवक केरल के गांव आदि राम का निवासी है। इसका नाम निसार है, जो इसके पासपोर्ट और आधार कार्ड पर लिखा है। पूछताछ के दौरान युवक ने बताया कि वह केरल का रहने वाला है, और अंतरराष्ट्रीय सीमा देखने आया था। पुलिस ने बताया कि युवक के पास एक भारत का पासपोर्ट व केरल का नक्शा मिला है। केरल पुलिस से भी संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस इस बात का भी पता कर रही है कि आखिर यह युवक यहां तक कैसे पहुंचा, वह किसके साथ यहां आया।

पहलवानों के प्रदर्शन पर प्रियंका गांधी बोलीं

खिलाड़ी देश की शान, आरोपों की जांच हो

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर पहलवानों का विरोध प्रदर्शन लगातार राजनीतिक रूप लेता जा रहा है। पहलवानों के आरोपों पर कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने भी ट्वीट किया है और जांच के बाद कार्रवाई की मांग की है। प्रियंका गांधी ने धरने पर बैठे पहलवानों को लेकर लिखा हमारे खिलाड़ी देश की शान हैं। विश्व स्तर पर अपने प्रदर्शन से वे देश का मान बढ़ाते हैं। कुश्ती फेडरेशन व उसके अध्यक्ष पर खिलाड़ियों ने शोषण के गंभीर आरोप लगाए हैं। इन खिलाड़ियों की आवाज सुनी जानी चाहिए। आरोपों की जांच कर उचित कार्रवाई की जानी चाहिए। पहलवान गीता फोगाट ने भी ट्वीट कर प्रदर्शन कर रहे पहलवानों का समर्थन किया है। उन्होंने लिखा आज बहुत दुखः हुआ यह तस्वीर देखकर की हमारे देश के गौरव ओलंपिक पदक विजेता खिलाड़ी दिल्ली मे जंतर-मंतर पर धरने पर बैठे है। ये तानाशाही बंद होनी चाहिये आज हम पूर्ण रूप से अपने खिलाड़ी साथियो की मांगों का समर्थन करते है।

खंडवा-हरदा स्टेट हाईवे पर दो बसों में भिड़ंत

टकराने के बाद एक बस पलटी, 20 से ज्यादा यात्री घायल

खंडवा, 19 जनवरी (एजेंसियां)। खंडवा-हरदा स्टेट हाईवे पर दो बसें आमने-सामने टकरा गईं। टकराने के बाद एक बस पलट गई। हादसे में 20 से ज्यादा यात्रियों के घायल होने की सूचना है। 2 यात्रियों की मौत की भी खबर है। मौतों की अभी पुष्टि नहीं हुई। हादसा गांव रजूर के पास गुरुवार सुबह हुआ। थाना हरसूद पुलिस मौके पर पहुंच गई है। घायलों को 108 एंबुलेंस से खंडवा भेजा जा रहा है।

कोरेगांव-भीमा जांच आयोग को तीन महीनों के लिए आगे बढ़ाया गया

गवाहों के बयान होंगे रिकॉर्ड

पुणे, 19 जनवरी (एजेंसियां)। 1 जनवरी, 2018 को हुई हिंसा की जांच कर रहे कोरेगांव-भीमा जांच आयोग को महाराष्ट्र सरकार की ओर से तीन महीनों के लिए आगे बढ़ा दिया गया है। दरअसल, पैनल की ओर से गवाहों के बयान दर्ज करने के लिए समय मांगा गया था जिसे मंजूरी दे दी गई है। इससे पहले भी दो सदस्यीय आयोग को अतिरिक्त समय दिया गया था जो कि 31 दिसंबर, 2022 तक वैध था।

31 मार्च तक के लिए बढ़ाया गया

मंगलवार को एक सरकारी अधिसूचना जारी की गई थी जिसमें लिखा गया है, आयोग को 31 दिसंबर, 2022 तक विस्तार दिया गया था, लेकिन अब आयोग को अपनी रिपोर्ट जमा करने के लिए 31 मार्च, 2023 तक का समय दिया गया है। अधिसूचना में यह भी कहा गया है कि जांच पैनल ने गवाहों के बयान दर्ज करने और दोबारा पूरे जांच की समीक्षा करने के लिए समय मांगा था जिसकी वजह से उन्हें तीन महीने का अतिरिक्त समय दिया गया है।

2018 के नए साल पर भड़क उठी थी हिंसा

आपको बता दें, 1 जनवरी, 2018 को पुणे जिले में कोरेगांव-भीमा युद्ध स्मारक के पास हिंसा भड़क गई थी। दलित बड़ी संख्या में स्मारक का दौरा करते हैं क्योंकि यहां 1818 में पुणे के ब्राह्मण पेशवा शासकों की सेना पर ब्रिटिश सेना की जीत का जश्न मनाया जाता है। इस विजयी सेना दल में कई दलित सैनिक भी शामिल थे। कलकत्ता उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश जे एन पटेल का दो सदस्यीय आयोग और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्य सचिव सुमित मलिक इस पूके मामले की जांच कर रहे हैं। 2018 में जांच आयोग का गठन किया गया था जब देवेन्द्र फडणवीस की सरकार सत्ता में थी। उस दौरान आयोग को कई बार अतिरिक्त समय भी दिया गया था। हालांकि, पुणे पुलिस ने आरोप लगाया था कि 31 दिसंबर, 2017 को शहर में आयोजित 'एल्गार परिषद सम्मेलन' में दिए गए भड़काऊ भाषणों के कारण हिंसा भड़क उठी थी।

जिम में वर्कआउट के दौरान अचानक आए चक्कर

अस्पताल ले जाने पर 67 साल के शख्स को डॉक्टरों ने बताया मृत

मुंबई, 19 जनवरी (एजेंसियां)। इन दिनों अचानक गिरकर होने वाली मौतों का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है. किसी की डांस करते हुए जान जा रही है तो किसी की मंच पर एक्टिंग करते हुए. इस बार महाराष्ट्र के पालघर जिले के वसई कस्बे में जिम में वर्कआउट के दौरान एक 67 वर्षीय एक व्यक्ति अचानक जमीन पर गिरे और उनकी मौत हो गई. पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रह्लाद निकम शाम करीब साढ़े सात बजे जिम में हर दिन की तरह वर्कआउट करने आए थे. तभी अचानक से उन्हें चक्कर आ गया और वह गिर पड़े. उन्होंने तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. डॉक्टरों का कहना है कि मौत के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है. शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है. इससे पहले ऐसा ही मामला उत्तर प्रदेश के लखनऊ से सामने आया था. जब जिम में वर्कआउट करते समय 41 साल के डॉक्टर की तबीयत अचानक बिगड़ गई थी. वह नीचे गिरे और उनकी मौत हो गई. उनकी मौत का कारण हार्ट अटैक बताया गया था. इससे पहले मध्य प्रदेश से भी इस तरह का मामला सामने आया था. इंदौर में एक होटल संचालक की जिम में एक्सरसाइज करने के दौरान मौत हो गई थी.

बाप में दम है तो दूसरे धर्म पर फिल्म बनाकर दिखाएं: धीरेंद्र शास्त्री का चैलेंज

छतरपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। बीते कुछ दिनों से बागेश्वर धाम सरकार के पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री चर्चाओं में हैं. नागपुर की एक समिति के साथ हुए विवाद के बाद अब बागेश्वर धाम सरकार के पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने देश के फिल्म निर्माताओं को चैलेंज दे डाला है. बागेश्वर सरकार पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि अगर फिल्म बनाने वालों के बाप में दम हो तो दूसरे धर्म में फिल्म बनाकर दिखा दें. इनका भारत में रहना मुश्किल हो जाएगा. बागेश्वर सरकार पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री इन दिनों छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में कथा वाचन कर रहे हैं. यहां मीडिया से चर्चा करते हुए बागेश्वर महाराज ने फिल्मों के बॉयकाट के एक सवाल पर कहा कि "जो लोग ऐसी फिल्में बनाते हैं उनके लिए बॉयकाट ही सबसे अच्छा विकल्प है. बागेश्वर सरकार पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने आगे कहा कि यह सब सोची समझी साजिश है. इन लोगों को मुंह की खानी पड़ेगी.

"हम हिन्दू बहुत भोले-भाले, इसलिए किया जाता अपमान"

बागेश्वर सरकार पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि सनातनी व्यक्तियों की विचारधारा कभी भी हिंसात्मक नहीं रही है. हर बार हिन्दू देवी-देवताओं का अपमान इसलिए किया जाता है कि हम हिन्दू लोग बहुत भोले-भाले हैं. हम सनातनी लोग अहिंसा पर विश्वास रखने वाले लोग हैं. पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने फिल्म निर्माताओं को खुला चैलेंज देते हुए आगे कहा कि, मैं फिल्म बनाने वालों को कहना चाहता कि अगर उनके बाप में दम हो तो किसी दूसरे धर्म पर फिल्म बनाकर दिखाएं. भारत में रहना मुश्किल हो जाएगा.

क्या है बागेश्वर सरकार का नागपुर विवाद

अंध श्रद्धा निर्मूलन समिति के संस्थापक और नागपुर की जादू-टोना विरोधी नियम जनजागृति प्रचार-प्रसार समिति के सह अध्यक्ष श्याम मानव ने बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के दरबार को डर का दरबार बताया है. श्याम मानव ने पुलिस को दी गई शिकायत और मीडिया से कहा है कि नागपुर में पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की कथा 5 से 13 जनवरी होनी थी. आमंत्रण पत्र और पोस्टर में भी 13 जनवरी तक कथा का जिक्र था. कथा पूरी करने के दो दिन पहले ही वे नागपुर से चले गए. पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का वास्ता बागेश्वर धाम से है. बागेश्वर धाम मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित है. यहां के गढ़ा गांव के बागेश्वर धाम में हर मंगलवार और शनिवार को उनके भक्तों का विशाल मेला लगता है. देर रात लगने वाले मेले में हजारों लोग उमड़ते हैं. इनमें से ज्यादातर प्रेत बाधा से मुक्ति की कामना लिये आते हैं और पूरे श्रद्धा भाव से उनके आगे लाल कपड़ों में लिपटे नारियल चढ़ाते हैं.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार

किसी पर कुदृष्टि रखना भी पाप है, इसलिए आँखों को शीतल बनाओ

आर्थिक साइबर अपराधों पर नियंत्रण के लिए जागरूकता जरूरी : शांति कुमारी

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई सलाहकार समिति की बैठक

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने आज बीआरकेआर भवन में आर्थिक संबंधित साइबर अपराधों पर राज्य स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान गैर-बैंकिंग वित्तीय मामलों, आर्थिक धोखाधड़ी, रियल एस्टेट, चिट फंड, जमा संग्रहण और जनता द्वारा वित्तीय लेनदेन पर अदालतों में दायर मामलों से संबंधित मुद्दों की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने आर्थिक संबंधित साइबर अपराधों को रोकने के लिए आरबीआई और पुलिस अधिकारियों की ओर से समन्वित प्रयास की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि गैर बैंकिंग ऋण ऐप से संबंधित अपराधों में वृद्धि को देखते हुए जनता में जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि आर्थिक अपराध से संबंधित अपराध दर्ज होने पर पुलिस अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। आरबीआई की क्षेत्रीय निदेशक निखिला, महाप्रबंधक रुचि अस्थाना, गृह प्रधान सचिव जितेंद्र, सीआईडी के डीजी महेश भागवत सीआईजी राहुल बोझा, विशेष सचिव वित्त रोनाल्ड रोज, अतिरिक्त रजिस्ट्रार सहकारी सुमित्रा और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

श्रीश्रीयादे माता जन्मोत्सव 23 को

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्री श्रीयादे माता मंदिर ट्रस्ट प्रजापति समाज धमाईगुडा हैदराबाद सिकंदराबाद द्वारा भक्त शिरोमणि श्रीयादें माता का जन्मोत्सव सोमवार 23 जनवरी को साईबाबा नगर धमाईगुडा स्थित मंदिर प्रांगण में मनाया जाएगा।

आज यहाँ प्रेस विज्ञप्ति में समाज के प्रचार मंत्री कैलाश प्रजापति एवं माणक प्रजापति ने संयुक्त रूप से बताया कि श्री श्रीयादे माता के जन्मोत्सव के अवसर पर रविवार 22 जनवरी को रात्रि 9:15 बजे से सम्पूर्ण रात्रि भजनो का आयोजन किया जाएगा इस अवसर पर गिरधारीलाल प्रजापति, सोहननाथ एवं मोहनलाल प्रजापति द्वारा भजन प्रस्तुत किए जाएँगे।सोमवार 23 जनवरी को प्रातः मंदिर को फूलो से सजाकर माता जी का श्रिंगार किया जाएगा एवं प्रातः 8:15 बजे से पूजा आरती एवं हवन किया जाएगा। इस के उपरांत दोपहर 12:15 बजे से कार्यक्रम में पधारे सभी भक्तों के लिए महा प्रसादि की व्यवस्था रहेगी। सभी समाज बंधुओ से आग्रह किया गया है कि अधिक से अधिक सांख्य में पधारे एवं माता रानी के दर्शन एवं महा प्रसादि का लाभ लें।

नेल्लोर रेलवे स्टेशन का उन्नयन कार्य तेजी से जारी

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रैंड ट्रंक रूट में स्थित नेल्लोर रेलवे स्टेशन को "रेलवे स्टेशनों के प्रमुख उन्नयन" परियोजना की अवधारणा के तहत चुना गया है ताकि सुरुचिपूर्ण सुविधाओं के साथ विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान की जा सकें। प्रतिदिन 30,000 यात्रियों की आवाजाही को संभालने वाले स्टेशन को रेल उपयोगकर्ताओं की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ने के साथ विशेष महत्व मिला है।

इन सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए, स्टेशन को अपग्रेड करने के लिए ईपीसी मोड के तहत स्टेशन अपग्रेडेशन की योजना बनाई गई है ताकि वर्तमान के साथ-साथ भविष्य के यात्री यातायात को भी संभाला जा सके। दक्षिण मध्य रेलवे ने अगस्त 2022 में इस महत्वपूर्ण कार्य को करने के लिए मैसर्स को अनुबंध दिया है। एससीएल इंफ्राटेक लिमिटेड, हैदराबाद और इसे 21 महीने की अवधि के भीतर यानी मई, 2024 तक पूरा करने का लक्ष्य है। काम सीधे शुरू हो गया है और अच्छी प्रगति कर रहा है। प्रारंभ में, सामग्री के ढेर के लिए साइट कार्यालयों, कंक्रीट परीक्षण प्रयोगशाला, भंडारण शेडों की स्थापना का कार्य पूरा हो गया है। नेल्लोर रेलवे स्टेशन के प्रमुख उन्नयन के लिए एजेंसी द्वारा प्रस्तुत डिजाइन की आईआईटी-मद्रास द्वारा प्रूफ जांच की गई है।

कोर्ट और जीआरपी कार्यालयों के कामकाज के लिए अस्थायी शेड का निर्माण पूरा कर लिया गया है और संबंधित विभागों को सौंप दिया गया है। पहले प्लेटफॉर्म पर 8 सीओपी पेडस्टल, दूसरे और चौथे प्लेटफॉर्म पर 4 पेडस्टल का निर्माण पूरा हो गया है। सीओपी का निर्माण कार्य प्रगति पर है। पुराने ढांचों को तोड़ने और खुदाई का काम चल रहा है। निर्माण कार्य के लिए एजेंसी द्वारा 250 मीट्रिक टन स्टील की खरीद की गई है। दमरे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने कहा है कि नेल्लोर स्टेशन पर शुरू किए गए उन्नयन कार्य अच्छी तरह से प्रगति कर रहे हैं और इसकी हर स्तर पर निगरानी की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है और कार्य तेजी से किया जा रहा है।

निदेशक ने मक्का मस्जिद के नवीकरण कार्य का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण बी. शफीउल्ला ने मक्का मस्जिद के नवीनीकरण कार्य का निरीक्षण किया। बी. शफीउल्ला, आईएफएस, निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण, ने गुरुवार को ऐतिहासिक मक्का मस्जिद के जीर्णोद्धार कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्य की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को इसे जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को रमजान की शुरुआत से पहले काम पूरा करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीएमडब्ल्यूओ हैदराबाद मोहम्मद इलियास और पुरातत्व एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अन्य अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे।

साइबराबाद में 22 जनवरी को निषेधाज्ञा

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद के पुलिस आयुक्त एम. स्टीफन रवींद्र, आईपीएस ने लिखित परीक्षा (ओएमआर) के आयोजन के लिए टीएसपीएससी के सुचारू संचालन के लिए साइबराबाद आयुक्तालय की सीमा में परीक्षा केंद्रों पर लगभग 500 गज की दूरी पर लोगों के जमावड़े पर रोक लगा दी है। निजामाबाद, करीमनगर, हनुमाकोंडा, खम्मम हैदराबाद, रंगारेड्डी और मेडचल-मलकजगिरी जिले में 22 जनवरी को होने वाली विभिन्न इंजीनियरिंग विभाग में सहायक कार्यकारी अभियंता (अधिसूचना संख्या 12/22) के पदों की भर्ती के लिए परीक्षा की जा रही है। आयुक्त ने जनता को सूचित किया कि आदेशों का उल्लंघन करने वाला कोई भी व्यक्ति धारा 144 सीआरपीसी के तहत अभियोजन के लिए उत्तरदायी होगा।

एनआईआरडीपीआर में उन्नत ई-ग्रामस्वराज पर परामर्शदात्री क्षेत्रीय कार्यशाला शुरू

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उन्नत ई-ग्रामस्वराज एप्लिकेशन पर दो दिवसीय परामर्शदात्री क्षेत्रीय कार्यशाला का आज उद्घाटन एनआईआरडीपीआर हैदराबाद में किया गया। शुरुआत में सीपीआरडीपीएसएसडी केंद्र प्रमुख एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. एके भांजा ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और इस दो दिवसीय कार्यशाला के उद्देश्यों की व्याख्या की।

इस कार्यशाला के लिए छह राज्यों बिहार, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और तेलंगाना के पंचायती राज विभाग के निर्वाचित प्रतिनिधियों और अधिकारियों को आमंत्रित किया गया था। डॉ एके भांजा ने प्रतिभागियों को बताया कि कार्यशाला का फोकस तीन महत्वपूर्ण मुद्दों पर होगा, जैसे ई-ग्रामस्वराज पोर्टल, ग्राममंचित्र स्थानिक योजना आवेदन और स्थानीय सरकार निर्देशिका (एलजीडी)। उन्होंने देश भर में पंचायती राज संस्थानों (पीआरआई) में ई-गवर्नेंस को मजबूत करने के लिए कहा। 24 अप्रैल, 2020 को पंचायती राज मंत्रालय (एमओपीआर) ने उपयोगकर्ता के अनुकूल वेब-आधारित पोर्टल ईग्रामस्वराज लॉन्च किया।

इसका उद्देश्य विकेंद्रीकृत योजना, प्रगति रिपोर्टिंग और कार्य-आधारित लेखांकन में बेहतर पारदर्शिता लाना है। डॉ जी नरेंद्र कुमार महानिदेशक, एनआईआरडीपीआर आलोक प्रेम नागर संयुक्त सचिव, एमओपीआर और उद्घाटन सत्र में सुनील जैन, उप महानिदेशक एनआईसी उपस्थित थे। आलोक प्रेम नगर संयुक्त सचिव, एमओपीआर ने इस पोर्टल, ईग्रामस्वराज 2.0 की उन्नत सुविधाओं पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने कहा कि इस पोर्टल को ई-पंचायत मिशन मोड प्रोजेक्ट (एमएमपी) के तहत सभी अनुप्रयोगों की कार्यक्षमता को मिलाकर विकसित किया गया है। ई-ग्रामस्वराज पंचायती राज संस्थाओं को धन के अधिक हस्तांतरण को प्रेरित करके पंचायत की विश्वसनीयता बढ़ाने में सहायता करता है। एनआईआरडीपीआर के महानिदेशक डॉ. जी. नरेंद्र कुमार ने एक विशेष संबोधन दिया। सबसे पहले उन्होंने पंचायतों के कामकाज के कम्प्यूटरीकरण के माध्यम से पंचायतों को एक आईसीटी मंच प्रदान करने के लिए एमओपीआर को बधाई दी।

उन्होंने सेवा वितरण में सुधार के लिए एमओपीआर द्वारा विकसित कई अनुप्रयोगों के प्रभावी उपयोग के लिए पंचायतों की भी सराहना की। महानिदेशक ने अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में पंचायतों के कामकाज में आने वाली कई चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्वयं के स्रोत राजस्व (ओएसआर) दीर्घकालिक स्थिरता प्रदान करते हैं।

विद्यार्थियों को पढाई के प्रति आकर्षित करने की नई पहल

राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में स्थापित किए जाएंगे पुस्तकालय

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। निजी और कॉर्पोरेट स्कूलों से पीछे न रहने के लिए, राज्य सरकार ने राज्य भर के सभी सरकारी और स्थानीय निकायों के स्कूलों में पुस्तकालय स्थापित करने का निर्णय लिया है। 5,000 सरकारी और स्थानीय निकायों के स्कूलों में पुस्तकालय स्थापित करने के अलावा, 998 उच्च प्राथमिक विद्यालयों सहित 2,732 उच्च विद्यालयों में पूर्ण सुविधाएं स्थापित करने की भी पहल की जा रही है। पुस्तकालय स्थापित करने की दिशा में स्कूल शिक्षा विभाग ने इनमें से प्रत्येक पुस्तकालय को 120 पुस्तकें उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। अधिकारी इन पुस्तकों को नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) से खरीदने की योजना बना रहे हैं।

राज्य सरकार ने 5000 राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में पुस्तकालय स्थापित करने के बाद विभाग को इन विद्यालयों में 6 लाख पुस्तकें उपलब्ध कराने की अनुमति प्रदान की है। इसी के अनुरूप इन पुस्तकों के मुद्रण की प्रक्रिया हाल ही में राजकीय पाठ्य पुस्तक मुद्रणालय द्वारा प्रारंभ की गई है। इसी प्रकार, राजकीय उच्च विद्यालयों में बनने वाले पुस्तकालयों में छात्रों के पढ़ने के कौशल को सुधारने में मदद करने वाली पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएंगी। डिजिटल/ऑनलाइन अध्ययन के साथ, जो टेलीविज़न सेट और कंप्यूटर पर निर्भर है, कोविड-19 महामारी के दौर में भौतिक कक्षाओं में वापसी का रास्ता दे रहा है, कई छात्र कथित तौर पर बुनियादी पढ़ने और लिखने के कौशल के साथ संघर्ष कर रहे हैं। स्कूली छात्रों के बीच इन कौशलों को पुनर्जीवित करने और सुधारने के साधन के रूप में विभाग ने मूलभूत साक्षरता न्यूमेरसी कार्यक्रम 'तोलिमेट्टु' लॉन्च किया है। कार्यक्रम के तहत विद्यालयों में विभिन्न प्रकार की पुस्तकों के साथ पुस्तकालय स्थापित किए जा रहे हैं। पुस्तकालयों के चालू होने के बाद विद्यालयों को प्रतिदिन कम से कम 15 मिनट पुस्तकालय अवधि संचालित करने का निर्देश दिया गया है। विभाग ने शिक्षकों को निर्देश दिया है कि पुस्तकालय में उपलब्ध कराई गई अन्य पुस्तकों के साथ-साथ विषय की पुस्तकों को भी छात्र-छात्राएं पढ़ना सुनिश्चित करें। उन्हें यह सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देशित किया गया था कि छात्र बुनियादी क्षमता स्तर हासिल करें।

पूर्व सांसद ने सीएम केसीआर पर साधा निशाना

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व सांसद और बीजेपी नेता बूरा नरसैय्या गौड़ ने आज सीएम केसीआर पर जमकर निशाना साधा और कहा कि उनकी पार्टी की खम्मम जनसभा में सीएम के संबोधन में कुछ भी नहीं है।

मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने सीएम से पूछा कि उन्होंने अपने पिछले 9 साल के शासन में राज्य के विकास के लिए क्या किया? उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की जनता से अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए सीएम ने अपनी बीआरएस पार्टी बनाई है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य के वामपंथी दलों ने अपने स्वार्थ के लिए बीआरएस पार्टी के साथ गठबंधन किया है। कंटी वेलुगु योजना के कार्यान्वयन का उल्लेख करते हुए, उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार आगामी विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए 200 करोड़ रुपये खर्च करके इस योजना को लागू कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार के कांटी वेलुगु शिविरों में एक भी नेत्र रोग विशेषज्ञ नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें सत्तारूढ़ पार्टी से निष्कासित कर दिया गया क्योंकि उन्होंने सीएम से राज्य में चार सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल स्थापित करने की मांग की थी। उन्होंने राज्य सरकार से राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के अलावा एक विशेष सरकारी नेत्र चिकित्सालय स्थापित करने की मांग की।

उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर राज्य के दलितों के खिलाफ भेदभाव दिखा रहे थे और उन्होंने कहा कि उन्होंने इब्राहिमपटनम में विपणन समिति के अध्यक्ष की नियुक्ति नहीं की क्योंकि यह अनुसूचित जाति के उम्मीदवार के लिए आरक्षित था। इब्राहिमपट्टनम विधानसभा क्षेत्र से प्रतिद्वंद्वी पार्टी के विधायक एम. किशन रेड्डी पर निशाना साधते हुए गौड़ ने कहा कि यह हास्यास्पद है कि विधायक ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों को इतनी सारी समस्याएं पैदा करने के बाद अपने निर्वाचन क्षेत्र में प्रगति निवेदन यात्रा की।

ट्रैफिक पुलिस ने 12 मिनट में मलकपेट से नल्लागुट्टा तक जीवित अंग पहुंचाया

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आज एक बार फिर हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने अंगों को ले जाने वाली एम्बुलेंस को नॉन-स्टॉप मूवमेंट प्रदान करके जीवित अंगों (हृदय और फेफड़े) के परिवहन की सुविधा प्रदान की। गुरुवार को सुबह 10.59 बजे हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने यशोदा अस्पताल, मलकपेट से किम्स अस्पताल, सिकंदराबाद तक अंगों के परिवहन के लिए ग्रीन चैनल की व्यवस्था की। यशोदा अस्पताल, मलकपेट, हैदराबाद से केआईएमएस अस्पताल सिकंदराबाद के बीच की दूरी 11 किमी है, जिसे 12 मिनट में तय किया गया।

जीवित अंगों (हृदय और फेफड़े) को लेकर मेडिकल टीम यशोदा अस्पताल, मलकपेट, हैदराबाद से सुबह 10.59 बजे रवाना हुई और सुबह 11.11 बजे केआईएमएस अस्पताल, सिकंदराबाद पहुंची। जीवित अंगों के परिवहन में हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस के प्रयासों की यशोदा अस्पताल और केआईएमएस अस्पताल के प्रबंधन ने सराहना की क्योंकि इससे एक अनमोल जीवन को बचाने में मदद मिलेगी। इस साल 2023 में हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने दो बार अंग परिवहन की सुविधा दी है। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस हमारे नागरिकों की परवाह करती है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, BAWAZEER BARKHA BEGUM, R/o.H.NO. 18-11-67/A/26/B/3/A, BARKAS, CHANDRAYANGUTTA, HYD, CHANGED MY NAME AS "BARKA ABUBAKAR BAWAZIR D/o.ABUBAKAR SALAM BAWAZIR.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें ट्विट्टर @SCRailwayindia पर फालो करें। हमरे की निविदा सूचनाओ की जानकारी हमारे वेबसाइट: www.scr.indianrailways.gov.in पर भी देखें।

आवेदनों के आमंत्रण की सूचना

सी/सी/वायटीएसके/2022 दि.13.01.2023

PUB/0061

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ मंडलीय वाणिज्यिक प्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद डिवीजन, सिकंदराबाद व्दारा आरक्षित तथा अनारक्षित टिकटों की जारी के लिए, अनुलग्नक-1 में विवरितानुसार विभिन्न स्थानों पर निजी सहभागिता के माध्यम से, **यात्री सुविधा केंद्र** (वायटीएसके) की स्थापना एवं संचालन के लिए निम्न अर्हतापात्र से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

सभी अधिकृत रेलवे टिकेटिंग एजेंट्स एवं भारतीय रेल से जुडे रेल ट्रैवल सर्विसेज एजेंट्स(आरटीएसएज), रेल ट्रैवल एजेंट्स(आरटीएज) तथा जनसाधारण टिकेट बूकिंग सेवकों (जेटीबीज) और इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कारपोरेशन(आयआरसीटीसी) व्दारा नियुक्त ऐसे टिकेटिंग एजेंट्स, जो वर्तमान में कार्यरत हैं/ जिन्होंने न्यूनतम दो (2) वर्ष तक कार्य किया है, ऐसे ही आवेदक वायटीएसके योजना के तहत आवेदन करने के लिए योग्य हैं।

सभी निर्धारित व समुचित दस्तावेजों युक्त यथावत रूप से पूरे किये गये तत्संबंधित आवेदनों को मुहरबंद लिफाफे में डालकर, 'रजिस्टर्ड पोस्ट एकनालेजमेंट ड्यू' व्दारा प्रेषित करना चाहिए या तत्संबंधित आवेदनों को, वरिष्ठ मंडलीय वाणिज्यिक प्रबंधक, पहला तल, संचालन भवन, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद डिवीजन, सिकंदराबाद-500025 के कार्यालय में व्यक्तिगत रूपसे प्रस्तुत करना चाहिए।

उक्त मुहरबंद लिफाफे पर, 'यात्री टिकट सुविधा केंद्र (वाईटीएसके) की स्थापना तथा संचालन हेतु आवेदन' नामक पता लिखा होना चाहिए।

तत्संबंधित आवेदनों के प्रस्तुति की अंतिम तिथि दि. 08-02.2023 के 15.00 बजे या इससे पूर्व है। दि. 08.02.2023 के 15.00 बजे के उपरांत डाक व्दारा या व्यक्तिगत रूप से प्रस्तुत आवेदन अस्वीकार होंगे तथा इस मामले में हुए किसी भी विलंब के लिए रेल प्रशासन कतई जिम्मेदार नहीं होगा।

आवेदनों को दि. 08.02.2023 के 15.30 बजे खोला जायेगा।

आवेदन प्रपत्र, आर्हता मानदंड, योग्यता, नियम व शर्तों युक्त तत्संबंधित योजना का विवरण, दक्षिण मध्य रेलवे के आफिशियल वेबसाइट-www.scr.indianrailways.gov.in' पर उपलब्ध है। इस बारे में अधिक जानकारी हेतु आप किसी भी कार्यालयीन दिनों में अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर संपर्क कर सकते हैं।

ए 0096 वरिष्ठ मंडलीय वाणिज्यिक प्रबधक, सिकंदराबाद

सपा नेता की बेटी संग फरार हुआ शादीशुदा बीजेपी नेता

सोशल मीडिया पर छिड़ी जंग

हरदोई, 19 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के हरदोई में बीजेपी के नगर महामंत्री पर एक युवती को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगा है। आरोप है कि बीजेपी नगर महामंत्री सपा नेता की बेटी को शादी का झांसा देकर बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। सपा नेता ने मामले की पुलिस से शिकायत की है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर बीजेपी नेता के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया और दोनों की खोजबीन में जुटी है। इस मामले में समाजवादी पार्टी की ओर से सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर पूछा गया है कि योगी सरकार अब अपने चरित्रहीन बीजेपी नेता को पार्टी से निष्कासित कर गिरफ्तार कराएगी या फिर आरोपी को माला पहनाकर उसको महिमामंडित करेगी। बीजेपी नेता के इस कृत्य से पार्टी की जहां किरकिरी हो रही है तो वहीं बीजेपी ने नगर महामंत्री को पार्टी से निकाले जाने और प्रकरण में कड़ी कार्रवाई कराने की बात कही है।

पिस्टल दिखा बैंक लूटने के लिए घुसे अपराधी

महिला सिपाहियों से हो गया सामना, जान बचाकर भागे

वैशाली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। जिला मुख्यालय हाजीपुर में सदर थाना क्षेत्र स्थित उत्तर बिहार क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक सेन्दुआरी शाखा को लूटने तीन अपराधी पिस्टल लेकर घुसे तो राइफलधारी दो महिला पुलिसकर्मियों को देख डरे नहीं। उन्हें लगा होगा कि महिलाएं हैं। रायफल संभालेंगी कि खुद को? लूट के पहले इनपर काबू पाने के लिए पिस्टल तान दी। लेकिन, जूही और शांति कुमारी ने अपनी रायफल नहीं तानी बल्कि भिड़ गईं। ऐसी भिड़ीं कि तीनों को बाहर बाइक लिए खड़े उनके दो साथियों ने जल्दी भागने कहा। किसी तरह इनसे दो अपराधी छूट गया, लेकिन तीसरे को पकड़ी रहीं। फिर दोनों लुटेरों ने मिलकर तीसरे को छुड़ाया और भाग खड़े हुए। बैंक में रखे 10 लाख रुपए और बैंक के छह अफसरों-कर्मियों को बचाने पर आज यह सुर्खियों में हैं।

नवादा में बोलेरो की चोरी सीसीटीवी में वारदात कैद

नवादा, 19 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के नवादा में बोलेरो की चोरी हुई है। हिसुआ थाना क्षेत्र के दोना गांव में घर के पास खड़े बोलेरो वाहन को चोरों ने उड़ा लिया है। इस चोरी की वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि किस तरह से चोर बोलेरो लेकर भागा है। इसी आधार पर पीड़ित व्यक्ति ने हिसुआ थाने में लिखित रूप से आवेदन देकर मुकदमा दर्ज कराया है।

अकेली महिला के घर लाखों का डाका

पूर्णिया, 19 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के पूर्णिया में बायसी थाना क्षेत्र के कदवा गांव में 10 से 12 की संख्या में आए नकाबपोश हथियारबंद अपराधियों ने एक घर में घुसकर डकैती की घटना को अंजाम दिया। घटना के बाद घर की मालिक जुबैदा खातून ने स्थानीय थाने में मामला दर्ज कराया है। पुलिस घटनास्थल पहुंचकर मामले की जांच में जुटी है।

गरीबी का फायदा उठाकर महिला के साथ दुष्कर्म

लखनऊ, 19 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी की विभूतिखंड थाना पुलिस ने गरीबी का फायदा उठाकर 2019 से महिला के साथ दुष्कर्म करने वाले व वीडियो बनाकर वायरल करने वाले आरोपी सोमेंद्र सिंह को गिरफ्तार किया है। सोमेन्द्र सिंह पर पीड़िता ने आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज की थी। एफआईआर दर्ज करने के बाद पुलिस ने कार्यवाही करते हुए बुधवार को सोमेंद्र सिंह को गोमतीनगर के चौराहे से गिरफ्तार किया है।

सीएम नीतीश ने फिर विशेष राज्य की मांग का अलापा राग

कहा- सभी पिछड़े स्टेट को स्पेशल स्टेटस दे केंद्र सरकार

पटना, 19 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समाधान यात्रा के तहत बक्सर पहुंचे थे। वहां उन्होंने एक बार फिर से बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने का राग अलपाया। राज्य को विशेष राज्य का दर्जा देने से केंद्र के इनकार पर नाराजगी जताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। कहा कि केंद्र सभी पिछड़े राज्यों को दर्जा दे। पहले भी कई सारे पिछड़े राज्यों को दर्जा दिया गया है।

बिहार को देना चाहिए विशेष राज्य का दर्जा

नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार ने अकल्पनीय प्रगति की है। विशेष दर्जे की हमारी लंबे समय से चली आ रही मांग को अस्वीकार किया गया उसके बाद भी हम लगे रहे। हम जो भी संसाधनों का उपयोग कर सकते हैं कर रहे हैं। कहा कि पिछड़े राज्यों को समर्थन देने के लिए विशेष दर्जा देने का प्रावधान किया गया है। अगर देश को समृद्ध होना है तो इसे प्रगति करनी चाहिए। सुशील मोदी का नाम लिए बिना उनके एक बयान पर हमला बोला और कहा कि किसी को गरीब राज्यों के प्रति उदासीन नहीं होना चाहिए क्योंकि वह एक समृद्ध राज्य से आता है।

तेलंगाना में मुख्यमंत्री की बैठक पर नीतीश का रिएक्शन

तेलंगाना समकक्ष के चंद्रशेखर राव द्वारा आयोजित बैठक पर टिप्पणी करने से मुख्यमंत्री ने इनकार कर दिया। वहां के सीएम की बैठक को एक वैकल्पिक मोर्चा बनाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है जो बीजेपी का विरोध करेगा, लेकिन कांग्रेस को भी बाहर कर देगा। इसके अलावा नीतीश कुमार ने सुधाकर सिंह पर आरजेडी द्वारा जारी किए गए कारण बताओ नोटिस पर अलग ही रिएक्शन दिया। नीतीश ने मुस्कुराते हुए कहा कि सब बात आप लोगों को पता ही है। उनके खिलाफ बार-बार होने वाले अपमान के साथ सत्तारूढ़ गठबंधन को शर्मिंदगी महसूस हो रही थी।

हम शहरों को कर्बला बना देंगे

मुस्लिमों के लिए सेफ्टी एक्ट बने जेडीयू नेता ने दिया भड़काऊ भाषण

पटना, 19 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार और झारखंड में मुसलमानों को डर दिखा कर एक नई तरह की बहस शुरू हो गई है। पहले लालू यादव की पार्टी के नेता अब्दुल बारी सिद्दकी ने देश के माहौल को लेकर चिंता ज़ाहिर की और अब नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू के नेता और पूर्व एमएलसी गुलाम रसूल बलियावी ने भड़काऊ बयान बाज़ी की है। गुलाम रसूल बलियावी ने रैली में मुसलमानों की सुरक्षा के लिए सेफ्टी एक्ट की मांग कर दी। गुलाम रसूल बलियावी ने झारखंड के हाजारीबाग में एक रैली में जमकर भड़काऊ बयानबाज़ी की। झारखंड के हाजारीबाग में एक रैली के दौरान जेडीयू नेता ने नाम लिये बिना बीजेपी से निष्कासित नेता नुपुर शर्मा पर निशाना साधते हुए धमकी दी कि वो शहरों को कर्बला बना देंगे। जेडीयू लीडर ने आरोप लगाया कि खुद को सेकुलर बताने वाली किसी पार्टी ने नुपुर शर्मा की गिरफ्तारी की मांग नहीं की। गुलाम रसूल अपनी तकरीर में पहले तो सामाजिक मुद्दों पर बोलते रहे फिर नुपुर शर्मा के नाम पर लोगों को भड़काया और आखिर में मुलसमानों के लिए सेफ्टी एक्ट की मांग कर दी।

बक्सर में सीएम नीतीश के काफिले के लिए 15 मिनट तक रोकी गयी ट्रेन

अश्विनी चौबे ने पूछा-पिकनिक पर आए हैं क्या?

बक्सर/पटना, 19 जनवरी (एजेंसियां)। वीआईपी को पास कराने के लिए रोड ब्लॉक करना तो आम बात है। लेकिन, ताजा मामले में बक्सर में ट्रनों को ही रोक दिया गया। दरअसल यह मामला बिहार के बक्सर जिले से सामने आया है, जहां मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के काफिले को निकालने के लिए आउटर पर दो ट्रेनों को 15 मिनट तक रोककर रखा गया। इस वजह से यात्री ट्रेन से उतरकर पैदल ही बक्सर स्टेशन पर जाने लगे। वहीं इस मामले के सामने आने के बाद केन्द्रीय राज्य मंत्री अश्विनी चौबे ने कहा कि मैं भारत सरकार के रेल मंत्रालय को कहूंगा इसकी उच्च स्तरीय जांच कराई जाए कि किस व्यक्ति के लिए किसके इशारे पर पैसेंजर ट्रेन रोकी गई। उन्होंने नीतीश कुमार पर निशाना साधते पूछा कि ये समाधान यात्रा पर आए हैं या पिकनिक यात्रा पर? बता दें, सीएम नीतीश कुमार बुधवार को समाधान यात्रा के लिए बक्सर गए हुये थे है। इसी दौरान नीतीश कुमार चक्की प्रखंड के हेनवा गांव में महादलित बस्ती का निरीक्षण करने पहुंचे थे। लोगों से बातचीत की और उनकी समस्याएं को भी सुना। लेकिन, जब वापस लौटने के दौरान सीएम का काफिला रेलवे गुमटी से होकर गुजरने वाला था, सीएम के काफिले को जाने देने के लिए पूर्वी इटाढ़ी रेलवे गुमटी को खुला रखा गया और करीब 15 मिनट तक ट्रेनों को रोक कर रखा गया जिससे यात्रिओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

नागालैंड विधानसभा का चुनाव लड़ेगा आरजेडी

पटना, 19 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा पाने की कोशिश में जुटा आरजेडी नागालैंड विधानसभा का चुनाव लड़ेगा आरजेडी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पार्टी ने अपने नागालैंड के प्रदेश संगठन से संभावित उम्मीदवारों की सूची मांगी है। वहां 11 सीटों पर उम्मीदवारों उतारने की तैयारी है। कुछ दिन पहले ही नागालैंड से आरजेडी के प्रदेश संगठन का एक शिष्टमंडल बिहार आया था और राजधानी पटना में डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव से मिला था।

आरजेडी का मिशन नागालैंड

तेजस्वी यादव के साथ मुलाकात के दौरान यह सहमति बनी थी कि नागालैंड और पूरे नॉर्थ ईस्ट में पार्टी के संगठन को मजबूत किया जाएगा। पार्टी

नागालैंड में अपनी मजबूती को दिखाते हुए चुनाव लड़ेगी। यह भी तय हुआ था कि मकर संक्रांति के बाद पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों का एक शिष्टमंडल नागालैंड का दौरा करेगा और वहां पर उन सीटों को देखेगा, जहां पार्टी की जीत की संभावना सबसे ज्यादा है। नागालैंड विधानसभा में आरजेडी के पहले भी चार विधायक रह चुके हैं।

नागालैंड में 27 फरवरी को मतदान

18 जनवरी को ही भारत निर्वाचन आयोग ने नागालैंड मेघालय त्रिपुरा में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान किया था। इसके तहत त्रिपुरा में 16 फरवरी, जबकि नागालैंड और मेघालय में 27 फरवरी को मतदान कराने की घोषणा की गई है। तीनों ही राज्यों में हुए मतदान की मतगणना 2 मार्च को होगी। इन तीनों राज्यों की विधानसभाओं का 5 साल का कार्यकाल क्रमशः 12 मार्च, 15 मार्च और 22 मार्च को समाप्त हो जाएगा।

जेडीयू भी लड़ेगा नागालैंड चुनाव

नागालैंड में कुल 60 विधानसभा सीटें हैं। वहां नेशनल डेमोक्रेटिक प्रोगिसिव पार्टी की सरकार और नेफ्यू रियो मुख्यमंत्री हैं। सरकार में एनडीपीपी, बीजेपी और जेडीयू शामिल हैं। यहां इस बार में एनडीपीपी 40 और बीजेपी 20 सीटों पर मिलकर चुनाव लड़ेगी। वहीं जेडीयू भी वहां विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहा है।

क्या सपा में शामिल होंगी नेताजी की बहू और बीजेपी नेता अपर्णा यादव?

शिवपाल यादव ने पहली बार दिया जवाब

लखनऊ, 19 जनवरी (एजेंसियां)। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के संस्थापक और समाजवादी पार्टी के विधायक शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि उन्होंने भतीजे अखिलेश यादव को अपना नेता स्वीकार कर लिया है और सपा उनकी पार्टी है। पत्रकारों द्वारा यह पूछे जाने पर कि उन्हें अभी तक सपा में कोई पद नहीं मिला है, यादव ने कहा, 'अखिलेश यादव मेरे भतीजे और सपा अध्यक्ष हैं। मैंने उन्हें अपना नेता स्वीकार किया है। उनकी तरह मैं भी सपा का विधायक हूं। सपा मेरी पार्टी है और मैं पहले पदों पर भी रहा हूं।''सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने बीजेपी सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी के लोग संघर्ष के पथ पर निकलेंगे और

निश्चित है कि अब लंका जलेगी। उन्होंने लोकसभा चुनाव 2024 में उत्तर प्रदेश में विपक्षी दलों का मोर्चा बनाए जाने के सवाल पर कहा कि सपा अकेले उत्तर प्रदेश से बीजेपी को हटाने में सक्षम है। सपा नेता और विधायक यादव ने रात जिले के फेफना में संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने अपर्णा यादव के सपा में शामिल होने पर कहा कि वह परिवार की बहू हैं और परिवार के सुख-दुख में हमेशा शरीक होती हैं। यादव ने वरुण गांधी के सपा में शामिल होने के अटकलों पर कहा कि बीजेपी की भ्रष्ट सरकार को हटाने के लिए जो भी आना चाहे , उसका स्वागत है।

2024 का बताया प्लान

चाचा शिवपाल यादव ने कहा, ''हम भगवान राम और कृष्ण को मानने वाले लोग हैं तथा इनके विचारों पर चलने वाले हैं। सपा के लोग संघर्ष के पथ पर निकलेंगे और निश्चित है कि लंका जलेगी।'' यादव ने कहा कि उनका लक्ष्य फिलहाल 2024 में होने वाले आम चुनाव में बीजेपी को सत्ता से हटाने और 2027 में उत्तर प्रदेश के होने वाले विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाना है। कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' में शामिल न होने और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के द्वारा आयोजित विपक्षी दलों की रैली में अखिलेश यादव के शामिल होने को लेकर सवाल किया गया कि क्या सपा को राहुल गांधी पसंद नहीं हैं? इसपर यादव ने कहा, ''राहुल गांधी को शुभकामनाएं। उनकी अलग पार्टी है।

मुश्किल में घिरे शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर

भभुआ सिविल कोर्ट में परिवाद दायर

कैमूर (भभुआ), 19 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के भभुआ में सनातन धर्म से जुड़े लोगों ने शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर के खिलाफ परिवाद दायर किया है। भभुआ व्यवहार न्यायालय में याचिका दायर की गई है। याचिकाकर्ता दुर्गेश कुमार चौबे ने अपनी शिकायत में कहा कि शिक्षा मंत्री ने रामचरित मानस पर नकारात्मक बातें फैलाने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि पहले चंद्रशेखर को रामचरितमानस का अध्ययन करना चाहिए, उसके बाद किसी बिंदु पर टीका-टिप्पणी करनी चाहिए। हम लोगों ने भभुआ व्यवहार न्यायालय में शिक्षा मंत्री के खिलाफ याचिका दायर कराई है। उन्होंने हमारी आस्था को ठेस पहुंचाई है और रामचरितमानस को लेकर गलत बातें

कही है। अगर चंद्रशेखर में हिम्मत है तो किसी और धर्म के बारे में बोल कर दिखाएं। इसलिए हम लोग चाहते हैं कि शिक्षा मंत्री को तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए। अगर सरकार शिक्षा मंत्री से इस्तीफा दिलवाने में असफल होती है तो हम लोग कैमूर ही नहीं बल्कि पूरे बिहार में बहुत बड़ा आंदोलन करेंगे

गिरिराज गरजे

मंत्री बात नहीं सुन रहे तो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार क्या कर रहे, इस्तीफा दे दें

पटना, 19 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बिहार में कदम रखते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को आड़े हाथ लिया। उन्होंने बिहार में राष्ट्रीय जनता दल कोटे के मंत्रियों के बयानों को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कमजोर हो गए हैं। जिस राज्य में कोई मंत्री अपने मुख्यमंत्री की बात नहीं सुने, वहां तो मुख्यमंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने राजद कोटे के मंत्री सुरेंद्र प्रसाद यादव के बयान पर भी तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि टुकड़े-टुकड़े गैंग ही सेना पर सवाल उठा सकता है या सेना को कठघरे में खड़ा कर सकता है। सुरेंद्र यादव ने कहा था कि चुनाव आता है तो भाजपा सेना पर हमला करती है।

नीतीश की पीएम उम्मीदवारी पर कटाक्ष

बेगूसराय के फायर ब्रांड सांसद और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से बिहार नहीं संभल रहा है और वह प्रधानमंत्री की कुर्सी का सपना देख रहे हैं। उस जगह सपना देख रहे हैं, जहां सब खुद को पीएम उम्मीदवार माने ही बैठे हैं। प्रधानमंत्री उम्मीदवारों की उस भीड़ में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की हालत क्या है, यह केसीआर ने दिखा दी थी। केसीआर पटना आए तो नीतीश कुमार से उठ-बैठ करा रहे थे। देर रात पटना एयरपोर्ट पर उतरे गिरिराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री की उम्मीदवारी का सपना पालने वाले लोग भटकते रह जाएंगे, लेकिन वह पद खाली नहीं होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनता के दिलों पर राज करते हैं और सेवक के रूप में उनकी छवि पर कोई दाग नहीं है। गिरिराज ने कहा कि नीतीश कुमार को पहले बिहार पर ध्यान देना चाहिए, जहां कुछ भी नियंत्रित नहीं रह गया है। जब उनके मंत्री ही उनके नियंत्रण में नहीं हैं तो बाकी शासन-व्यवस्था की बात ही बेकार है।

सम्राट बोले- धर्म-जाति के आधार पर बांट रही सरकार

बिहार विधान परिषद् में प्रतिपक्ष के नेता सम्राट चौधरी भी एयरपोर्ट से गिरिराज सिंह के साथ निकले। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जातीय वैमनस्य को बढ़ावा दे रहे हैं और उनके मंत्री धर्म-जाति के आधार पर बांटने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। भाजपा पर धार्मिक उन्माद फैलाने का आरोप लगाने वाले मंत्रियों से मुख्यमंत्री को पूछना चाहिए कि रामचरितमानस पर विवाद कर अगड़ा-पिछड़ा की भावना भड़काने के पीछे क्या साजिश है? मुख्यमंत्री को लाचार होकर नहीं कहना चाहिए कि कह दिया है, हो रहा है। यहां तो उनके कहने का कोई असर ही नहीं पड़ रहा है। सुधाकर सिंह को नोटिस देना याद आता है और बच्चों के मन में अगड़ा-पिछड़ा भरने वाले शिक्षा मंत्री की शिक्षा पर मुख्यमंत्री को एतराज नहीं होता है।

हापुड़ में बड़ा हादसा

तालाब में गिरी बेकाबू कार, चार लोगों की मौत

हापुड़, 19 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। हादसा हापुड़ के कपूरपुर थाना इलाके के गांव समाना कमरूदीन नगर मार्ग पर हुआ। जानकारी के अनुसार, देर रात एक कार बेकाबू होकर तालाब में गिर गई। हादसे में कार सवार चारों लोगों की मौत हो गई है। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से चारों के शव और गाड़ी को बाहर निकलवाया। चारों लोग गाजियाबाद से लौट रहे थे। हादसे के काफी देर बाद लोगों को पता चला। मृतकों की पहचान समाना गांव के रहने वाले राहुल, हारुन, शौकीन और मूलरूप से बुलंदशहर जनपद और फिलहाल गांव ककराना में रहने वाले अरुण के रूप में हुई है। सभी गाजियाबाद के वेदांता फार्म हाउस में पार्किंग की ठेकेदार का काम करते थे। रात को वह गाजियाबाद से घर आ रहे थे। जैसे ही कार तालाब के पास पहुंची तभी बेकाबू होकर तालाब में गिर गई। जिसमें चारों लोग डूब गए। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। हादसे के बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल हो रहा है।

'सपा के प्रवक्ताओं की लिस्ट में चाचा शिवपाल के लोगों को जगह नहीं'

ओम प्रकाश राजभर के बेटे का दावा

लखनऊ, 19 जनवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी ने बीते दिनों अपने पार्टी के प्रवक्ताओं की लिस्ट जारी की थी। प्रवक्ताओं की लिस्ट में पार्टी के 58 नेताओं का नाम था। अब सपा के प्रवक्ताओं की लिस्ट पर सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर के बेटे अरुन राजभर का बयान आया है। उन्होंने दावा किया है कि सपा की इस लिस्ट में शिवपाल सिंह यादव के लोगों का नाम नहीं है। अरुण राजभर ने सपा के प्रवक्ताओं की जारी लिस्ट पर ट्वीट कर एक बड़ा दावा किया। उन्होंने लिखा, सपा ने 58 प्रवक्ता बनाया है चाचा की पार्टी का जो पक्ष रखते थे इसमें चाचा को ठग दिया गया, चाचा के लोगो का सपा ने इतना सम्मान किया की उनका प्रवक्ताओं की लिस्ट में कही अता पता नहीं है। पहली सूची में तो चाचा के

लोगो को जगह तो नहीं मिली अब उनके लोग अपना जगह ढूँढ लें।

इन नेताओं का है नाम

सपा के प्रवक्ताओं की लिस्ट में पार्टी के कई दिग्गज नेताओं का नाम शामिल है। इस लिस्ट में आशुतोष वर्मा, राजीव राय, अजीज खान, राजपाल कश्यप, उदयवीर सिंह, मनोज यादव काका, आईपी सिंह, अनुराग भदौरिया, अतुल सक्सेना और अभिषेक वाजपेयी समेत कई बड़े नेताओं का नाम शामिल है। अब सुभासपा नेता के इस बयान से एक बार फिर सपा और सुभासपा के बीच जुबानी जंग तेज हो सकती है। बता दें कि सपा में संगठन विस्तार की अटकलें कई दिनों से चल रही है। मंगलवार को संगठन विस्तार में चर्चा के लिए अखिलेश यादव चाचा शिवपाल सिंह यादव के घर पहुंचे थे। सूत्रों के अनुसार दोनों के दिग्गज नेताओं के बीच कई नेताओं के नामों पर चर्चा हुई है। संभावना जताई जा रही है कि शिवपाल यादव को भी संगठन विस्तार के बाद पार्टी में महासचिव का पद मिल सकता है।

रेप के बाद नाबालिग किशोरी ने की आत्महत्या

फिरोजाबाद, 19 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के फिरोजाबाद में 14 साल की किशोरी के साथ पड़ोस में रहने वाले युवक ने किया रेप किया जिसके बाद किशोरी ने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना थाना एका क्षेत्र के एक गांव की है, जहां हमीरपुर के रहने वाले 2 परिवार ईंट के भट्टे पर नौकरी करते थे। इसमें एक परिवार की 14 वर्ष की बेटी ईंट के भट्टे पर ही अपने मां-बाप के साथ रहती थी। पड़ोस में रहने वाले रामकुमार नाम के युवक ने 14 वर्षीय किशोरी के साथ रेप किया, जिसके बाद किशोरी ने आत्महत्या कर ली। वहीं रेप के बाद आत्महत्या की खबर से पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी रामकुमार को गिरफ्तार कर लिया है।

इटावा रेलवे स्टेशन पर छात्रा के साथ रेलकर्मी ने किया दुष्कर्म, निलंबित

कानपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। पढ़ाई को लेकर मां की डांट से क्षुब्ध होकर घर से निकली 14 वर्षीय छात्रा के साथ रेलकर्मी ने दुष्कर्म किया। घटना 15 जनवरी की रात की है। हालांकि, इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए एसपी रेलवे आगरा मो। मुश्ताक ने आरोपी राजकपूर यादव निवासी समसपुर थाना जलेसर (एटा) को गिरफ्तार कर लिया और उसके बाद जेल भेज दिया गया। वहीं, टूंडला में रेलवे के आला अफसरों ने मामले का संज्ञान लेकर सफाईकर्मी राजकपूर यादव को निलंबित कर दिया।

स्कूल जा रही किशोरी को अगवा कर किया रेप

बस्ती, 19 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के बस्ती जिले के सोनहा थाना क्षेत्र में दिलदहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां बदमाशों ने एक लड़की का खुलेआम अपहरण किया और फिर रेप की वारदात को अंजाम दिया। उसके बाद बिना किसी डर के किशोरी कोउसके घर के सामने फेंककर आसानी से फरार हो गए।

लग्जरी गाड़ियां चुराकर बिहार ले जाने के लिए करते थे अनोखी तकनीकी का इस्तेमाल

लखनऊ, 19 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश से लग्जरी गाड़ियां चुराकर बिहार ले जाने वाले गैंग का भंडाफोड़ करते हुए एसटीएफ ने तीन शातिरों को गिरफ्तार किया है। गैंग का सरगना प्रमोद चौधरी बिहार के भभुआ का रहने वाला है।

गैस कांड के पीड़ित कई गुना बढ़ गए पर हर्जाना नहीं बढ़ा, अब गेंद सुप्रीम कोर्ट के पाले में

भोपाल, 19 जनवरी (एजेंसियां)। गैस पीड़ितों के लिए जल्द ही बड़ी खबर आने वाली है। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले हफ्ते 2010 में दाखिल क्यूरेटिव पिटीशन पर सुनवाई पूरी कर ली है और फैसला सुरक्षित रख लिया है। केंद्र सरकार ने अपनी याचिका में कहा था कि 1989 में जब सुप्रीम कोर्ट ने हर्जाना तय किया था, तब 2.05 लाख पीड़ितों को ध्यान में रखा गया था। इन वर्षों में गैस पीड़ितों की संख्या ढाई गुना से अधिक बढ़कर 5.74 लाख से अधिक हो चुकी है। ऐसे में हर्जाना भी बढ़ना चाहिए। यदि सुप्रीम कोर्ट हर्जाना बढ़ने को मान जाता है तो इसका लाभ भोपाल के हजारों गैस पीड़ितों को भी मिलेगा। मामला यह है कि भोपाल में 2-3 दिसंबर की रात को यूनियन कार्बाइड (अब डाउ केमिकल्स) की फैक्ट्री से मिथाइल आइसोसाइनेट (एमआईसी) गैस का रिसाव हुआ था। इससे सैकड़ों मौतें हुई थी। हादसे के 39 साल बाद सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस एसके कौल की संविधान पीठ ने 1989 में तय किए गए 725 करोड़ रुपये हर्जाने के अतिरिक्त 675.96 करोड़ रुपये हर्जाना दिए जाने की याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। यह याचिका केंद्र सरकार ने दिसंबर 2010 में लगाई थी और अब 12 साल बाद फैसला आने वाला है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट में डाउ केमिकल्स ने साफ किया है कि वह एक रुपया भी और देने को तैयार नहीं है।

अतिरिक्त मुआवजा मांगने का आधार

सुप्रीम कोर्ट ने चार मई 1989 को फैसला सुनाया था कि यूनियन कार्बाइड को गैस त्रासदी के लिए 470 मिलियन डॉलर यानी उस समय 725 करोड़ रुपये चुकाने होंगे। उसका आधार यह था कि हादसे में 3,000 लोगों की मौत हुई है और करीब दो लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। हालांकि, वेलफेयर कमिश्नर की 15 दिसंबर 2022 की रिपोर्ट के मुताबिक अब तक भोपाल गैस त्रासदी की वजह से 5,479 लोग मारे गए हैं। 1989 में मुआवजे का आधार बना था कि बीस हजार लोग स्थायी विकलांग हुए हैं जबकि पचास हजार को मामूली चोटें आई हैं। हालांकि, यह आंकड़ा बढ़कर क्रमशः 35 हजार और 5.27 लाख हो गया। यानी चार मई 1989 को कुल पीड़ित 2.05 लाख थे, जो बढ़कर 5.74 लाख हो चुके हैं।

यूनियन कार्बाइड ने किया है विरोध

यूनियन कार्बाइड को डाउ केमिकल्स ने खरीद लिया था और सुप्रीम कोर्ट में उसकी ओर से पैरवी वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सेटलमेंट में इस केस को दोबारा खोलने का प्रावधान ही नहीं था। अब तक यूनियन कार्बाइड की हादसे के संबंध में जवाबदेही भी स्थापित नहीं हुई है। इस वजह से उस पर मुआवजे का अतिरिक्त बोझ नहीं डाला जा सकता।

इस मामले में कब क्या हुआ

2-3 दिसंबर 1984 की रात को भोपाल में यूनियन कार्बाइड की फैक्ट्री से जहरीली गैस लीक हुई।

4 मई 1989 को सुप्रीम कोर्ट ने यूसीसी से 470 मिलियन डॉलर हर्जाना लेने का आदेश सुनाया।

1991 में सुप्रीम कोर्ट ने भोपाल गैस पीड़ित संगठनों की रिव्यू पिटीशन खारिज की। हर्जाना बढ़ाने की मांग खारिज हुई थी। कहा था कि अतिरिक्त मुआवजा केंद्र सरकार को देना होगा। 22 दिसंबर 2010 को केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में क्यूरेटिव पिटीशन लगाई। इसमें अतिरिक्त हर्जाना मांगा गया है। फैसला सुरक्षित है।

'साथ जी नहीं सके तो खत्म कर ली जिंदगी'

आखिरी इच्छा न रह जाए अधूरी, इसलिए परिवार ने कराई पुतलों की शादी की

सूरत, 19 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात से एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है, जहां घर वालों ने बच्चों के पुतले बनवाकर शादी करवा दी. मामला तापी जिले के नेवाला गांव का है जहां एक एक प्रेमी-प्रेमिका के पुतले की शादी करवाई और उनके सात फेरे करवाए गए. गांव में एक कपल का रिश्ता उनके घर वालों को नहीं मंजूर था. जिसकी वजह से उन्होंने लड़की लड़के की शादी करवाने से मना कर दिया था. इसके बाद छह महीने पहले ही दोनों ने एक साथ सुसाइड कर लिया. नेवाला गांव में गणेश नाम का लड़का अपनी प्रेमिका रंजना से प्यार करता था और उसके साथ शादी करना चाहता था. गणेश रंजना को लेकर अगस्त 2022 में अपने घर लेकर गया था. उसने अपने घर पर रंजना के साथ शादी करने की बात की थी, लेकिन उसके परिवार वालों ने शादी कराने से इनकार कर दिया था. इसके बाद दोनों घर से निकल गए और दोनों ने गले लगकर फांसी लगा ली. गणेश और रंजना की लाश घर से निकलने के कुछ घंटों बाद पेड़ पर लटकी मिली, दोनों एक ही रस्सी पर लटके थे. मामले में मेशभाई पडवी ने कहा कि घरवालों को पछतावा है कि वह उनकी शादी नहीं करवा पाए. बाद में परिवार वालों को समझ आया कि दोनों एक दूसरे से बहुत प्यार करते थे. इसलिए उन्होंने सोचा कि जो काम वह लोग उन दोनों के लिए पहले नहीं कर पाए, उसे अब कर देना चाहिए. इसी कारण लड़की लड़के दोनों के घर वालों ने उनका पुतला तैयार करवाकर दोनों की शादी करवा दी. जानकारी के मुताबिक शादी तय करके दोनों की बारात निकाल कर शादी ले गए और सभी विधि विधान रस्मों के साथ शादी करवाई. यह शादी आदिवासी परंपरा के मुताबिक हुई.

मझगवां के जंगल में बढ़ी बाघों की चहल कदमी

सड़क पार करता टाइगर मोबाइल कैमरे में कैद

सतना, 19 जनवरी (एजेंसियां)। सतना जिले के मझगवां क्षेत्र के जंगल में इन दिनों बाघों की चहल कदमी देखी जा रही है। इस बीच बुधवार की रात भी एक बाघ यहां सड़क पर नजर आया, जो मोबाइल कैमरे में कैद हो गया। सतना वन मंडल के मझगवां वन परिक्षेत्र में बाघ सड़क पार करते देखा गया। मझगवां बस्ती से दो किमी दूर पवरिया बाबा आश्रम के पास रात लगभग आठ बजकर 25 मिनट पर बाघ सड़क पार कर रहा था। इस दौरान एक कार सवार ने उसे मोबाइल कैमरे में कैद कर लिया। हालांकि बाघ जल्द ही झाड़ियों में घुस कर जंगल की तरफ बढ़ गया। बाघ के मूवमेंट का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल भी हुआ है।

15 दिनों में पांच बाघों को देखा गया

मझगवां रेंज में पिछले 15 दिनों में पांच बाघों ने दस्तक दी है। एक बाघ को मझगवां आरटीओ बैरियर के पास देखा गया था, जिसने हजारा नाला के पास एक गाय का शिकार भी किया था। इसके चार दिनों बाद ही तीन बाघ वन विभाग के ट्रैप कैमरों में कैद हुए थे। इनमें से एक बाघिन थी, जबकि दो नर बाघ थे। वन विभाग के दावे के मुताबिक, इन तीनों बाघों को इससे पहले यहां कभी नहीं देखा गया था।

शिवराज पर बरसे कमलनाथ, कहा- भाजपा को तो हिसाब यात्राएं निकालना चाहिए

भोपाल, 19 जनवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की विकास यात्राओं को लेकर गंभीर आपत्ति उठाई है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन की मदद से भाजपा अपना प्रचार करने निकल रही है। प्रसासन की मदद के बिना भाजपा का कोई कार्यक्रम ही संभव नहीं है। जनता सब समझ गई है। भाजपा को तो विकास नहीं हिसाब यात्रा करनी चाहिए। इसमें वह मध्यप्रदेश की जनता को अपने 18 साल के कामों का हिसाब दें। भोपाल में कांग्रेस के सभी प्रकोष्ठों और मोर्चों की बैठक लेने पहुंचे कमलनाथ ने गुरुवार को मीडिया से चर्चा की। उन्होंने कहा कि भाजपा की विकास यात्रा मध्यप्रदेश के मतदाताओं को गुमराह करने और ध्यान भटकाने के लिए है। मुझे मध्यप्रदेश के सभी मतदाताओं पर पूरा भरोसा है कि वे आने वाले समय में सही मतदान कर राज्य का भविष्य सुरक्षित करेंगे। जनता अब भाजपा की ध्यान भटकाने और जनता के साथ फ्रॉड करने की साजिश को अच्छी तरह समझ रही है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक में हुए निर्णयों का असर भी मध्यप्रदेश पर नहीं होगा। भाजपा कोई भी प्रयास कर ले, आज आम जनता समझदार है। मैं हमेशा कहता हूं मुझे मध्य प्रदेश के मतदाता पर पूरा विश्वास है। देश के लोग मोदी जी को अच्छी तरह पहचान चुके हैं।

प्रशासन को देते हैं टारगेट

कमलनाथ ने आरोप लगाया कि प्रशासन की मदद के बिना भाजपा का कोई भी कार्यक्रम संभव नहीं हो सकता। यात्रा में प्रशासन को टारगेट दिया जाएगा कि इतनी भीड़ जमा करो। इतनी बसें भरकर लाओ। और फिर मीडिया के माध्यम से यह दिखाने का प्रयास करेंगे कि भारी भीड़ मौजूद थी। अब जनता सब कुछ भली-भांति समझ चुकी है।

संगठन में जल्द होगा बदलाव

कमलनाथ ने संकेत दिए कि जल्द ही संगठन में व्यापक स्तर पर बदलाव होगा। उन्होंने कहा कि समय-समय पर संगठन में बदलाव होते रहते हैं। हाल ही में हमारे संगठन के चुनाव संपन्न हुए। हर जिले में हमारे डीआरओ पहुंचे थे। उन्होंने अपनी रिपोर्ट दे दी है। सभी से विचार-विमर्श करके आगे के निर्णय लिए जाएंगे। संगठन पूरी तरह एक्टिव है। चुस्त-दुरुस्त है। मैं यहां प्रकोष्ठों की बैठक लेने आया हूं। भोपाल में भीड़ करने से कोई फायदा नहीं है।

पहलवानों की मांगों को गंभीरता से ले सरकार

दिल्ली में पहलवानों के धरने का समर्थन देते हुए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा कि कुश्ती की महिला खिलाड़ियों ने जो आरोप लगाए हैं, वह बेहद गंभीर है। बड़े ही दुख की बात है। मैं इसकी पूरी सच्चाई नहीं जानता, लेकिन सरकार से मांग करना चाहूंगा कि सरकार इसकी जांच के आदेश दें। गंभीरतापूर्वक इस पूरे मामले की जांच करें। दरअसल, भाजपा सांसद और भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह और उनके समर्थकों पर खिलाड़ियों के साथ यौन शोषण करने के आरोप हैं। इसे लेकर बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक और विनेश फोगाट समेत 30 से अधिक बड़े पहलवान बुधवार से ही जंतर-मंतर पर धरने पर हैं।

पंचांग की जरूरत नहीं, हमारी स्थिति बेहतर है

पिछले दिनों जबलपुर से निकलने वाले एक पंचांग में कहा गया था कि मध्यप्रदेश में कांग्रेस की स्थिति मजबूत है। उसे लेकर भाजपा-कांग्रेस के प्रवक्ताओं में तू-तू मैं-मैं भी चला था। इससे जुड़े सवाल पर कमलनाथ ने कहा कि मुझे पंचांग की जरूरत नहीं है। मुझे तो आप लोग (पत्रकार) ही आकर बताते हैं कि हमारी स्थिति बेहतर है।

सीधी शहर के बीचो-बीच तेंदुए ने किया हिरण का शिकार

लोगों में दहशत का माहौल

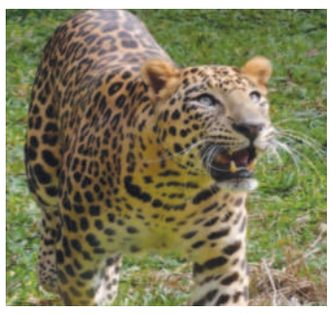

सीधी, 19 जनवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के सीधी जिले के रामपुर क्षेत्र में हरिजन बस्ती के पास एक तेंदुए ने बीती देर रात हिरण का शिकार किया। हैरानी की बात यह है कि हिरण शहर की तरफ निकला था और उसके पीछे-पीछे तेंदुए भी शहर में आ गया, जहां पर हिरण पर हमला करके उसे मौत के घाट उतार दिया। गुरुवार सुबह ग्रामीणों ने खेत में हिरण को मृत अवस्था में पड़ा देखा। किसी खूंखार जंगली जानवर ने उसके पेट के टुकड़े कर दिए थे। इस घटना के बाद ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। वहीं, गांव के लोगों ने तत्काल वन विभाग के अधिकारियों को इसकी सूचना दी, मौके पर पहुंचे विभाग के कर्मी ने हिरण के शव को अपने कब्जे में ले लिया और आगे की जांच कर रहे हैं। वन विभाग के डीएफओ क्षितिज कुमार ने बताया कि तेंदुए के शिकार की वजह से हिरण मारा गया था। ग्रामीणों की सूचना पर हमारी टीम मौके पर पहुंची। वह इसकी जांच कर रही है।

गृहमंत्री का कमलनाथ पर तंज

उन्होंने बैठकें कर-कर के कांग्रेस को ही बिठा दिया,खड़ी नहीं हो पा रही

भोपाल, 19 जनवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने गुरुवार को कहा कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने बैठकें कर-कर के कांग्रेस को ही बिठा दिया है। इस वजह से मेरा मानना है कि कांग्रेस खड़े होने की स्थिति में बची नहीं है। कमलनाथ खुद फील्ड में जाते नहीं हैं। महीने में एकाध प्रवास करते हैं, अगर कोई कार्यकर्ता कार्यक्रम रख दें, वरना बैठे ही रहते हैं। मिश्रा ने नियमित प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि दुर्भाग्य प्रदेश का रहा कि यह 15 महीने सिर्फ योजनाएं बनाते रहे, किया कुछ नहीं। अब यह ट्वीट कर रहे हैं। सिर्फ ट्वीट ही कर रहे हैं। इनके चक्कर में पूरी कांग्रेस घरों में बैठी-बैठी ट्वीट कर रही है। इस वजह से कांग्रेस के युवा अध्यक्ष को पदाधिकारियों को बर्खास्त करना पड़ा क्योंकि वे भी घर बैठे-बैठे ट्वीट ही कर रहे थे। ट्विटर के माध्यम से जनता की सेवा करने की इनकी उपयोगिता समाप्त हो गई है। दरअसल, दो दिन पहले मध्यप्रदेश युवक कांग्रेस के अध्यक्ष विक्रांत भूरिया ने 23 पदाधिकारियो को निष्क्रियता के आधार पर बर्खास्त कर दिया था।

संदेश यात्रा को बताया चुनावी पर्यटन

कांग्रेस जल्द ही राहुल संदेश यात्रा निकालने वाली है। इसे लेकर नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस की जो भी यात्रा जिस दिन निकलती है, उसी दिन दिखती है। उसके बाद दिखाई नहीं देती। यह चुनावी पर्यटन ही दिखता है। कोरोना की आपदा में, बाढ़ में और अन्य आपदा में जनता के बीच जाते नहीं। जनता सब देख रही है। वह इनके भ्रम में नहीं आएगी।

स्कूल से लौट रही नाबालिग छात्रा को लिफ्ट के बहाने जंगल ले जाकर की छेड़छाड़

आरोपी की तलाश में पुलिस

सतना, 19 जनवरी (एजेंसियां)। दमोह जिले के रजपुरा थाना क्षेत्र के गीदन के जंगल में 10वीं कक्षा की नाबालिग छात्रा के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद पीड़िता अपनी मां के साथ रिपोर्ट दर्ज कराने रजपुरा थाने पहुंची। पीड़िता ने थाना प्रभारी राजीव पुरोहित को घटना की जानकारी बताई। परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। बताया जा रहा कि स्कूल से छुट्टी होने के बाद पीड़िता घर आने के लिए सड़क पर खड़ी थी, तभी मनचले आरोपी ने बाइक पर लिफ्ट देने के बहाने उसे बाइक पर बिठाया और सुनसान जंगल में ले जाकर उसके साथ छेड़छाड़ की वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित छात्रा किसी तरह सड़क पर आई और बस पकड़कर घर पहुंची। घर पहुंच कर छात्रा ने अपनी मां और परिजनों को इस घटना के बारे में बताया। इसके बाद परिजन पीड़ित छात्रा को लेकर रजपुरा थाना रिपोर्ट दर्ज कराने पहुंचे, लेकिन रजपुरा थाना में महिला आरक्षक न होने से पीड़ित को हटा थाने भेजा गया। हटा पुलिस ने आरोपी पर छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी की तलाश की जा रही है।

रानियां में पीएनबी ग्राहक सेवा केंद्र के संचालक पर हमला, 48 हजार कैश लूट ले गए नकाबपोश

रानियां/सिरसा, 19 जनवरी (एजेंसियां)। (हरियाणा)रानियां क्षेत्र के भगत सिंह चौक के नजदीक पंजाब नेशनल बैंक के ग्राहक सेवा केंद्र के संचालक पर जानलेवा हमला करके 48 हजार की नकदी छीनने का मामला सामने आया है। वारदात बुधवार देर शाम की है। पंजाब नेशनल बैंक के ग्राहक सेवा केंद्र के संचालक ईश कुमार पुत्र ज्ञान चंद मेहता ने बताया कि वे अपने ऑफिस में काम कर रहा था इस दौरान नकाबपोश युवकों ने आकर अचानक उस पर वार कर दिया और काउंटर में रखी नगदी लेकर फरार हो गए।

प्रतिभा के पास जाने से बचते दिखे वीरभद्र सिंह गुट के नेता

धर्मशाला, 19 जनवरी (एजेंसियां)। कांगड़ा के इंदौरा विधानसभा क्षेत्र में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान सत्ता बदलने के साथ कई नेताओं की आस्थाएं बदलती दिखीं। जो नेता कभी पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के साथ अंग-संग रहते थे, वे सीएम सुक्खू के सामने प्रदेशाध्यक्ष प्रतिभा सिंह से दूरी बनाने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि, सुक्खू गुट के कई नेता प्रतिभा सिंह के साथ ठहाके लगाकर बातचीत करते रहे। राजनीतिक पंडितों की मानें तो चूंकि अब मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू हैं। ऐसे में वीरभद्र गुट के जो नेता विधायक बने हैं, वे सुक्खू की आंखों में खटककर अपना नुकसान नहीं करवाना चाहते। इसलिए वे यात्रा के दौरान सुक्खू के सामने प्रतिभा सिंह के पास जाने से कन्नी काट रहे थे। हालांकि, यात्रा के दौरान प्रतिभा सिंह को हाईकमान ने पूरी तवज्जो दी। मुख्यमंत्री सुक्खू और प्रतिभा सिंह राहुल गांधी के अंग-संग रहे। हाईकमान से आए कई वरिष्ठ नेताओं ने जी 23 के एक वरिष्ठ नेता को ज्यादा तवज्जो नहीं दी। लाइम लाइट से उन्हें दरकिनार करने की कोशिश की गई। एक कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ नेताओं ने यह भी कोशिश की कि जी 23 के इस नेता को बोलने का ही मौका नहीं दिया जाए। यात्रा में हिमाचल के एक बड़े अफसर ने कांग्रेस नेताओं की खुशामद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जिस मैट पर नेता चल रहे थे और जिस बिस्तर पर सो रहे थे, उसे साफ कैसे रखा जाए, ऐसे प्रबंधन में ही अफसर व्यस्त रहे। यात्रा में भीड़ जुटाने का जिम्मा कांगड़ा जिले के प्रमुख नेताओं पर था। ये नेता अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र से भीड़ जुटाकर लाए थे। आरएस बाली, सुधीर शर्मा, केवल पठानिया, भवानी पठानिया, आशीष बुटेल समेत कई नेता अपने साथ लोग लाए थे। आरएस बाली और उनके समर्थकों ने रास्ते में राहुल गांधी का अलग से स्वागत किया। यात्रा में कांग्रेस नेता सुधीर शर्मा भी शामिल हुए। वे दुबई से एक दिन पहले ही धर्मशाला पहुंचे थे। यात्रा में एनएसयूआई और युवा कांग्रेस ने यात्रा का जगह जगह स्वागत किया। हिमाचल में सफल बनाने के लिए कांग्रेस ने योजनाबद्ध तरीके से काम किया।

मोबाइल में मिली कई हिन्दू लड़कियों की अश्लील तस्वीरें, इंस्टाग्राम पर नाम बदलकर प्रेमजाल में फंसाया

इंदौर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। सोशल मीडिया के माध्यम से लड़कियों को प्रेमजाल में फंसाने के मामले देशभर में बढ़ते ही जा रहे हैं। इंदौर में पुणे के एक युवक को पुलिस ने पकड़ा है जो नाम बदलकर हिन्दू लड़कियों को फंसाता था। बजरंग दल के विभाग संयोजक तनु शर्मा के मुताबिक पुणे में रहने वाले सदन खान ने इंस्टाग्राम पर नाम बदलकर कई हिंदू लड़कियों को फंसाया। उन्हें यह जानकारी मिली थी कि वह इंदौर में एक लड़की से मिलने आया है। जानकारी मिलने के बाद वह उस स्थान पर पहुंचे और पहले उससे बातचीत की। बातचीत में उसने अपना नाम हिंदू बताया, जब उन्होंने उसकी पिटाई की तो उसने अपना सही नाम सदन खान पिता सादिक खान बताया। इसके बाद बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने युवक को पकड़कर भंवरकुआं पुलिस को सौंप दिया। सादिक जब इंदौर में अपनी गर्लफ्रेंड से मिलने आया तो उसने वहां पर एक ऑटोरिक्शा किया। रिक्शा में वह अपने दोस्तों से बात कर रहा था और उसके बाद उसने ऑटो में अपनी गर्लफ्रेंड को बुलाया। रिक्शा चालक को उसकी गतिविधियों पर शक हुआ तो उसने यह जानकारी बजरंग दल में अपने परिजनों को दे दी। इसके बाद बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने उसे मौके पर ही पकड़ लिया। बजरंग दल के तनु शर्मा ने बताया कि सदन खान के मोबाइल में कई अन्य लड़कियों की तस्वीरें मिली हैं।

मोहाली के मेयर को हाईकोर्ट से राहत, पार्षद पद से बर्खास्त करने के आदेश पर रोक

चंडीगढ़, 19 जनवरी (एजेंसियां)। मोहाली के मेयर अमरजीत सिंह सिद्धू उर्फ जीती सिद्धू को पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट ने गुरुवार को बड़ी राहत दी। हाईकोर्ट ने सिद्धू को मोहाली नगर निगम के पार्षद पद से बर्खास्त किए जाने के आदेश पर रोक लगा दी है। जीती सिद्धू की इस याचिका पर 20 अप्रैल तक सुनवाई स्थगित कर दी गई है।

अमृतसर से सिंगापुर जाने वाला विमान अपने 35 यात्रियों को छोड़ घंटों पहले उड़ गया, जांच जारी

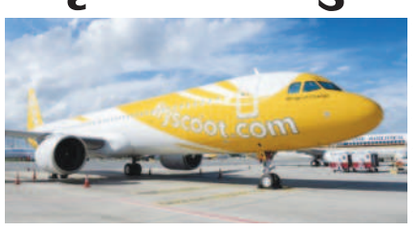

अमृतसर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इस बात की जांच के आदेश दिए हैं कि अमृतसर हवाई अड्डे पर अपने 35 यात्रियों को छोड़कर सिंगापुर जाने वाली एक विमान कैसे तय समय से घंटों पहले उड़ गया. स्कूट एयरलाइन का एक विमान को अमृतसर हवाई अड्डे से बुधवार शाम 7.55 बजे प्रस्थान करना था, मगर इसने प्रस्थान समय से घंटों पहले दोपहर 3 बजे उड़ान भर ली. इससे हवाईअड्डे पर अफरा-तफरी मच गई और गुस्साए यात्रियों ने विरोध प्रदर्शन किया. उन्होंने हवाई अड्डे पर संबंधित अधिकारियों के पास अपनी शिकायत दर्ज कराई. हवाई अड्डे के अधिकारियों के एयरलाइन अधिकारियों से संपर्क करने पर एयरलाइन अधिकारियों ने सूचित किया कि यात्रियों को ई-मेल के माध्यम से उड़ान के समय में बदलाव के बारे में सूचित किया गया था. अमृतसर हवाई अड्डे के निदेशक ने एएनआई को बताया, लगभग 280 यात्रियों को सिंगापुर जाना था, लेकिन 253 यात्रियों को रिशेड्यूल किया गया, जिससे 30 से अधिक यात्री छूट गए. डीजीसीए ने स्कूट एयरलाइन (जो सिंगापुर की कम लागत वाली एयरलाइन और सिंगापुर एयरलाइंस की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है) और अमृतसर एयरपोर्ट प्राधिकरण दोनों से विवरण मांगा है. एयरलाइन के मुताबिक, सभी यात्रियों को ईमेल के जरिए समय में बदलाव के बारे में सूचित किया गया था. हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने एएनआई को बताया कि ट्रैवल एजेंट (जिसने एक समूह में 30 लोगों के लिए टिकट बुक किया था) ने उन्हें (यात्रियों को) उड़ान के समय में बदलाव के बारे में सूचित नहीं किया था, जिसके कारण एयरलाइन ने उन यात्रियों के साथ उड़ान भरी, जिन्होंने समय पर रिपोर्ट किया. इसी तरह की एक घटना हाल ही में बेंगलुरु हवाई अड्डे से सामने आई थी, जब एक गो फर्स्ट दिल्ली जाने वाली उड़ान ने अपने 55 यात्रियों को छोड़ दिया था. यात्री एक शटल बस के माध्यम से विमान में सवार होने के लिए रास्ते में थे. जिन यात्रियों को पीछे छोड़ दिया गया था, उन्हें कथित तौर पर चार घंटे बाद दूसरी उड़ान में समायोजित किया गया था. डीडीसीए ने गो फर्स्ट एयरलाइंस के मुख्य परिचालन अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है कि क्यों न उनके नियामकीय दायित्वों की अवहेलना के लिए उनके खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई की जाए.

सोनीपत में मायके आयी पत्नी पर चाकू से वार

ससुराल जाने से किया था मना; 2 बहनों की एक घर में शादी

सोनीपत, 19 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के सोनीपत के गोहाना क्षेत्र के भैंसवान खुर्द में महिला ने पति के साथ ससुराल जाने से इनकार किया तो मायके में ही उसे बुरी तरह से पीटा। साथ ही रसोई से चाकू उठा कर शरीर पर कई जगह इसके वार किए। इससे पहले व्यक्ति ने अपने भाई को भी वहां बुला लिया। इसके बाद दोनों भाइयों की ससुराल जंग का अखाड़ा बन गई।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 20 जनवरी, 2023

खम्मम में नए मोर्चे के संकेत

भारत के दक्षिणी राज्य तेलंगाना में भले ही गुलाबी ठंड पड रही हो लेकिन बुधवार को यहां का राजनैतिक तापमान हाईएस्ट डिग्री पर उछल रहा था। वजह साफ थी कि खम्मम में आयोजित जनसभा में तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की उपस्थिति में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के महासचिव डी राजा और समाजवादी पार्टी अध्यक्ष एवं यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव आदि ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।तेलंगाना राष्ट्र समिति से भारत राष्ट्र समिति बनने के बाद पार्टी की पहली बैठक खम्मम में ही हुई। यहां क सभा को संबोधित करते हुए पार्टी मुखिया केसी राव ने कहा कि तेलंगाना की इस रैली ने नए मोर्चे की शक्ल अख्तियार की है। उन्होंने मंच से दावा किया कि अगर लोकसभा चुनाव के बाद 2024 में केंद्र में 'समिति प्रस्तावित सरकार' सत्ता में आती है तो देश भर के किसानों को मुफ्त बिजली मुहैया कराई जाएगी। उन्होंने केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के महत्त्वाकांक्षी कार्यक्रम पर तंज कसते हुए कहा कि 'मेक इन इंडिया महज जोक इन इंडिया बन गई है'। राव ने कहा कि 'रैतू बंधु' जैसी कल्याणकारी योजनाओं को पूरे देश में लागू किया जाना चाहिए। राव ने एलआइसी के विनिवेश को लेकर भी केंद्र सरकार की आलोचना की। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के महासचिव डी राजा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से मुकाबला करने और 2024 के लोकसभा चुनाव में उसे सत्ता से हटाने के लिए सभी धर्मनिरपेक्ष व लोकतांत्रिक दलों को एक साथ आने की जरूरत है। राजा ने आरोप लगाया कि गैर भाजपा शासित राज्यों के अधिकांश राज्यपाल निर्वाचित सरकारों के कामकाज में अनावश्यक दखलंदाजी कर रहे हैं। उन्होंने साफ आरोप लगाया कि भाजपा एकाधिकारवादी शासन प्रणाली थोपना चाहती है। वह भारत को एक आयामी देश बनाने पर तुली है। इस मौके पर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने भी तंज कसा कि भाजपा की कार्यकारिणी बैठक खत्म हुई तो कहा गया कि अब सरकार के सिर्फ 400 दिन ही बाकी है, हमें तो लगता था कि ये सरकार वो है जो दावा करती थी कि हटेगी नहीं लेकिन अब वो स्वयं स्वीकार रहे हैं कि अब 400 दिन बाकी हैं। जो सरकार अपने दिन गिनने लगे तो समझ लो ये सरकार के जाने के दिन आने वाले हैं। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा लोकतंत्र की नींव को तबाह करने का आरोप लगाते हुए कहा कि आज हम एक नए प्रतिरोध की शुरुआत कर रहे हैं। हमारी सभी देशी भाषाओं को दरकिनार करते हुए हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में थोपने का प्रयास किया जा रहा है। अपनी मातृभाषाओं को खत्म कर हिंदी थोपने से राष्ट्र की अखंडता प्रभावित होगी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने बैठक से पहले यदाद्री में स्थित भगवान लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी के मंदिर जा कर पूजा की। राव सरकार ने इस मंदिर का बड़े पैमाने पर जीर्णोद्धार किया है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और भाकपा महासचिव डी राजा भी यदाद्री पहुंचे तो थे लेकिन सूत्रों ने बताया कि वे बाहर से ही दर्शन किए मंदिर के अंदर नहीं गए। कहा जा रहा है कि शायद वे अपने पार्टी की सोच को ध्यान में रखते हुए ही मंदिर के अंदर नहीं गए। बहरहाल, खम्मम रैली में हिंदी का जहां विरोध किया गया वहीं सभा में हिंदी-हिंदी के नारे भी लगे। ऐसा शायद अखिलेश यादव व अरविंद केजरीवाल सरीखे नेताओं को खुश करने के लिए किया गया होगा। केसीआर ने इस रैली के जरिए यह भी संकेत दे दिए हैं कि वे कम से कम आठ राज्यों में अपनी पार्टी का जनाधार बढ़ाना चाहते हैं। इसमें कर्नाटक, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब तथा हरियाणा प्रमुख हैं। दूसरी ओर भाजपा भी तेलंगाना में अपना जनाधार बढ़ाने के लिए दिन रात संघर्ष कर रही है। इस बार भाजपा के मिशन 2023 तेलंगाना पर ही फोकस है। इसलिए चालू वर्ष में तेलंगाना में दिलचस्प मुकाबला देखने को मिलना तय माना जा रहा है।

बोली की मर्यादा

लोकतंत्र की ताकत यही है कि इसमें नेताओं से लेकर नागरिकों तक को विचार और अभिव्यक्ति की आजादी संविधान देता है। लेकिन इस अधिकार के साथ इसकी गरिमा का खयाल रखने की जिम्मेदारी भी लोगों की ही है। अगर इस सुविधा को बेलगाम बोली और बर्ताव की छूट के तौर पर देखा जाएगा तो इस पर सवाल उठेंगे। खासतौर पर किसी जिम्मेदार पद पर बैठ कर कोई जनप्रतिनिधि इस संवैधानिक अधिकार की गरिमा कायम रखने के बजाय बोली में मर्यादा का खयाल रखना जरूरी न समझे, तो यह एक चिंताजनक स्थिति है। इसमें कोई दो राय नहीं कि दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में अरविंद केजरीवाल के पास यहां के शासन को संचालित करने के लिए पद से जुड़े कई अधिकार हैं।

लेकिन जनप्रतिनिधि और विशेष रूप से मुख्यमंत्री होने के नाते अपने पद और उसकी मर्यादा को बनाए रखना भी उनकी नैतिक जिम्मेदारी है। इसके उलट हालत यह है कि अगर उनकी सरकार में कामकाज से जुड़ी प्रक्रिया से संबंधित कोई अड़चन खड़ी होती है तो इस पर विचार करने के बजाय वे नाहक बिफर जाते हैं। जबकि उनके पद और कद को देखते हुए यह स्थिति खुद उनकी ही गरिमा को कठघरे में खड़ा करती है! गौरतलब है कि सरकारी कामकाज में उपराज्यपाल की ओर से कथित हस्तक्षेप के आरोप के साथ अरविंद केजरीवाल न सिर्फ उनके कार्यालय तक निकाले गए जुलूस में खुद शामिल हुए, बल्कि इससे बाद उन्होंने कुछ ऐसी भाषा में बात की, जिसे मर्यादा के अनुकूल नहीं कहा जा सकता। उन्होंने उपराज्यपाल पर 'सामंती मानसिकता से ग्रस्त' होने का आरोप तो लगाया, लेकिन खुद ही जिन शब्दों का प्रयोग किया, वह उनकी मंशा को कठघरे में खड़ा करता है। खबरों के मुताबिक, कुछ शिक्षकों को प्रशिक्षण के लिए विदेश भेजने के फैसले से उपराज्यपाल की असहमति के बाद विधानसभा में केजरीवाल ने कहा कि 'कौन हैं एलजी... कहां से आए... वे हमारे सिर पर सवार हैं... बेगानी शादी में अब्दुल्ला की तरह...!' सवाल है कि वे जिस पद पर हैं और उससे जिस तरह की जवाबदेही जुड़ी है, क्या ऐसी भाषा में बात करना उनके लिए उचित है? अगर सरकारी कामकाज में उपराज्यपाल की आपत्ति में नियम-कायदे से संबंधित कोई गड़बड़ी है, तो इसके समाधान के लिए शासन के ढांचे में कोई प्रक्रिया निर्धारित होगी। मगर इसके तहत मुख्यमंत्री पद की मर्यादा का निर्वाह करने के बजाय वे अशिष्ट लहजे में अपनी असहमति दर्ज करते हैं, तो इसे कैसे देखा जाएगा? सही है कि दिल्ली के मतदाताओं ने उन्हें चुन कर भेजा है। लेकिन तथ्य यह भी है कि जनता ने उनके पद के साथ संवैधानिक व्यवस्था के तहत कुछ जवाबदेही निभाने के लिए भी चुना है, जिसमें लोकतंत्र की गरिमा और मर्यादा कायम रखना सबसे ऊपर है। दिल्ली के शासन-प्रशासन और सरकार के ढांचे में उपराज्यपाल पद की एक भूमिका और उसके मुताबिक जिम्मेदारियां तय की गई हैं।

स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित गांव

डाक्टरों की कमी की वजह से ग्रामीणों को मजबूरन झोला छाप डाक्टरों की सेवाएं लेनी पड़ती हैं। इससे हजारों लोग बेहतर इलाज के अभाव में असमय दम तोड़ देते हैं। आंकड़े बताते हैं कि गांवों में एलोपैथी के अलावा होमियोपैथी और आयुर्वेदिक चिकित्सकों की भी कमी है। गांवों में स्वास्थ्य सुविधाओं और चिकित्सकों की कमी के चलते रोजाना हजारों लोग इलाज न मिल पाने के कारण असमय दम तोड़ देते हैं। केंद्र और राज्य सरकारों के बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के दावे कहीं जमीन पर नजर नहीं आते। हां, पिछले कुछ सालों में कुछ बेहतर तो हुआ है, लेकिन इतना नहीं कि उसे संतोषप्रद माना जाए।

गौरतलब है कि आज भी देश के सात लाख गांवों में स्वास्थ्य सुविधाओं की भारी कमी के अलावा डाक्टरों की नियुक्ति जरूरत से बहुत कम हो पाई है। महज तमिलनाडु ऐसा राज्य है, जहां गांवों में स्वास्थ्य सेवाओं को संतोषप्रद कहा जा सकता है। राज्यों ने कुछ साल पहले गांवों में डाक्टरों की कमी को पूरा करने के लिए सख्त कानून बनाए थे, बावजूद उसके गांवों में सेवा देने से ज्यादातर नए डाक्टर मना कर देते हैं। विडंबना है कि नौकरी के लिए भरा गया वचन-पत्र तोड़ने पर डाक्टर हर साल करोड़ों रुपए जुर्माना भरते हैं, लेकिन गांवों में सेवा देने से मना कर देते हैं।

गौरतलब है कि देश के बीस फीसद डाक्टर ही ग्रामीण क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। इससे गांवों में चिकित्सकों की उपलब्धता नाममात्र की रहती है। मेडिकल काउंसिल आफ इंडिया के मुताबिक इसकी वजह सरकार के पास इसका कोई नक्शा न होना है। वहीं इंडियन मेडिकल एसोसिएशन का कहना है कि गांवों में चिकित्सक इसलिए नहीं जाना चाहते, क्योंकि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सीएचसी में सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। गांवों में आपरेशन थियेटर, एनेस्थीसिया के डाक्टर, पैथालाजिस्ट और टेक्नेशियन्स का जबरदस्त अभाव है। इसके अलावा, गांवों के स्वास्थ्य केंद्रों पर तैनात डाक्टरों की आवास की व्यवस्था और जरूरी फर्नीचर की भी कमी है।

डाक्टरों के संगठन गांवों में डाक्टरों के न जाने की जो वजहें बताते हैं, उन पर राज्य सरकारें गौर नहीं करतीं। डाक्टरों के संगठनों का कहना है कि गांवों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की कमी के लिए वे जिम्मेदार नहीं, बल्कि शासन की नीतियां ही ऐसी हैं कि बडे डिग्रीधारी डाक्टर गांवों में अपनी सेवाएं देने को तैयार नहीं हैं।

गौरतलब है कि डाक्टरों के संगठन सरकारी नीतियों के विरोध में आए दिन सड़कों पर देखे जाते हैं, लेकिन राज्य सरकारें कोई ऐसा फैसला नहीं कर पाती हैं, जिससे गांवों में स्वास्थ्य सुविधाओं और डाक्टरों की भारी कमी को दूर किया जा सके।

भारत में चीन की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्रों में महज 3,100 मरीजों पर एक बिस्तर है। बिहार में अठारह हजार ग्रामीणों पर एक बिस्तर, उत्तर प्रदेश में 3,900 मरीज पर एक बिस्तर की व्यवस्था है। इसी तरह ग्रामीण क्षेत्रों में छब्बीस हजार की आबादी पर एक एलोपैथिक डाक्टर है, जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि हर एक हजार लोगों पर एक डाक्टर होना चाहिए। भारत में तकरीबन दस हजार की आबादी पर सात डाक्टर हैं।

मेडिकल काउंसिल आफ इंडिया (एमसीआइ) के यहां पंजीकृत एलोपैथिक डाक्टरों की कुल संख्या लगभग एक करोड़ है। राज्यों में डाक्टरों की उपलब्धता के मामले में पश्चिम बंगाल की स्थिति सबसे खराब है। नेशनल हेल्थ प्रोफाइल के मुताबिक पश्चिम बंगाल के ग्रामीण क्षेत्रों में महज नौ सौ डाक्टर हैं।

आबादी के हिसाब से सत्तर हजार लोगों पर एक डाक्टर है। बिहार और झारखंड में पचास हजार की आबादी पर सिर्फ एक डाक्टर है। गौरतलब है कि ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की बुनियाद प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं पर टिकी है, लेकिन यह बुनियाद ही बेहद कमजोर है।

आज देश में केवल सात लाख एमबीबीएस डाक्टर सेवा देने के लिए उपलब्ध हैं। ऐसे में पांच लाख डाक्टरों और पांच लाख विशेषज्ञों की कमी को कैसे पूरा किया जाए, यह एक बड़ा सवाल है। इस कमी को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार ने कुछ कदम उठाए हैं। इसमें केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की 'ई-संजीवनी मेडिसिन' सेवा ने तीन करोड़ टेली परामर्श संख्या को पार कर लिया है।

इसके साथ ही 'ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन' ने एक दिन में 1.7 लाख परामर्श का नया रिकार्ड कायम किया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोरोना के समय गांव-गांव में इलाज के लिए मोबाइल डिस्पेंसरी वैन उपलब्ध कराई। इससे देश के ग्रामीण इलाकों में लोगों को काफी फायदा हुआ। आयुष्मान भारत योजना से अति गरीबों की चिंता कुछ हद तक दूर हुई है, मगर सवाल है कि क्या इससे स्वास्थ्य सेवाओं और डाक्टरों की कमी से होने वाली परेशानियों को खत्म किया जा सकता है?

डाक्टरों की कमी की वजह से ग्रामीणों को मजबूरन झोला छाप डाक्टरों की सेवाएं लेनी पड़ती हैं। इससे हजारों लोग बेहतर इलाज के अभाव में असमय दम तोड़ देते हैं। आंकड़े बताते हैं कि गांवों में एलोपैथी के अलावा होमियोपैथी और आयुर्वेदिक चिकित्सकों की भी कमी है। केंद्र सरकार आयुर्वेद और योग को बढ़ावा देने के लिए करोड़ों रुपए हर साल उपलब्ध कराती है। मगर सेवा देने के लिए योग्य चिकित्सकों की कमी है।

इसलिए एमबीबीएस के अलावा बीएमएस और आयुर्वेदिक चिकित्सकों की बड़े पैमाने पर नियुक्ति की जाने की जरूरत है। गांव के स्तर पर होमियोपैथी और आयुर्वेदिक स्वास्थ्य केंद्रों की कमी पर जल्द कदम उठाएं जाएं तो गांवों में डाक्टरों की कमी के बावजूद लोगों को बचाया जा सकता है।

देश में एमबीबीएस डाक्टरों की कमी को पूरा करने के लिए विशेषज्ञों द्वारा कुछ सुझाव दिए गए हैं। इनमें 'फेमिली मेडिसिन', 'डिप्लोमा इन जनरल मेडिसिन' और ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा में स्नातक करना शामिल है। इन तीनों सुझावों पर कारगर ढंग से आगे बढ़ने पर गांवों में बड़े स्तर पर चिकित्सकों की कमी को दूर किया जा सकता है। मगर यदि बेहतर पगार और सुविधाएं डाक्टरों को उपलब्ध कराई जाएं तो पढ़ाई पूरी कर विदेश जाने वाले चिकित्सकों पर रोक लगाई जा सकती है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने गांवों में स्वास्थ्य सेवाओं की कमी की समस्या को दूर करने के लिए एक व्यावहारिक कदम उठाने की बात सालों से कहता आया है। यह फार्मूला है, पांच साल की एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करने के बाद छात्रों को एक साल का विशेषज्ञता पाठ्यक्रम कराया जाए, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में उनकी तैनाती पर ऐसे डाक्टर बिना किसी हिचक के ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी बेहतर सेवाएं दें सकें, लेकिन इससे बात नहीं बनी।

फिर केंद्र सरकार ने एक दूसरा फार्मूला तैयार किया। इसके तहत एमबीबीएस डिग्रीधारी डाक्टरों को परास्नातक यानी एमएस या एमडी में दाखिला तभी मिलेगा, जब गांवों में तैनाती की अनिवार्य अवधि के लिए वे हलफनामा लिख कर देंगे। सरकार ने एक बात इसमें और जोड़ दी कि जो एमबीबीएस डिग्रीधारी छात्र हलफनामा लिख कर देंगे, अगर उनके अंक कम भी होंगे तो भी उन्हें एमएस या एमडी में प्रवेश दे दिया जाएगा।

लेकिन केंद्र सरकार के इस लुभावने फार्मूले के बाद भी गांवों में सेवाएं देने वाले डाक्टरों में कोई खास रुचि नहीं दिखाई दे रही है। ऐसे में अब सवाल यह उठता है कि इन तमाम कवायदों के बावजूद जब एमबीबीएस डाक्टरों में गांवों में सेवा देने की रुचि नहीं बन पा रही है, तो अब कौन-सा फार्मूला अपनाया जाएगा, जिससे ग्रामीण इलाकों में बदतर स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हो सके?

केंद्र सरकार को गांवों में 'फेमिली मेडिसन' पाठ्यक्रम से गांवों में डाक्टरों की कमी दूर करने में कितनी कामयाबी मिलती है, इसे अभी बता पाना मुश्किल है। मगर यह फार्मूला अगर कारगर होगा तो गांवों की स्वास्थ्य सेवाओं में डाक्टरों की कमी पर काफी हद तक काबू पाया जा सकेगा। मगर इन सभी फार्मूलों से भी अगर गांवों की स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार नहीं होता, तो क्या किया जाएगा?

नेपाल विमान हादसा: दोष किसका?

रजनीश कपूर

नेपाल के नागर विमानन के लिए 2023 की शुरुआत अच्छी नहीं हुई। पिछले 23 सालों में नेपाल की एयर स्पेस में 17 विमान हादसे हो चुके हैं जिनमें 300 से ज़्यादा लोगों ने जान गवाई है। ऐसे हादसों के लिए क्या केवल मौसम और पहाड़ी इलाक़ा ही ज़िम्मेदार होता? क्या विमान की आयु, पायलट का अनुभव और विमान के रखरखाव ज़िम्मेदार नहीं होते? क्या मुनाफ़े के लालच से जन्मा भ्रष्टाचार ऐसे हादसों को दोषी नहीं होता? गत 15 जनवरी को नेपाल के पोखरा में हुए दर्दनाक विमान हादसे से दुनिया भर में सदमे का माहौल है। सोशल मीडिया पर विमान हादसे से ठीक पहले के वीडियो को देख कर हर कोई स्तब्ध है। सभी के मन में यह सवाल उठ रहा है कि कुछ देर पहले ही उसमें सवार जो यात्री उड़ान का आनन्द ले रहे थे, वे कुछ ही पल में आग की लपटों में समा गये। दुनिया भर में इस दर्दनाक हादसे के पीछे के कारणों को लेकर चर्चा चल रही है। पहले मौसम को ज़िम्मेदार बताया गया, फिर तकनीकी ख़राबी को। लेकिन असल कारण तो 'ब्लैक बॉक्स' की जाँच से ही पता चलेगा। पहाड़ी इलाक़ों में होने वाले विमान हादसों में प्रायः मौसम को ज़िम्मेदार ठहराया जाता है। लेकिन नेपाल में येती एयरलाइंस के एटीआर विमान हादसे के समय मौसम साफ़ था। उड़ान के समय अनुकूल मौसम का मतलब होता है कि उस समय विज़िबिल्टी कैसी है। बदल हैं या नहीं, बिजली कड़क रही है या नहीं। यही कारण होते हैं जो विमान में विक्षोम या टरबुलेंस पैदा करते हैं। यदि विमान में कोई तकनीकी ख़राबी नहीं हो और पायलट अनुभवी हो तो छोटी-मोटी टरबुलेंस को आसानी से पार किया जा सकता है। इस विमान हादसे के वीडियो को देख ऑस्ट्रेलिया के विमानन विशेषज्ञ जेऑफ़ थॉमस ने इसे तकनीकी ख़राबी और पायलट के नियंत्रण खो जाने के मिश्रण को ही कारण माना है। जिस तरह से क्रैश से ठीक पहले विमान हवा में अनियंत्रित हो रहा था, उससे ये बात साफ़ है कि विमान में कोई न कोई तकनीकी ख़राबी ज़रूर थी। असली कारण तो विमान के ब्लैक बॉक्स की विस्तृत जाँच के बाद ही सामने आएगा। हादसे के बाद नेपाल सरकार ने आनन फ़ानन में पहाड़ी इलाक़ों में सभी उड़ानों से पहले तकनीकी जाँच अनिवार्य कर दी है। यहाँ सवाल उठता है कि क्या अब से पहले ऐसी जाँच नहीं हो रही थी? अगर नहीं तो क्यों? अगर जाँच हो रही थी तो क्या तकनीकी ख़राबी के बावजूद विमान को उड़ान भरने दिया गया? यदि ऐसा हुआ तो इसके पीछे कौन ज़िम्मेदार है? क्या इस विमान और उसमें लगे उपकरणों का समय-समय पर उचित रख-रखाव हो रहा था? क्या येती एयरलाइंस द्वारा विमान के रख-रखाव को गंभीरता से लिया जा रहा था। क्या नेपाल के नागर विमानन प्राधिकरण द्वारा विमान के रख-रखाव की जाँच हुई थी? क्या प्राधिकरण द्वारा किसी मामूली ख़राबी को अनदेखा किया गया था, जो आगे चल कर तकनीकी गड़बड़ का कारण बनी? नेपाल सरकार इस हादसे की जाँच 5 सदस्यीय कमेटी द्वारा करवा रहा है। जाँच को पूरा करने के लिए इस कमेटी को 45 दिनों का समय दिया गया है। दुर्घटनाग्रस्त एटीआर विमान बनाने वाली कंपनी की एक टीम भी काठमांडू पहुँच चुकी है, जो इस जाँच कमेटी का सहयोग करेगी। जाँच के बाद ही सही कारणों का पता चलेगा। पहाड़ी इलाक़ों में उड़ान भरने के लिए पायलट को विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है। यदि नेपाल सरकार पहाड़ी इलाक़ों में उड़ान भरने वाले पायलटों को सही प्रशिक्षण देने में असमर्थ है तो उसे अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मदद माँगनी चाहिए। इंटरनेशनल फाउंडेशन ऑफ़ एविएशन, एयरोस्पेस और ड्रोन के अध्यक्ष श्री सनत कौल के अनुसार, दुनिया भर में ऐसी कई संस्थाएँ हैं जो ऐसा प्रशिक्षण प्रदान करती हैं। चूँकि नेपाल में ऐसे हादसों का इतिहास रहा है इसलिए नेपाल सरकार को ऐसी संस्थाओं की मदद से इन हादसों की जाँच के सही कारणों का पता लगाना चाहिए। विमान दुर्घटना के कारणों में एक ऐसा कारण भी होता है जिसकी चर्चा बहुत कम होती है। 'पायलट की थकान' के बारे में बहुत कम बात की जाती है। नागर विमानन में ऐसे क़ानून हैं जो पायलट को एक निश्चित विश्राम की बात करते हैं। जिससे कि पायलट थकी हुई अवस्था में विमान कभी न उड़ाए। दुर्घटना का यह कारण यदि सामने आता है तो स्पष्ट है कि एयरलाइन और नागर विमानन विभाग के भ्रष्ट अधिकारियों के बीच एक गुप्त समझौता है। इस समझौते के चलते विमान में यात्रा कर रहे भोले-भाले यात्री अपनी जान से हाथ धो बैठते हैं। फिर वो गुप्त समझौता नामी एयरलाइन के साथ हो या निजी चार्टर सेवा प्रदान करने वाली कंपनियों के साथ हो। दोनों ही स्थितियों में विमान में सवार यात्री ही बलि का बकरा बनते हैं। भारत को ही लें तो हमारे यहाँ जिस कदर हवाई यात्राओं में बढ़ोतरी हुई है, उससे मुनाफ़ा कमाने का लालच भी बढ़ा है। ऐसे में एयरलाइन कंपनियाँ और निजी चार्टर सेवा कहीं न कहीं समझौता ज़रूर करती है।

नेपाल के इस हादसे से भारत के नागर विमानन मंत्रालय को भी सतर्क हो जाना चाहिए। भारत के नागर विमानन मंत्रालय और उसके अधीन नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) में व्याप्त भ्रष्टाचार के बारे में इस कॉलम में पहले भी कई बार लिखा जा चुका है। परंतु इस मंत्रालय के भ्रष्ट अधिकारी दोषी एयरलाइन या निजी चार्टर सेवा प्रदान करने वाली कंपनी को मामूली सज़ा देकर केवल औपचारिकता निभाते हैं। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में सरकार की कमान संभलते ही कहा था "न खाऊँगा न खाने दूँगा"। परंतु क्या उनके इस कथन का नागर विमानन मंत्रालय में सही से पालन हो रहा है? इसकी जाँच यदि समय-समय पर होती रहे तो हमारे यहाँ नेपाल जैसे हादसों को होने से पहले टाला जा सकता है।

केंद्र और राज्य सरकार के बीच पिसता आम आदमी

प्रियंका सौरभ

संघवाद सरकार की एक प्रणाली है जिस में शक्तियों को केंद्र और उसके घटक भागों जैसे राज्यों या प्रांतों के बीच विभाजित किया गया है। यह राजनीति के दो सेटों को समायोजित करने के लिए एक संस्थागत तंत्र है, कई बार यह विवाद की ओर ले जाता है जिसके कारण आम आदमी पीड़ित होता है। कल्याण नीतियों, योजनाओं और सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करने के लिए आयुष्मान भारत की केंद्र सरकार की पहल को कुछ राज्यों द्वारा बाधित किया गया था, उदाहरण के लिए पश्चिम बंगाल ने योजना में शामिल होने से इंकार कर दिया, जिससे कई लाभार्थी सेवाओं से बाहर हो गए। एक दशक से देश की सियासत में एक तरह की राजनीति कुछ अलग ही तरीके से चल पड़ी है, जिसके चलते छोटे-छोटे मामलों पर बड़े-बड़े पदों पर बैठे लोगों को अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। केंद्र से अलग पार्टी की सरकार वाले राज्यों के पास अक्सर इस बात का रोना रहता है कि फलाँ-फलाँ काम यहाँ अटका पड़ा है। क्योंकि केंद्र में अलग पार्टी की सरकार है। इसलिए काम की फाइल अटकना तो बहाना है, उसके पीछे की सियासत कुछ और ही है।

नई शिक्षा नीति में केंद्र सरकार देशभर में शिक्षा के समान मानक चाहती है ताकि देश भर में शिक्षा की पहुंच और समानता सुनिश्चित की जा सके, कुछ राज्यों द्वारा इसका विरोध किया गया था, यह आम आदमी को समग्र शिक्षा के नुकसान को प्रभावित करता है। कृषि विपणन क्षेत्र में हालिया कृषि अधिनियम जो किसानों को अपनी उपज कृषि उपज बाजार समिति (एपीएमसी) के बाहर बेचने की अनुमति देते हैं और अंतर-राज्य व्यापार को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखते हैं। मॉडल एपीएमसी अधिनियम को अपनाने के लिए राज्य की अनिच्छा के साथ-साथ एकीकृत कृषि बाजार की कमी और ई-एनएएम प्लेटफॉर्म में शामिल होने के उत्साह की कमी ने 2022 तक किसान की आय को दोगुना करने के उद्देश्य से केंद्र की क्षमताओं को सीमित कर दिया है। आधार आधारित योजनाएं देखे तो पश्चिम बंगाल सरकार का मामला 2017 में संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत 'आधार अधिनियम' की वैधता को चुनौती देते हुए दायर किया गया था। इन गतिविधियों ने आधार पर आधारित विकास योजनाओं का गला घोंट दिया। महामारी नीति के दौरान राष्ट्रीय लॉकडाउन की प्रभावकारिता में राज्यों और केंद्र द्वारा आरोप और प्रत्यारोप लगाए गए हैं। ऑक्सीजन और अस्पताल के बुनियादी ढांचे के लिए जवाबदेह होना चाहिए, यह समग्र रूप से लोगों के कल्याण को प्रभावित करता है। मौजूदा समय में गैर-भाजपा शासित राज्यों में इस बात को लेकर एकता पर बल दिया जा रहा है कि उनके राज्य में राज्यपाल के मार्फत केंद्र सरकार हस्तक्षेप कर रही है। राज्य सरकार के काम में बाधा डाल रही है। केंद्र सरकार ही राज्यपाल के माध्यम से अपने लोगों को राज्य में बड़े पदों पर नियुक्ति करा रही है। यही वजह है कि राज्य सरकारों को काम करने बाधा आ रही है। महामारी की प्रारंभिक चुनौतियों के बाद, केंद्र सरकार ने राज्यों को उनकी स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने, स्थानीय लॉकडाउन के प्रबंधन और महामारी के प्रभाव को कम करने के लिए सामाजिक सुरक्षा उपायों को लागू करने के लिए पर्याप्त स्थान और स्वायत्तता प्रदान की। पश्चिम बंगाल, दिल्ली, तेलंगाना और ओडिशा जो राज्यों में बेहतर पात्रता-आधारित स्वास्थ्य योजना आयुष्मान भारत कार्यक्रम से बाहर रह रहे थे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को तमिलनाडु सरकार द्वारा सामाजिक न्याय, संघवाद, बहुलवाद और समानता के खिलाफ नीति के रूप में देखा गया था। कुछ विपक्षी शासित राज्य सरकार किसानों के अनुसार कानून बड़े निगमों के लिए तैयार किया गया था जो भारतीय खाद्य और कृषि व्यवसाय पर हावी होना चाहते हैं और किसानों की बातचीत शक्ति को कमजोर कर देंगे। अंतर-राज्य न्यायाधिकरण, नीति और अन्य अनौपचारिक निकायों ने ऐसी स्थितियों में केंद्र, राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के बीच परामर्श के माध्यम के रूप में कार्य किया है। ये निकाय संघ और राज्यों के बीच सहयोग की भावना को बनाए रखते हुए विचार-विमर्श के माध्यम से लोकतांत्रिक तरीके से कठिन मुद्दों से निपटने में सहायक रहे हैं।

चार लोग क्या कहेंगे

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

गुप्ता जी की बिटिया छब्बीस पार कर चुकी थी। संविधान के हिसाब से वह शादी की उमर से आठ साल आगे चल रही थी। उसे इस बात की कोई दिक्कत नहीं थी। लेकिन समाज में रहने वाले चार लोग इतने समाज सुधारक और जिम्मेदार होते हैं कि अपने घर को चूल्हें पर छोड़कर ऐसी ताका-झांकी करते हैं कि दूसरों के घर को जलने से बचाने में अपना सबसे बड़ा हित समझते हैं। यहीं से पहले कानाफूसी फिर आगे चलकर खुल्लम खुल्ला का ट्रेंड जोर पकड़ लेता है। चार लोगों में एक लड़की की ढलती उम्र पर ऐसे-ऐसे कमेंट करेंगे कि उसकी ढलती उम्र अपने साथ सुनामी ला रहा हो। दूसरे उसके आकार-ऊँचाई-लंबाई के साथ-साथ उसके पहनावे पर भद्दी-भद्दी टिप्पणियाँ करते हुए उसे लाज हया का गीता प्रवचन देंगे। तीसरा उसकी नौकरी को लेकर काम करने वाली जगह पर दो-चार के साथ टांका जोड़कर शादी न करने का शोधपरक कारण खोज निकालेंगे।

अडवांस किस्म के पड़ोसी तो समाचार पत्र, टी.वी., मोबाइल आदि पर खोज करके लिव इन रिलेशन तक पहुँच जाते हैं। इस बहाने वे स्वयं को अपडेटेड पड़ोसी होने का ठप्पा लगवाने में गर्व की अनुभूति करते हैं। चौथा लड़की के घर की खबर आजतक चैनल से भी तेज कल, परसों और बरसों तक बताने का काम करता है। कुल मिलाकर ये चार लोग एक जवान लड़की की शादी होने तक हाथ तो क्या पूरा बदन धोकर उसके पीछे पड़ जाते हैं। इन चार लोगों का एक तकियाकलाम होता है- छिः-छिः-छिः-छिः। लड़की पढ़ाई में टॉप, नौकरी में भी नंबर वन हो तो चार लोगों के बीच प्रशंसा की जगह उसके अडवांस हो जाने का कारण बन जाता है। इसी पर ये चार लोग कहते फिरेंगे – लड़कियों को ज्यादा पढ़ाना-लिखाना नहीं चाहिए। नौकरी करने तो बिल्कुल नहीं भेजना चाहिए।

इससे वह मनचली बन जाती है। बड़ों का कहना अपने पैरों की जूती समझती हैं। यही चार लोग रिश्ते भी लाते हैं। शादी डॉट कॉम से ज्यादा तेज प्रोफाइल बनाना, पसंद-नापसंद मैच करना यहाँ तक कि दहेज का मामला भी यही लोग सुल्टा देते हैं। ऐसा नहीं है कि गुप्ता जी कि बेटी शादी नहीं करना चाहती। करना तो चाहती है लेकिन ठीक लड़के से। उसने बड़ी मेहनत से पढ़ाई की है, नौकरी प्राप्त की है। इसलिए वह अपनी आजादी को किसी गलत लड़के हाथों में सौंपकर गंवाना नहीं चाहती है। उसकी सबसे बड़ी गलती यह है कि वह अपने अंडरस्टैंडिंग का लड़का चाहती है। चार लोग उसे सिगरेट-शराब पीने वाले लड़के से शादी करने के लिए रिश्ते तो दिखाते हैं लेकिन उसकी अंडरस्टैंडिंग को अडवांस समझकर पीछे हट जाते हैं। इतना ही नहीं उसके बार-बार मना करने पर उसे चरित्रहीन का टैग लगाकर उसके संबंध चार काल्पनिक लड़कों से जोड़ देते हैं। कोखें लड़की को जन्म तो देना चाहती हैं, लेकिन चार लोगों के डर के मारे ठिठक कर रह जाती हैं।

घर पर रखें ये 8 वस्तुएं

इनमें होता है मां लक्ष्मी का वास

1. श्रीयंत्र- श्रीयंत्र में माता महालक्ष्मी का वास होता है. जिन लोगों के जीवन में आर्थिक संकट, दरिद्रता होती है या जो संपन्न हैं, वे भी धन संपत्ति में वृद्धि के लिए श्रीयंत्र की स्थापना करके पूजन करते हैं. महालक्ष्मी की कृपा से व्यक्ति को अपार धन और दौलत प्राप्त होता है।

धन, वैभव, सुख, संपत्ति प्रदान करने वाली माता लक्ष्मी हमारे घरों में अनेक रूपों में विद्यमान होती हैं। जो लोग नहीं जानते हैं, वे भूलवश उनका अनादर करते हैं, उनकी उपेक्षा करते हैं, जिससे उनको धन हानि होता है। कुछ ऐसी वस्तुएं होती हैं, जिनमें माता लक्ष्मी का वास होता है या फिर उसका संबंध माता लक्ष्मी से होता है। जिसको रखने या उसकी पूजा करने से आपको धन लाभ होता है। तिरुपति के ज्योतिषाचार्य डॉ। कृष्ण कुमार भार्गव से जानते हैं कि कौन ऐसी वस्तुएं हैं, जिनमें माता

लक्ष्मी का वास होता है।

2.शंख- शंख को माता लक्ष्मी का भाई माना जाता है। समुद्र मंथन के समय माता लक्ष्मी के साथ शंख की भी उत्पत्ति हुई थी। इस वजह से जिस घर में शंख की पूजा होती है, वहां पर माता लक्ष्मी का वास होता है। माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है।

3. झाड़ू

आपके घर के झाड़ू में भी माता लक्ष्मी का गृहलक्ष्मी स्वरूप वास करता है। यह अलक्ष्मी को दूर करने मे मददगार होती है, जिससे घर में सुख और समृद्धि आती है। रात्रि के समय में झाड़ू नहीं लगाना चाहिए।

4. श्रीफल

पीली कौड़ियां
पीली कौड़ियों को माता लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है. माता लक्ष्मी के पूजा स्थान पर पीली कौड़ियां रखी जाती हैं. इससे धन और संपत्ति में इजाफा होता है।

माता लक्ष्मी का प्रिय फल श्रीफल है। श्री का दूसरा अर्थ लक्ष्मी है। जब भी माता लक्ष्मी की पूजा करें तो उनको श्रीफल अर्पित करें। पूजा स्थान पर भी श्रीफल रखना चाहिए।

5. कमल का फूल

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कमल के फूल में माता लक्ष्मी का वास होता है। वे कमल पर ही विराजमान होती हैं। शुक्रवार के दिन माता लक्ष्मी को कमल का फूल चढ़ाना चाहिए। इससे वह प्रसन्न होती हैं। उनके आशीर्वाद से घर की बरकत होती है।

6. पीपल का पेड़

घर में पीपल का पेड़ नहीं लगाते हैं, लेकिन आप इसकी पूजा कर सकते हैं। पीपल की जटाओं में माता लक्ष्मी का वास होता है। पीपल में त्रिदेवों के अलावा कई देवी और देवता वास करते हैं।

7. तुलसी का पौधा

आप अपने घर के आंगन में तुलसी का पौधा लगाएं। उसकी सेवा करें। रोज शाम को दीपक जलाएं। इसमें भी माता लक्ष्मी का वास माना जाता है।

शादीशुदा महिलाएं हाथों में क्यों पहनती हैं चूड़ियां

हिंदू धर्म में शादीशुदा महिलाओं के लिए कुल 16 श्रृंगार का वर्णन किया गया है और इन्हें सौभाग्य का प्रतीक भी माना जाता है इन 16 श्रृंगारों में चूड़ियां भी शामिल होती है जो हर विवाहित स्त्री के लिए जरूरी होती है समय चाहे जितना भी बदल क्यों न गया हो लेकिन आज भी धार्मिक रिति रिवाजों में चूड़ियां अहम मानी जाती है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार विवाह के बाद महिला को अपने हाथ कभी नहीं खाली रखने चाहिए ऐसे में वे हाथों में चूड़िया पहनती है कहा जाता है इससे सौभाग्य में वृद्धि होती है और शादीशुदा जीवन भी खुशहाल रहता है लेकिन आज हम आपको अपने इस लेख द्वारा बता रहे है महिलाएं विवाह के बाद चूड़ियां क्यों पहनती है और इसका धार्मिक महत्व व कारण क्या है तो आइए जानते है।

धार्मिक नजरिएं से देखा जाए तो विवाहित स्त्री अगर अपने हाथों में चूड़ियां पहनती है तो उसके पति की आयु में वृद्धि होती है वास्तु शास्त्र में भी चूड़ियों को महत्वपूर्ण बताया गया है मान्यता है कि जब घर की गृहणी चूड़ियों को हाथों में पहनती है तो उसकी खनक से घर के चारों ओर सकारात्मकता का वास होता है जिससे परिवार में सुख शांति और समृद्धि सदैव बनी रहती है।

ऐसा कहा जाता है कि जिस घर की विवाहित महिलाएं चूड़ियां पहनती है उस घर में किसी भी चीज की कमी नहीं रहती है आप कह सकते है कि वो घर हमेशा ही अन्न व धन से भरा रहता है वही बुध ग्रह की कृपा पाने के लिए भी महिलाओं का चूड़ियां धारण करना उत्तम होता है।

ऐसा करना भाग्यशाली भी माना गया है महिलाओं के सभी 16 श्रृंगार को सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है ऐसे में इन्हें पहने का रिवाज भी हिंदू धर्म में है।

चार राजयोग में मनेगी मौनी अमावस्या

20 साल बाद इस दिन शनैश्चरी अमावस्या

माघ महीने की मौनी अमावस्या को धर्म-कर्म के लिए खास माना गया है। अमावस्या तिथि के स्वामी पितर माने गए हैं। इसलिए पितरों की शांति के लिए इस दिन तर्पण और श्राद्ध किया जाता है। वहीं पितृ दोष और कालसर्प दोष से मुक्ति के लिए इस दिन उपवास रखा जाता है।

इस बार ये पर्व 21 जनवरी, शनिवार को है। इस दिन ग्रहों की शुभ स्थिति से हर्ष, वरिष्ठ, सत्कीर्ति और भारती नाम के राजयोग भी बनेंगे। ज्योतिषियों का कहना है कि माघ महीने की अमावस्या पर शनिवार और ये चार राजयोग बनना अपने आप में दुर्लभ संयोग है।

शनिवार को अमावस्या का संयोग

पुरी के ज्योतिषाचार्य डॉ. गणेश मिश्र बतातें हैं कि माघी-मौनी अमावस्या शनिवार को होने से इस दिन शनैश्चरी अमावस्या का विशेष योग भी रहेगा। ये शुभ संयोग 20 साल बाद बन रहा है।

इससे पहले 1 फरवरी 2003 को ऐसा हुआ था। जब माघ महीने की अमावस्या शनिवार को पड़ी थी और इसी दिन मौनी अमावस्या पर्व मना। अब ऐसा योग चार साल बाद यानी 6 फरवरी 2027 को बनेगा।

माघ अमावस्या पर स्नान, दान और व्रत

इस दिन सुबह जल्दी उठकर तीर्थ या पवित्र नदी में नहाने की परंपरा है। ऐसा न हो सके तो पानी में गंगाजल मिलाकर नहाना चाहिए। माघ महीने की अमावस्या पर पितरों के लिए तर्पण करने का खास महत्व है। इसलिए पवित्र नदी या कुंड में स्नान कर के सूर्य देव को अर्घ्य दिया जाता है और उसके बाद पितरों का तर्पण होता है।

मौनी अमावस्या पर सुबह जल्दी तांबे के बर्तन में पानी, लाल चंदन और लाल रंग के फूल डालकर सूर्य देव को अर्घ्य देना चाहिए। इसके बाद पीपल के पेड़ और तुलसी की पूजा करने के बाद परिक्रमा करनी चाहिए। इस दिन पितरों की शांति के लिए उपवास रखें और जरूरमंद लोगों को तिल, ऊनी कपड़े और जूते-चप्पल का दान करना चाहिए।

मौनी अमावस्या का महत्व

धर्म ग्रंथों में माघ महीने को बहुत ही पुण्य फलदायी बताया गया है। इसलिए मौनी अमावस्या पर किए गए व्रत और दान से हर तरह के पाप खत्म हो जाते हैं। धर्म ग्रंथों के जानकारों का कहना है कि मौनी अमावस्या पर व्रत और श्राद्ध करने से पितरों को शांति मिलती है। साथ ही मनोकामनाएं भी पूरी होती हैं।

इस अमावस्या पर्व पर पितरों की शांति के लिए स्नान-दान और पूजा-पाठ के साथ ही उपवास रखने से न केवल पितृगण बल्कि ब्रह्मा, इंद्र, सूर्य, अग्नि, वायु और ऋषि समेत भूत प्राणी भी तृप्त होकर प्रसन्न होते हैं। इस अमावस्या पर ग्रहों की स्थिति का असर अगले एक महीने तक रहता है। जिससे देश में होने वाली शुभ-अशुभ घटनाओं के साथ मौसम का अनुमान लगाया जा सकता है।

सपने में मृत्यु देखने से बढ़ती है उम्र?

ऐसा कहा जाता है कि सपने मनुष्य के आने वाले भविष्य की झलक होते हैं। वैसे तो सपनों के ऊपर किसी का कोई वश नहीं होता, इसलिए कुछ लोगों को अच्छे सपने आते हैं और कुछ लोगों को बुरे सपने आते हैं। लेकिन, सपने कैसे भी हों, यह हमें भविष्य के बारे में कुछ ना कुछ संकेत जरूर देते हैं। स्वप्न शास्त्र के अनुसार, सोते समय दिखने वाले सपने हमें भविष्य को लेकर आगाह करते हैं। आज हमें भोपाल के रहने वाले ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा बता रहे हैं कि यदि सपने में आप खुद को या अपने किसी परिजन को मृत अवस्था में

देखते हैं तो इसका क्या मतलब होता है।

सपने में बीमार व्यक्ति की मृत्यु देखना

ऐसा माना जाता है कि सपने में जो भी चीज हम देखते हैं जरूरी नहीं कि वह सही हो ही जाए। सपने में जब हम किसी बीमार व्यक्ति की मृत्यु होते हुए देखते हैं तो जरूरी नहीं कि ऐसा हो जाए। स्वप्न शास्त्र के अनुसार, इस सपने का संकेत है कि जिस व्यक्ति की मृत्यु होते हुए सपने में देख रहे हैं, उस व्यक्ति की सेहत में सुधार होने वाला है।

सपने में खुद की मृत्यु देखना

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, यदि सपने में आप अपनी खुद की मृत्यु होते हुए देखते हैं तो इसका मतलब यह है कि आपकी उम्र और लंबी हो जाएगी। इसके साथ ही आपके जीवन में जो समस्याएं लंबे समय से चली आ रही हैं, वह भी खत्म होंगी। सपने में अपनी मौत होते हुए देखना आपके आने वाले भविष्य में नई चीजों की शुरुआत का सूचक भी माना जाता है।

सपने में किसी मृत व्यक्ति को देखना

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, यदि आप सपने में किसी ऐसे व्यक्ति को देखते हैं, जो पहले से ही मृत हो तो यह सपना आपका उस व्यक्ति के प्रति लगाव को दर्शाता है। स्वप्न शास्त्र कहता है कि यदि इस प्रकार का सपना आपको बार-बार आए तो यह गंभीर हो सकता है।

हर क्षेत्र में पाना चाहते है तरक्की, तो वास्तु अनुसार घर में लगाएं ये यंत्र

वास्तुशास्त्र हर किसी के जीवन में अहम भूमिका अदा करता है इसमें कई नियम बताए गए है जिनका पालन अगर किया जाए तो घर में सकारात्मकता बनी रहती है जिससे सुख शांति में वृद्धि होती है लेकिन अगर इन नियमों की अनदेखी की जाए तो कई परेशानियों का व्यक्ति को सामना करना पड़ सकता है इससे नकारात्मकता भी आने लगती है और व्यक्ति आर्थिक तंगी का शिकार हो जाता है ऐसे में अगर आप समस्याओं से जूझ रहे है और इनसे छुटकारा चाहते है तो वास्तु अनुसार घर में तांबे का सूरज लगाना शुभ रहेगा इससे घर की नकारात्मकता दूर हो जाती है और घर में धन वृद्धि होती है तो आज हम आपको अपने इस लेख द्वारा तांबे के सूरज को लगाने की सही दिशा और स्थान के बारे में बता रहे है तो आइए जानते है।

वास्तुशास्त्र टिप्स–

वास्तुशास्त्र के अनुसार तांबे के सूरज को सही दिशा में लगाना बहुत जरूरी माना

जाता है इससे सुख शांति और समृद्धि बनी रहती है ऐसे में अगर आपके घर का मुख्य द्वार पूर्व दिशा की ओर है तो द्वार के बाहर की ओर तांबे का सूरज आप लगा सकते है इसको घर में इस तरह से लगाए जिससे सबकी नजर इस पर पड़ें। मान्यता है कि इससे घर में सकारात्मकता आती है और तरक्की के योग बनते है। वही अगर घर में पूर्व दिशा की ओर कोई खिड़की नहीं है तो पूर्व दिशा की दीवार पर आप तांबे का सूरज लगा सकते है ऐसा करने से करियर और कारोबार में तरक्की मिलती है वही आफिस में पूर्व दिशा की दीवार पर तांबे का सूरज लगाना भी अच्छा माना जाता है। मान्यता है कि वास्तु अनुसार तांबे के सूरज को घर दुकान और आफिस में लगाने से सकारात्मकता आती है और नकारात्मकता दूर हो जाती है वही समाज में भी मान सम्मान बढ़ता है रिश्तों में भी मधुरता बनी रहती है।

क्या होती है गुरु दक्षिणा

सनातन धर्म में गुरु को ईश्वर के बराबर माना गया है क्योंकि गुरु ही अपने शिष्य को परमात्मा तक जाने का मार्ग दिखाता है हिंदू धर्म के कई ग्रंथों और पुराणों में गुरु शिष्य के संबंध के बारे में विस्तार से बताया गया है गुरु और शिष्य की परंपरा वैदिक काल से चली आ रही है गुरु द्वारा अपने शिष्यों को शिक्षा व ज्ञान प्रदान की जाती है जिससे नई पीढ़ी उस ज्ञान को प्राप्त कर विद्वान और श्रेष्ठ बनती है फिर इसके बाद वे इसे औरो तक पहुंचाते है गुरु द्वारा अपने शिष्य को ज्ञान प्रदान करने के बदले में शिष्य गुरु को गुरुदक्षिणा देते है जिस पर आज हम अपने इस लेख द्वारा चर्चा कर रहे है। आध्यात्मिक और शास्त्र अनुसार गुरु वो होते

है जो अपने शिष्य को अंधकार से प्रकाश यानी की ज्ञान की ओर ले जाते है यही कारण है कि हिंदू संस्कृति में गुरु को ईश्वर तुल्य कहा गया है गुरु का अर्थ वेद और गीता पुराणों में विस्तापूर्वक वर्णन किया गया है वही गुरु के ज्ञान की तरह ही सनातन धर्म में गुरु दक्षिणा का भी विशेष महत्व होता है वैदिक और पौराणिक मान्यताओं के अनुसार शिष्यों को गुरु द्वारा गुरुकुल में शिक्षा प्रदान की जाती थी शिक्षा ग्रहण करने के बाद जब अंत में शिष्यों के घर वापसी का समय आता था तब गुरु अपने शिष्य से गुरु दक्षिणा मांगते थे यहां गुरु दक्षिणा अर्थ धन दौलत आदि नहीं है बल्कि गुरु अपनी इच्छा से अपने शिष्य से गुरु दक्षिणा के रूप में कुछ भी मांगते थे। वही अपने गुरु के आदेशों का पालन करना शिष्य का परम धर्म और कर्तव्य होता है ऐसे में गुरु द्वारा मांगी जाने वाली गुरु दक्षिणा शिष्य को प्रदान करनी ही पड़ती थी इसे ही शिष्य की असली परीक्षा माना जाता था।

अलाया एफ ने तंग सी चोली पर पहनी कट वाली स्कर्ट, जाह्नवी, सारा, नोरा को पीछे छोड़ गई

बुधवार को ये हसीना मुंबई में स्पॉट हुईं तो उनका अंदाज लोगों को खूब भाया लिहाजा हुस्न की कद्र करने वाले उनकी तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पाए. तंग चोली पर कट वाली स्कर्ट पहन अलाया ने हुस्न का जादू खूब चलाया. काले रंग के लिबास में अलाया खूब जचीं और कैमरों के आगे उनका हुस्न भी खिल उठा. लिहाजा अब उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर छा गई हैं. खुले बाल, नो मेकअप लुक और हाई हील्स. अलाया ने स्टाइल का ऐसा जादू चलाया कि जाह्नवी, नोरा और सारा तक को पीछे छोड़ दिया. अलाया की अब तक महज 2 फिल्में ही रिलीज हुई हैं. उनकी पहली फिल्म थी जवानी जानेमन जिसमें उनकी एक्टिंग की खूब तारीफ हुई तो वहीं उनकी दूसरी फिल्म कार्तिक आर्यन के साथ फ्रेंडी थी जो हाल ही में ओटीटी पर रिलीज हुई लेकिन दो ही फिल्मों के बाद अलाया का अंदाज काफी बदल चुका है. हालांकि अब जल्द ही एक्ट्रेस की बैक टू बैक 4 फिल्में रिलीज होंगी. तीन फिल्मों की शूटिंग पूरी हो चुकी है तो एक की शूटिंग अभी जारी है. वैसे फिल्मों के अलावा अलाया अपने स्टाइल को लेकर भी सुर्खियों में रहती हैं. खासतौर से हसीना के बोल्ड अंदाज का कोई जवाब नहीं.

अलाया इंस्टाग्राम पर अपने हॉट लुक्स को लेकर छाई रहती हैं. कभी बिकिनी में तो कभी बोल्ड ड्रेस में तस्वीर शेयर कर वो ग्लैमर का तड़का लगा देती हैं. फिटनेस की दीवानी अलाया ने खुद को काफी मेंटेन भी रखा है. वो एक्ट्रेस पूजा बेदी की बेटी हैं और ये खूबसूरती उन्हें विरासत में मिली है.

सलमान खान की इस हीरोइन को देख शॉक्ड हुए फैंस दिखा कुछ ऐसा दांतों तले लोगों ने दबा ली उंगलियां

सलमान खान के साथ यूं तो कई हसीनाओं ने डेब्यू किया लेकिन इस एक्ट्रेस ने सबसे ज्यादा सुर्खियां बंटोरी. इसकी वजह थी इनका हुबहू कैटरीना कैफ की तरह दिखना और यही वजह इनके करियर को डुबा ले गई. हम बात कर रहे हैं जरीन खान की जो वीर फिल्म में सलमान के साथ दिखीं और पहली ही फिल्म से छा गई. कई सालों से जरीन फिल्मों से दूर हैं वहीं अब जब वो एयरपोर्ट पर दिखीं तो लोग उनके बढ़े वजन को देख दंग रह गए हैं और इसी के चलते उन्हें ट्रोल भी कर दिया गया.

एयरपोर्ट पर दिखा ऐसा अंदाज

एक्ट्रेस जरीन खान बुधवार को एयरपोर्ट पर पहुंचीं तो काफी कैजुअल लुक में दिखाई दीं. उन्होंने नीले रंग की लॉन्ग टीशर्ट पहनी थी. व्हाइट शूज और आखों पर नीला नीला चश्मा. लोग जहां उनके स्टाइल को देख उन पर फिदा हो गए तो वहीं उनका बढ़ा वजन देखकर शॉक्ड भी थे. लिहाजा उन्होंने को वेट गेन पर ट्रोल कर दिया. एक यूजर ने लिखा- बहुत मोटी हो गई हो आप. एक और यूजर ने कमेंट किया – जरीन खान ने वजन बढ़ा लिया है, वीर फिल्म में कितनी स्लिम थीं. इतना ही नहीं ट्रोलर्स ने उन्हें हेवी वेट चैंपियन तक कह डाला।

शिवाशीष मिश्रा को कर रहीं डेट

जरीन खान काफी समय से शिवाशीष मिश्रा को डेट कर रही हैं और दोनों अपने रिश्ते को ऑफिशियल कर चुके हैं. आपको बता दें कि शिवाशीष बिग बॉस 12 का हिस्सा रहे थे लेकिन जल्दी ही घर से बेघर हो गए. आम आदमी की तरह घर में पहुंचे शिवाशीष स्टार बनकर बाहर निकले लेकिन जीत नहीं सके थे. अब खबर है कि इस साल दोनों शादी भी कर सकते हैं. इंदौर के रहने वाले शिवाशीष एक बॉडी बिल्डर हैं जो मिस्टर इंदौर और मिस्टर मध्यप्रदेश भी रह चुके हैं।

बचना ए हसीनों फेम मिनिषा ने साजिद पर लगाए आरोप

बोलीं- वो जानवर है, उसके बारे में जितनी कम बात की जाए उतना बेहतर होगा

मी टू मूवमेंट के तहत डायरेक्टर साजिद खान पर इंडस्ट्री से जुड़ी कई महिलाओं ने गंभीर आरोप लगाए हैं। साजिद जब बिग बॉस 16 में बतौर कंटेस्टेंट पहुंचे, तो कई महिलाओं ने आगे आकर उनके शो में होने का विरोध किया। इस बीच अब बचना ए हसीनों एक्ट्रेस मिनिषा लांबा ने साजिद खान को जानवर बुलाया है। दरअसल, मिनिषा एक इंटरव्यू में पहुंची थीं, जहां उन्होंने मी टू मूवमेंट के बारे में बात की। इस दौरान मिनिषा ने कहा- साजिद खान एक जानवर है, उसके बार में जितनी कम बात की जाए उतना बेहतर होगा।

मिनिषा ने मी टू मूवमेंट की तारीफ की

मी टू मूवमेंट की तारीफ करते हुए मिनिषा ने कहा- महिलाओं को लेकर शुरू हुआ मी टू मूवमेंट बहुत ही ज्यादा आवश्यक था। इसकी वजह से अब प्रोड्यूसर के बात करने का तरीका बदल गया है। यह किसी क्रांति के जैसा था। आंदोलन शुरू हुआ तो कई बड़े नाम सामने आए, जिन्होंने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया।

साजिद ने खुद शो से बाहर जाने का फैसला लिया

बता दें कि साजिद खान ने बिग बॉस 16 से खुद ही बाहर जाने का फैसला लिया। शो से विदा लेते वक्त साजिद ने रोते हुए कहा- मेरे किसी से अगर झगड़े रहे हों, तो मैं हाथ जोड़कर उनसे माफी मांगता हूं। आप लोगों को बहुत सपोर्ट रहा है।' बता दें शो से बाहर जाकर साजिद लंबे समय बाद फिल्मों में वापसी करने जा रहे हैं। वो फिल्म 100% में बतौर डायरेक्टर कमबैक करेंगे। इसमें रितेश देशमुख, नोरा फतेही जॉन अब्राहम और शहनाज गिल मुख्य भूमिका में होंगे।

मिनिषा ने करियर के बारे में की बात

इंटरव्यू के दौरान मिनिषा ने अपने करियर के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि वो हमेशा से एक जर्नलिस्ट बनना चाहती थीं। लेकिन उन्हें फिल्मों में काम मिलने लगा, तो उन्होंने अपना करियर बदल दिया। मिनिषा कहती हैं- 'मेरे पास उस समय कोई भी गाइडेंस नहीं थी। इसलिए मैंने सब कुछ खुद से ही किया। अब मैं सोचती हूं कि एक बार फिर सब शुरू से होना चाहिए था। तब मैं करियर को और बेहतर बनाती।' बता दें कि मिनिषा लांबा काफी समय से फिल्मों से दूर हैं,हालांकि वो सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव जरूर रहती हैं।

जैकलीन फर्नांडीज ने सुकेश के खिलाफ कोर्ट में दिया बयान

बोलीं- सुकेश ने मुझे गुमराह किया, उसने मेरा करियर और मेरी जिंदगी बर्बाद कर दी

200 करोड़ के ठगी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। बुधवार, 18 जनवरी को जैकलीन दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने कोर्ट में कहा कि सुकेश ने उनकी भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया। उनकी जिंदगी को नर्क बना दिया और उनका करियर भी बर्बाद कर दिया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार जैकलीन फर्नांडीस ने कोर्ट में अपने बयान में कहा कि सुकेश ने खुद को सन टीवी के मालिक के रूप में पेश किया था और दावा किया था कि तमिलनाडु की दिवंगत मुख्यमंत्री जे. जयललिता उनकी मौसी थीं। जैकलीन ने कोर्ट में कहा, 'सुकेश ने मुझसे कहा था कि वो मेरे बहुत बड़े फैन हैं। फिर उन्होंने मुझसे कहा कि मुझे साउथ इंडिया में भी फिल्में करनी चाहिए। सन टीवी के मालिक के रूप में

उनके पास कई प्रोजेक्ट थे। फिर उन्होंने मुझसे कहा कि हमें साउथ की फिल्मों में एक साथ काम करना चाहिए। सुकेश ने मुझे गुमराह किया उन्होंने मेरा करियर और मेरी जिंदगी बर्बाद कर दी।'

जैकलीन ने आगे कहा, 'मुझे पिंकी ईरानी ने भी धोखा दिया। पिंकी को भी सुकेश की पूरी सच्चाई मालूम थी, लेकिन उन्होंने ने भी मुझे कभी भी इस बारे में नहीं बताया।' साथ ही जैकलीन ने ये भी कहा कि उन्हें सुकेश का असली नाम तब पता चला जब उन्हें सुकेश की आपराधिक चीजों के बारे में पता चला। आपको बता दें कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई 25 जनवरी को रखी है।

पिछले साल ED ने सुकेश चंद्रशेखर और अन्य के खिलाफ 200 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में चार्जशीट दाखिल की थी। आरोप के मुताबिक सुकेश ने तिहाड़ जेल में सजा काटते हुए एक कारोबारी की पत्नी से जबरन वसूली की थी। ED प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत जैकलीन का बयान भी दर्ज कर चुकी है। ED के मुताबिक, सुकेश के 200 करोड़ रुपए की जबरन वसूली मामले में जैकलीन अहम गवाह हैं।

इस केस में जैकलीन के साथ-साथ नोरा फतेही, चाहत खन्ना और नेहा कपूर जैसी एक्ट्रेसेस का नाम जुड़ चुका है। नोरा इस केस की सरकारी गवाह बन चुकी हैं। डिस्क्लोजर स्टेटमेंट के मुताबिक सुकेश ने शिल्पा शेट्टी से भी कॉन्टैक्ट किया था। जब राज कुंद्रा पोर्नोग्राफी केस में राज कुंद्रा जेल में थे, तब सुकेश ने शिल्पा से उनकी कंडीशनल रिलीज के बारे में बात की थी।

शम्मी कपूर ने लिपस्टिक से मांग भर गीता बाली को बना लिया था जीवन संगिनी

शम्मी कपूर ने एक इंटरव्यू में सुनाई थी अपनी प्रेम गाथा! गीता बाली से मुलाकात उनके डायरेक्टर दोस्त हरि वालिया ने फिल्म 'कॉफी हाउस' (1957 में रिलीज) की शूटिंग के दौरान करवाई थी। लेकिन तब दिल के दरवाजे पे मोहब्बत ने दस्तक नहीं दी थी। उसके बाद दोबारा मुलाकात हुई फिल्म 'रंगीन रातें' (1956 में रिलीज) की शूटिंग के दौरान जो रानीखेत में फिल्माई जा रही थी। इसमें गीता बाली का छोटा-सा कैमियो रोल था, जो उन्होंने डायरेक्टर केदार शर्मा से स्टार होने के बावजूद जिद करके मांग लिया था, सिर्फ इसलिए क्योंकि गीता बाली को पहाड़ों और वादियों से प्यार था और वो प्राकृतिक सौंदर्य में रहना चाहती थीं। गीता बाली केदार शर्मा की ही खोज थीं, सो शर्माजी इनकार नहीं कर सके। शम्मी कपूर के शब्दों में 'हम लोग वहां रानीखेत में 20 दिन थे शूटिंग के लिए, और फिर पहाड़ी जगह, पहाड़ी गाना, वादियां, खूबसूरत लड़की, जवान लड़का... इश्क हो गया जी!'

और फिर एक दिन कुछ अद्भुत घट गया- शम्मी कपूर की टीम के साथ गीता बाली भी शिकार को निकल पड़ीं। शुक्र है इन्होंने तब कोई गैरकानूनी कृत्य नहीं किया। शम्मी कपूर शिकार के लिए एक बाघ का पीछा कर रहे थे, जो शिकारी दल को लगातार काफी समय से चकमा दे रहा था। थक-हारकर देर रात जब वापस लौटने की बारी आई तो शम्मी कपूर की जीप काफी पीछे रह गई और गीता बाली की गाड़ी बहुत आगे बढ़ गई। लेकिन जब शम्मी कपूर की गाड़ी गीता की जीप तक पहुंची तो जो मंजर सबने देखा, वो हैरत अंगेज़ था! गीता बाली अपनी जीप के बोनट पर खुले में बैठकर शम्मी कपूर को बुला रही थीं और इशारा कर रही थीं उस बाघ की ओर जो

झाड़ियों से निकल रहा था। ये वही बाघ था, जिसके शिकार की तलाश में शम्मी कपूर निकले थे मगर जिसे, ये लड़की, ये रील वाली हीरोइन, रियल सिचूएशन में टाइगर के सामने निर्भय होकर घूरे जा रही थी! शायद अब शम्मी कपूर को मालूम चला कि ये बेबे उस कौम की है, जिसका उद्घोष रहा है 'सवा लाख से एक लड़ाऊं!' आगे उन्होंने ज़िक्र किया उस दिन का जिस दिन शम्मी कपूर को गीता बाली से अगाध प्रेम हो गया। वह तिथि 2 अप्रैल 1955 थी। फिर ठान ली कि ब्याह करना है तो इसी के साथ करना है। और उसके बाद लगातार गीता बाली से शादी करने को कहते रहे, गीता टालती रहीं। आगे आने वाले तीन महीनों तक ये सिलसिला जारी रहा। शम्मी शादी का कहते और गीता इनकार कर देतीं।

फिर आई 23 अगस्त 1955 की शाम! हमेशा की तरह शम्मी कपूर ने फिर शादी करने को कहा मगर आज शादी की बात सुनकर गीता ने इनकार नहीं किया, बल्कि कहा कि चलो शादी कर लेते हैं! लेकिन शादी आज ही होगी और अभी! नहीं तो कभी नहीं! शम्मी कपूर अवाक रह गए। अचानक सामने आन पड़ी इस स्थिति से कैसे निपटना है, यह समझ नहीं आया तो तुरंत अपने मित्र हरि वालिया को बुलाया। फिर भागे जॉनी वाकर के घर क्योंकि याद आ गया था कि उनके परम मित्र जॉनी वाकर ने अभिनेत्री शकीला की बहन नूर को भगाकर पिछले हफ्ते ही शादी रचाई थी। तो एक सप्ताह वाला अनुभवी बंदा था, सही दिशा दिखलाएगा। लेकिन जब वे जानी वॉकर के घर पहुंचे तो उन्होंने कहा- भाई मैं मुस्लिम हूं, मस्जिद गया और निकाह पढ़वा लिया। तुम्हें मंदिर जाना होगा जहां पंडित जी तुम्हारी शादी सम्पन्न कराएंगे। सो आनन-फानन में तीनों बान गंगा मंदिर पहुंचे, लेकिन विलंब के कारण पंडित जी ने कहा कि मंदिर के द्वार अब बंद हो चुके हैं, भोर में जागरण होगा, मंदिर खुलेगा, आ जाना शादी करवा देंगे। शम्मी और गीता निर्णय ले चुके थे, पीछे हटने का कोई इरादा नहीं था। सो शम्मी कपूर, गीता और हरि वालिया को लेकर अपने घर माटुंगा पहुंच गए। उनके माता-पिता रंगमंच प्रदर्शन के लिए भोपाल गए थे, सो इस रात गीता के साथ घर ठहरने में कोई अड़चन नहीं थी। तीनों ने भोजन के बाद सारी रात आंखों में काट दी और 24 अगस्त 1955 को प्रातः 4-5 बजे बान गंगा मंदिर की ओर प्रस्थान कर गए। पुजारी ने जब मंदिर के पाट खोले तो इन युवाओं को देखकर वो भी अचंभे में पड़ गया! शम्मी कपूर और गीता बाली का विवाह पवित्र अग्नि के फेरों के साथ सम्पन्न हुआ। जब बारी आई वधू की मांग भरने की तो सिंदूर नहीं होने पर गीता ने अपने पर्स से लिपस्टिक निकाली और उस लिपस्टिक से शम्मी ने गीता की मांग भरकर उन्हें अपनी जीवन संगिनी बना लिया। शम्मी को अपने घर वालों की तरफ से थोड़ा डर लग रहा था कि वे गीता को कैसे स्वीकार करेंगे क्योंकि एक तो गीता, शम्मी कपूर से आयु में एक वर्ष बड़ी थीं और दूसरे गीता उनके भाई राज कपूर और पिता पृथ्वी राज कपूर की हीरोइन भी रह चुकी थीं। लेकिन समस्त परिवार ने इस जोड़े का हृदय से आशीष देकर स्वागत किया। विवाह के बाद शम्मी कपूर का फिल्मी सितारा बहुत ऊंचाइयों पर पहुंच गया। 1964 के अंत में गीता बाली गंभीर रूप से बीमार पड़ गईं और 21 जनवरी 1965 को इस नश्वर संसार को छोड़ चिरंतन में लीन हो गईं। पत्नी की मृत्यु की वेदना, छोटे-छोटे बच्चों का पालन-पोषण। शम्मी कपूर बीमार हो गए, टूट गए। पर घर वालों ने संभाल लिया और 4 साल बाद आग्रह किया कि शादी कर लो, कम से कम बच्चों की ख़ातिर ही कर लो। तो 1969 को शम्मी कपूर ने नीला देवी से शादी कर ली। और नीला देवी ने जिस समर्पण से बच्चों को और पति को संभाला, उसकी चर्चा फिर कभी जरूर करूंगा। शम्मी कपूर की पुत्री कंचन ने अपने कॉलेज फॉर्म में माता के स्थान पर नाम लिखा- 'श्रीमती नीला देवी कपूर'। जब नीला देवी ने पूछा कि गीताजी का नाम क्यों नहीं लिखा तो बेटी कंचन बोली, 'मैं अपनी मां का आदर करती हूं, परंतु उन्हें जानती नहीं हूं। मैंने जाना तो सिर्फ आपको है, आप ही मम्मी हैं!' याद रहें, अब शम्मी कपूर नीला देवी के पति थे और आदित्य कपूर एवं कंचन नीला देवी के बच्चे थे।

दिन पर दिन कम होते जा रहे इस हसीना के कपड़े, पहनी बिकिनी... पानी में लगा दी 'आग'!

टीवी इंडस्ट्री में कई हसीनाएं ऐसी हैं जिनकी उम्र तो काफी कम हैं लेकिन इंस्टाग्राम ऐसी-ऐसी फोटोज से भरा-पड़ा है कि तस्वीरें देखकर आपकी आंखें चौंधिया जाएंगी. ऐसी ही एक एक्ट्रेस अवनीत कौर हैं. अवनीत कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक ऐसी किलर फोटोज शेयर कर रही हैं कि तस्वीरों मिनटों में वायरल हो रही हैं. ऐसा ही कुछ इस बार भी हुआ जब अवनीत ने कैमरे के सामने मोनोकिनी पहनकर अपने हुस्न का जादू चलाया.अवनीत की ये फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं. जिसे देखने के बाद फैंस का खुद पर काबू करना मुश्किल हो रहा है.

मोनोकिनी में दिखाया हुस्न

इन तस्वीरों को अवनीत कौर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर शेयर किया है. तस्वीरों में अवनीत पेड़ से सटकर खड़ी हुई हैं और मोनोकिनी में नजर आईं. एक्ट्रेस इस मोनोकिनी को पहनकर बॉडी फ्लॉन्ट करती हुई दिखीं. वहीं अपने कातिलाना लुक्स से फैंस को क्लीन बोल्ड भी किया.

पानी में लगाई आग

अवनीत कौर ने एक या फिर दो नहीं...बल्कि कई फोटोज शेयर की हैं. अब जरा एक्ट्रेस की इन फोटोज को देखिए. इसमें एक्ट्रेस पूल के अंदर बिकिनी पहनकर पोज देती हुई नजर आ रही हैं. अवनीत का ये लुक और अदाएं देखकर फैंस मदहोश हो रहे हैं. वहीं एक्ट्रेस भी अपने हुस्न से फैंस को बेकाबू करने की कोशिश करते हुए नजर आ रही हैं. अपने इस लुक को और भी ग्लैमरस बनाने के लिए अवनीत बालों को कर्ल किए हुए दिखीं और लाइट मेकअप किया हुआ है. अवनीत ने जैसे ही ये तस्वीरें शेयर की तो फैंस फायर वाला आइकन शेयर करने लगे. आपको बता दें, अवनीत कौर को पहचान 'अलादीन' सीरियल से मिली थी. इसमें अवनीत ने जैस्मिन का रोल निभाया था. इस शो के बाद

फिल्म फ्लॉप होने की गारंटी है दीपिका का आइटम गाना!

20 साल की उम्र में कोई 16 साल पहले कन्नड़ फिल्म 'ऐश्वर्या' से अपना फिल्मी करियर शुरू करने वाली दीपिका पादुकोण को बड़े परदे पर पहली बड़ी कामयाबी हिंदी फिल्म 'ओम शांति ओम' से मिली ये तो सबको पता ही है, लेकिन क्या आपको पता है कि दीपिका पादुकोण ने अब तक जितनी भी फिल्मों में सिर्फ आइटम सॉन्ग या स्पेशल अपीयरेंस के लिए एंट्री मारी है, वे सारी की सारी फिल्में फ्लॉप रही हैं। है ना चौंकाने वाली बात! चलिए बताते हैं पूरी कहानी विस्तार से।

इन दिनों शाहरुख खान को लेकर अपनी पहली हिंदी फिल्म 'जवान' बना रहे निर्देशक एटली के करीबी एक नए गुणा भाग में व्यस्त हैं। चर्चाएं हैं कि इस फिल्म के लिए शूट किया गया दीपिका का आइटम गाना अब शायद बड़े परदे तक न पहुंचे। बड़े परदे पर दीपिका नए साल में निर्माता आदित्य चोपड़ा और निर्देशक सिद्धार्थ आनंद की फिल्म 'पठान' में दिखने वाली हैं। दोनों की पूरी कोशिश इस फिल्म के जरिये भारत का अब तक का सबसे बड़ा एक्शन तमाशा पेश करने की है।

25 जनवरी को रिलीज होने जा रही फिल्म 'पठान' में शाहरुख खान रॉ (रिसर्च एंड एनालिसिस विंग) एजेंट बने हैं और इस फिल्म में यशराज फिल्म्स स्पाई यूनिवर्स के दो और रॉ एजेंट यानी टाइगर के रूप में सलमान खान और कबीर के रूप में ऋतिक रोशन को भी लाने की चर्चाएं चलती रही हैं। इस फिल्म के लिए सिद्धार्थ आनंद ने दीपिका पर एक आइटम गाना फिल्माया 'बेशरम रंग' और इस गाने ने फिल्म से जुड़े सभी लोगों के चेहरे का रंग ही इस गाने को लेकर हुए बवाल ने उड़ा दिया। गनीमत ये है कि दीपिका इस फिल्म में सिर्फ इस आइटम गाने भर के लिए नहीं हैं।

गौरतलब है कि दीपिका ने अब तक जितनी भी फिल्मों में आइटम नंबर किए हैं, वे सारी की सारी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही हैं और ये सिलसिला रोहित शेट्टी की फिल्म 'सर्कस' तक जारी रहा ह। इससे पहले दीपिका पादुकोण ने शाहरुख खान की कंपनी की फिल्म 'बिल्लू', निर्देशक रोहन सिप्पी की फिल्म 'दम मारो दम', चार फिल्मों की फिल्मावली 'बॉम्बे टाकीज' और निर्माता से निर्देशक बने दिनेश विजन की फिल्म 'राब्ता' में आइटम नंबर किए हैं और ये सारी फिल्में फ्लॉप रही हैं।

यही नहीं, दीपिका ने अब तक जिस भी फिल्म में स्पेशल अपीयरेंस किया है, वे सारी फिल्में भी फ्लॉप ही रही हैं। इन फिल्मों में शामिल हैं, 'मैं और मिसेज खन्ना', 'जीरो' और '83'। बताते हैं कि निर्देशक अयान मुखर्जी को इस बात का इल्म अपनी पिछली फिल्म 'ब्रह्मास्त्र पार्ट वन शिवा' की रिलीज से ठीक पहले हो गया था और इसी के चलते उन्होंने इस फिल्म से अमृता वाला उनका खास किरदार हटा दिया था। फिल्म में उनकी बस एक हल्की सी झलक एक जगह नजर आती है।

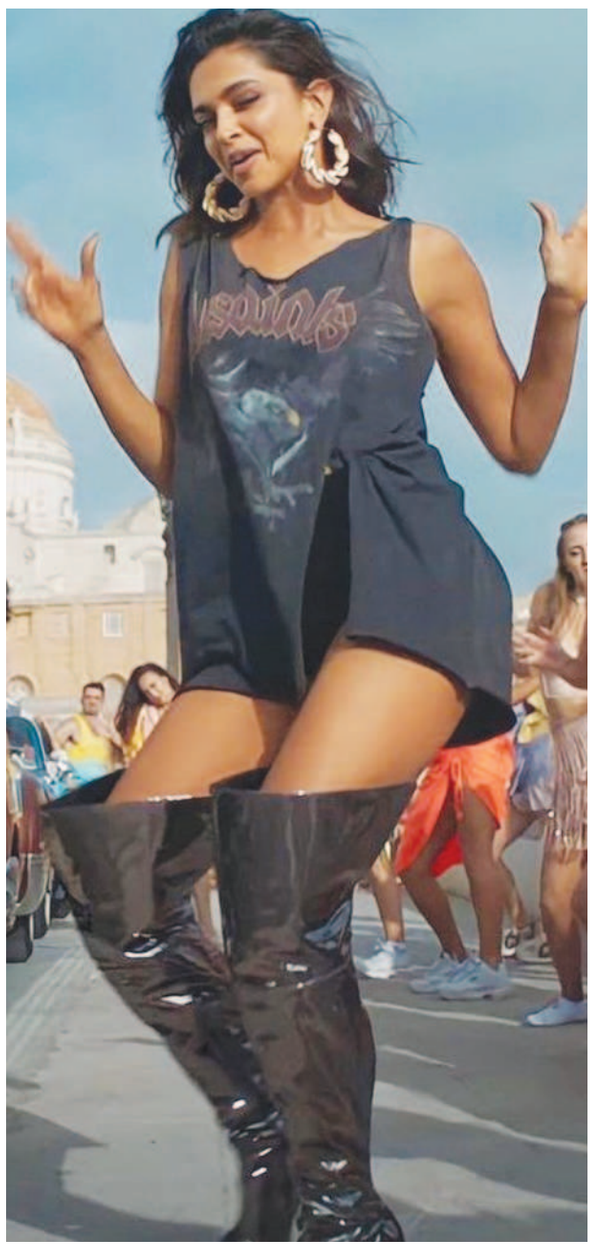

पहली नजर में ही असिन को दिल दे बैठे थे राहुल शर्मा, गजनी जैसी है एक्ट्रेस की लव स्टोरी

असिन थोट्टूमकल बॉलीवुड और साउथ की मशहूर अदाकारा हैं। अपने करियर में असिन ने कई बड़े सितारों के साथ काम किया है। इस दौरान उन्होंने कई सुपरहिट फिल्में भी दी हैं। अपने छोटे से करियर में उन्होंने सलमान खान, आमिर खान, अजय देवगन अक्षय कुमार जैसे सुपरस्टार्स की फिल्मों का हिस्सा रह चुकी हैं। हालांकि राहुल शर्मा से शादी के बाद असिन फिल्मी पर्दे से काफी समय से दूर हैं। आज हम आपको दोनों की लव स्टोरी के बारे में बताने जा रहे हैं।

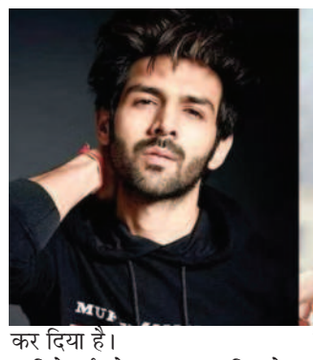

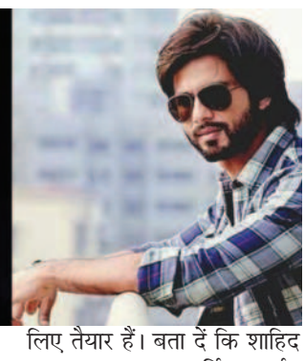

असिन ने बॉलीवुड में अपनी शुरुआत फिल्म 'गजनी' से की थी। इस फिल्म की लव स्टोरी लोगों को काफी पसंद आई थी। उनकी रियल लव स्टोरी भी आमिर खान की इस फिल्म से काफी मिलती जुलती है। 'गजनी' में जिस तरह वह आमिर खान को नहीं पहचान पाती हैं। वैसे ही असल जिंदगी में वह राहुल को भी पहली मुलाकात में नहीं पहचान सकी थीं। इसके अलावा गजनी में

भी आमिर सेल फोन कंपनी के मालिक होते हैं। वहीं, रियल लाइफ में राहुल भी एक फोन कंपनी के को-फाउंडर हैं। दोनों की पहली मुलाकात 'हाउसफुल 2' के प्रमोशन के दौरान हुई थी। दरअसल, असिन और अक्षय अपनी फिल्म के प्रचार के लिए ढाका जा रहे थे।

जिस प्राइवेट जेट से दोनों यात्रा कर रहे थे, उसमें दोनों के अलावा एक और शख्स भी था। यह कोई और नहीं बल्कि खुद राहुल ही थे। अक्षय ने फ्लाइट में ही दोनों को इंट्रोड्यूस कराया। इसके बाद हल्की फुल्की बात कर दोनों अपनी-अपनी सीट पर बैठ गए।

इसके बाद इवेंट में भी अक्षय असिन और राहुल की बातचीत करवाते रहे। अक्षय ने असिन से कहा कि दोनों की जोड़ी काफी अच्छी लगेगी।

हालांकि असिन ने उनकी बात को नजरअंदाज कर दिया, क्योंकि अक्षय कुमार प्रैंक के लिए काफी ज्यादा मशहूर हैं। इस इवेंट के दौरान जब असिन को पता चला कि वह जिस जेट में आई हैं और यह इवेंट जिसने कराया है वह राहुल ही हैं तो वह हैरान रह गईं। असिन इस सोच में पड़ गईं कि एक करोड़पति इंसान जमीन से इतना जुड़ा हुआ कैसे हो सकता है? इसके बाद दोनों ने एक दूसरे का नंबर एक्सचेंज कर लिया और बातचीत का सिलसिला शुरू हो गया।

राहुल को असिन से पहली नजर में प्यार हो गया था, इसलिए वह असिन से जल्द से जल्द शादी करना चाहते थे। उन्होंने असिन के माता-पिता से मिलने की इच्छा जाहिर की।

उनके पैरेंट्स से मुलाकात के दौरान ही राहुल ने असिन का हाथ मांग लिया, लेकिन तब असिन ने इनकार कर दिया। असिन ने राहुल से कहा कि पहले हमें एक दूसरे को समझ लेना चाहिए फिर शादी का फैसला करना चाहिए। इसके बाद दोनों ने एक दूसरे को लगभग ढाई साल तक डेट किया और फिर शादी कर ली। आज असिन फिल्मों से दूर राहुल के साथ खुशहाल शादीशुदा जिंदगी बिता रही हैं।

सारा अली खान वॉकिंग स्टाइल देख लोगों ने उड़ाया मजाक, बोले- मलाइका अरोड़ा 2

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान को हाल ही में जिम के बाहर स्पॉट किया गया, जिसका एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में सारा वर्कआउट खत्म कर जिम से बाहर निकलते हुए दिखाई दे रही हैं। इस दौरान वह व्हाइट टॉप और रेड कलर के शॉर्ट्स में नजर आईं। इस वीडियो के सामने आते ही सोशल मीडिया पर यूजर्स उनके वॉकिंग स्टाइल का मजाक उड़ाते हुए नजर आए। उन्हें कई लोग मलाइका अरोड़ा की कॉपी कह रहे हैं।

एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'आजकल सभी लोग ऐसे क्यों चल रहे हैं'। तो वहीं दूसरे ने लिखा, 'मलाइका अरोड़ा 2'। तीसरे यूजर ने लिखा, 'मलाइका अरोड़ा लाइट'। चौथे यूजर ने लिखा, 'लोग ऐसे क्यों चलते हैं'। ऐसे ही कई लोगों ने सारा के वॉकिंग स्टाइल का सोशल मीडिया पर जमकर मजाक उड़ाया है। बता दें, सारा 'मेट्रो इन दिनों' नाम की फिल्म में नजर आने वाली हैं, जिसमें वह पहली बार एक्टर आदित्य रॉय कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करती हुई नजर आएंगी। इसके अलावा कोंकणा सेन शर्मा, अनुपम खेर, नीना गुप्ता, अली फजल, फातिमा सना शेख और पंकज त्रिपाठी इस फिल्म का हिस्सा होंगी। हाल ही में सारा टाइगर श्रॉफ के साथ अपनी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग खत्म कर चुकी हैं।

शाहिद कपूर के घर में किराएदार बनेंगे कार्तिक आर्यन!

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन इन दिनों बॉलीवुड के उभरते हुए सितारे हैं। पिछले साल अभिनेता ने भूलभुलैया 2 जैसी सुपरहिट फिल्म देकर फैंस को अपना दीवाना बना दिया था। इस साल अभिनेता शहजादा लेकर आ रहे हैं। हाल ही में इसका मजेदार ट्रेलर रिलीज हुआ था। ट्रेलर को भी दर्शकों ने खूब पसंद किया था। बता दें कि पिछले दिनों कार्तिक आर्यन अपने लिए घर की तलाश कर रहे थे, अब खबर आ रही है कि अभिनेता की यह तलाश पूरी हो गई है। रिपोट्र्स के अनुसार पिछले दिनों अभिनेता जुहू में लग्जरी घर की तलाश में पहुंचे थे, और उन्होंने उस घर को फाइनल कर दिया है।

रिपोट्र्स के अनुसार पिछले काफी दिनों से कार्तिक आर्यन को घर की तलाश थी। ऐसे में वह जुहू स्थित शाहिद कपूर का घर देखने पहुंचे थे। यह घर अभिनेता को पसंद आ गया और अब वह इस घर को किराए पर लेने के लिए तैयार हैं। बता दें कि शाहिद कपूर का यह घर कार्तिक आर्यन ने तीन साल के लिए लीज पर लिया है। इस घर के लिए अभिनेता ने 45 लाख रुपये जमा भी कर दिए हैं।

सिर्फ इतना ही नहीं शाहिद कपूर के इस घर के लिए कार्तिक आर्यन को उन्हें हर महीने सात लाख 50 हजार रुपये किराया देना पड़ेगा। दोनों के बीच जो समझौता हुआ है उसमें बताया गया है कि हर साल किराए में 7% की बढ़ोतरी की जाएगी। इस हिसाब से कार्तिक आर्यन को पहले 12 महीनों के लिए 7.5 लाख रुपये और उसके बाद दूसरे साल में 8.2 लाख और तीसरे साल में 8.58 लाख रुपये देने होंगे। कार्तिक के नए घर की बात करें तो यह अपार्टमेंट 3.681 स्क्वायर फीट में फैला है। अपार्टमेंट में दो पार्किंग स्लॉट हैं। बता दें कि इससे पहले अभिनेता वर्सोवा के 459 वर्ग फुट के अपार्टमेंट में रहते थे, जिसे उन्होंने 2019 में 1.60 करोड़ रुपए में लिया था।

60 के दशक की इन डांसर्स के आगे नोरा भी फेल, अपने लटके-झटकों से कर देती थीं घायल

महबूबा महबूबा....यम्मा यम्मा... से और बहुत से गाने हमें आज भी डांस करने पर मजबूर कर देते हैं। गानों के बोल से लेकर इनका म्यूजिक हमारे पूरी बॉडी में ऐसी सेंसेशन जगा देता है कि बीमार इंसान भी खड़ा होकर डांस करने लगे। हिंदी सिनेमा में 60 और 70 का दशक वह दौर था जब कैबरे गाने फिल्मों की असल जान हुआ करते थे। इनकी लोकप्रियता का आलम यह था की दर्शक इनके कारण थियेटर की ओर खींचे चले जाते थे। इन गानों की आन बान शान इनमें अपने डांस का तड़का लगाने वाली डांसर्स हुआ करती थीं। इनके लटके झटके देख सभी वाह कहने पर मजबूर हुआ करते थे... क्यों होते थे न? ....तो आज हम हमारी इस रिपोर्ट में आपको गुजरे जमाने की उन्हीं कैबरे डांसर्स से मिलवाने जा रहे हैं।

हेलेन

जब जब बॉलीवुड में कैबरे डांस की बात की जाएगी, तब तब सबके दिमाग में पहला नाम हेलेन का आएगा। हेलेन और उनका सबसे लोकप्रिय गाना पिया तू अब तो आजा, जिसने सबको गुनगुनाने से लेकर डांस करने पर मजबूर कर देता था। हेलेन का डांस और उनके गाने पुराने जमाने में ही नहीं आज भी लोगों को थिरकने पर मजबूर कर देते हैं। हेलेन अपने समय में अपने लटकों और झटकों के लिए प्रसिद्ध थीं। डांस के साथ साथ हेलेन अपनी खूबसूरती और अभिनय से भी कई फिल्मों में धमाल मचाया। हेलेन को बॉलीवुड की कैबरे क्वीन कहा जाता था।

बिंदू

इस लिस्ट में दूसरा नाम कैबरे क्वीन को टक्कर देने वाली एक्ट्रेस और डांसर बिंदू का आता है। बिंदू निश्चित रूप से सिनेमा की दुनिया के इस स्पेशल ताज की प्रबल दावेदार थीं। बिंदू जब जब कैमरे के सामने आती थीं तब तब कई युवा दिलों की धड़कनें और भी तेज हो जाया करती थीं। बड़े पर्दे पर जब भी बिंदू का जादू चला तो लोगों के दिलों में उन्हें स्क्रीन पर एक बार और देखने की चाहत रह जाती थी। डांस के साथ ही बिंदू को फिल्मी पर्दे पर ज्यादातर खलनायिका जैसी भूमिकाओं के लिए याद किया जाता है। बिंदू को कुल मिलाकर पटाखा कहना गलत नहीं होगा।

अरुणा ईरानी

अरुणा बॉलीवुड की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक हैं। उन्होंने बॉलीवुड में कई बहुमुखी भूमिकाएं करके अपने टैलेंट का जौहर दुनिया के सामने साबित किया है। बेहतरीन एक्टिंग के साथ-साथ जब डांसिंग की बात आती है, तो यह कहना बिल्कुल गलत नहीं होगा की वह एक बेहतरीन डांसर हैं। हेलेन, बिंदू के साथ साथ अरुणा ईरानी के खाते में भी कई फिल्मों में कई हिट आइटम नंबर आए हैं। अपनी नागिन सी कंजी आंखों का जादू चलाने वाली अरुणा ईरानी का कैबरे सॉन्ग 'सपना मेरा टूट गया' आज भी लोगों की जुबान पर रहता है।

फरियाल

फरियाल 1960 और 70 के दशक की लोकप्रिय बॉलीवुड कैबरे डांसर और अभिनेत्री हैं। उन्हें फिल्म 'ज्वेल थीफ' में अपने डांस का जौहर दिखाकर इंडस्ट्री में कैबरे डांसर के रूप में लोकप्रियता मिली थी। हालांकि, सिनेप्रेमियों के बीच उनके गाने ज्यादा मशहूर नहीं हैं। लेकिन अगर उनके गानों को ध्यान से देखा जाए तो उनके पास वास्तव में कातिलाना डांस मूव्स थे, जो आसानी से किसी को भी दीवाना बना सकते थे। ऐसे में उनका नाम हमारी लिस्ट में होना तो बनता है।

जयश्री टी.

हेलेन और बिंदू के बाद, जो नाम तुरंत हमारे दिमाग में आता है वह है डांसर जयश्री टी का। जयश्री ने अपने करियर में बॉलीवुड फिल्मों में बहुत से सफल कैबरे डांस किए हैं। जयश्री में एक ऐसा ओम्फ फैक्टर था, जो दर्शकों को खूब भाता था। उनके अंदाज के साथ साथ जयश्री का भी डांस एनर्जी से भरपूर था।

पुलिस ने कहा- सिर्फ पूछताछ के लिए बुलाया था शर्लिन चोपड़ा ने गलत जानकारी ट्वीट की है

राखी सावंत को मुंबई में अंबोली पुलिस ने गुरुवार (19 जनवरी) को पूछताछ के लिए बुलाया। राखी आज दोपहर 3 बजे अपनी डांस एकेडमी लॉन्च करने वाली थीं, जिससे पहले ही वो मुश्किलों में फंस गईं। हालांकि शर्लिन चोपड़ा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर दावा किया है कि राखी को गिरफ्तार कर लिया गया है। लेकिन मुंबई पुलिस का कहना है कि उन्होंने राखी की गिरफ्तारी नहीं की है। पुलिस अधिकारियों का कहना है राखी को सिर्फ पूछताछ के लिए बुलाया गया था। उनकी कोई कस्टडी या गिरफ्तारी नहीं हुई है। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि शर्लिन चोपड़ा ने गलत जानकारी ट्वीट की है।

शर्लिन ने पिछले साल दायर किया था केस

शर्लिन ने अपने पोस्ट में लिखा है, 'अंबोली पुलिस ने राखी सावंत को गिरफ्तार कर लिया है। उनकी गिरफ्तारी FIR 883/2022 के तहत में हुई है। कल, राखी सावंत के ABA 1870/2022 को मुंबई सेशल कोर्ट ने खारिज कर दिया था।' शर्लिन चोपड़ा ने राखी सावंत के खिलाफ पिछले साल केस दायर किया था।

शर्लीन ने FIR कॉपी को सोशल मीडिया पर किया था शेयर

राखी ने 6 नवंबर को शर्लिन चोपड़ा के खिलाफ मानहानि की कंप्लेन दर्ज कराई थी। इसके बाद शर्लीन ने भी एक कदम आगे बढ़ाते हुए राखी के खिलाफ पुलिस में कंप्लेन फाइल की थी। शर्लीन ने अपने FIR की कॉफी सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए राखी को टार्गेट करते हुए लिखा था, 'नौटंकीबाज राखी सावंत तैयार हो जाएं गिरफ्तार होने के लिए।' शर्लीन ने राखी के खिलाफ आईपीसी की धारा 499, धारा 500, धारा 509 और धारा 503 के अंतर्गत शिकायत दर्ज कराई थी।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल मामला ये है कि पिछले साल बिग बॉस 16 शुरू होने के बाद शर्लिन चोपड़ा ने शो के मेकर्स पर नाराजगी जताई थी। उनका कहना था कि शो से साजिद खान को निकाल देना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा था कि जिस इंसान ने कई लड़कियों का शोषण किया है, उसे शो में रहने का कोई हक नहीं है।

इस पर राखी ने शर्लिन के आरोपों को पूरी तरह से गलत बताया। उसके बाद राखी ने शर्लिन को उलटा सीधा बोला था, जिसे सुनने के बाद शर्लिन ने राखी के खिलाफ FIR दर्ज करवा दी थी। आपको बता दें राखी, साजिद खान को भाई मानती हैं, इस वजह से वो उन्हें सपोर्ट कर रही थीं।

किसी भी कीमत आगे बढ़ने की चाहत ले डूबी, कौन हैं गोमैकेनिक के अमित भसीन

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। घर आकर गाड़ी की सर्विस करने वाली ऑटोमोबाइल आफ्टर सेल्स सर्विस और रिपेयर स्टार्टअप कंपनी गोमैकेनिक इन दिनों बुरे दौर से गुजर रही है। कंपनी के बहीखाते में हेरा फेरी ने मुश्किल बढ़ दी है। हालात ऐसे बने की कंपनी के 70 फीसदी कर्मचारियों की नौकरी खतरे में है। जिन 30 फीसदी कर्मचारियों की नौकरी बचेगी, उन्हें भी तीन महीने तक सैलरी नहीं देने की बात कही गई है। गोमैकेनिक के को-फाउंडर अमित भसीन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखा, जिसके बाद से कंपनी के कर्मचारियों की धड़कनें बढ़ गई है। गोमैकेनिक कंपनी के फाइनेंस रिपोर्ट में गड़बड़ी मिली। जिसके बाद कंपनी के निवेशकों ने फॉरेंसिक ऑडिट कराने का फैसला किया है। कंपनी के को फाउंडर अमित भसीन ने खुद इस बात को माना कि फाइनेंस रिपोर्ट में गलतियां हुई है। फंडिंग जुटाने के लिए गोमैकेनिक गलत तरीके से रिपोर्ट को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया। कंपनी ने अपनी फाइनेंशियल रिपोर्ट में अपना राजस्व बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया है। अब इस फाइनेंशिल गड़बड़ी का पता लगाने का ऑडिट के आदेश दिए गए हैं। अमित भसीन ने अपने लिंक्डइन पेज पर इस पूरी घटना के बारे में लिखा। उन्होंने लिखा कि इस गलती की भरपाई के लिए कंपनी को रिस्टक्चर करना होगा। इसके लिए कंपनी से 70 फीसदी वर्कफॉर्स को कम करना होगा। अमित ने अपने पोस्ट में ये माना कि उनसे गलती हुई। किसी भी कीमत पर आगे बढ़ने की चाहत में उनसे ये गलती हुई है। इस गलती के कारण अब गोमैकैनिक के 1000 से अधिक कर्मचारियों की मुश्किलें बढ़ गई है।

'वे बेहद कठिन काम संभाल रही हैं', सीतारमण पर बोले भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन, बजट पर दी ये सलाह

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के समिट के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर बड़ी टिप्पणी की है। एक निजी चैनल से बातचीत के दौरान राजन ने कहा कि सीतारमण एक बेहद कठिन कार्य संभाल रहीं हैं। रघुराम राजन जो भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र सरकार की ज्यादातर पॉलिसीज के आलोचक रहे हैं उन्होंने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बारे में कहा है कि वे एक कठिन कार्य कर रहीं हैं, ऐसे में मैं अच्छे या बुरे के रूप में उनके कार्य का मूल्यांकन करने वाला कोई नहीं होता। दावोस में जब एक पत्रकार ने राजन से पूछा कि वे वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को क्या रैंक देंगे? तो उन्होंने कहा कि मैं उन्हें रैंक नहीं दे सकता, मैंने ऐसा कभी नहीं किया। उन्होंने कहा कि वे एक कठिन

कार्य कर रहीं हैं, ऐसे में जो व्यक्ति काम कर रहा है उन्हें मैं कोई रैंकिंग नहीं दे सकता है। रघुराम राजन ने कहा कि असली चिंता लोअर मिडिल क्लास की है। राजन के अनुसार इस वर्ग को लेकर अर्थव्यवस्था में सबसे बड़ी चिंता है। यहां रोजगार की कमी है। बड़े व्यवसाय बढ़िया कर रहे हैं। उन्होंने अपने कर्ज का भुगतान महामारी के दौरान भी किया। बैंकों ने भी अपना बैड लोन राइट ऑफ कर दिया है। ऐसे में बैंक और बड़े कारोबार आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। पर दिक्कत लोअर मिडिल क्लास के साथ है। कोरोना के दौरान उनमें से कुछ लोगों की नौकरियां तक चली गईं हैं। छोटे और मध्यम उद्योग अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि वे फिर से बेहतर करने की कोशिशों में जुटे हैं, वे वापस लौट रहे हैं। इस वर्ष 7% का विकास दर रहना शानदार है। उन्होने कहा कि चालू वित्तीय वर्ष की शुरुआत में हमने अच्छी वृद्धि की पर बाद के महीनों में विकास की रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ गई। हम 5% के दर पर आ गए जो कि चिंता की बात है। वैश्विक मंदी की आशंकाओं को देखते हुए लगता है कि यह पांच प्रतिशत से भी नीचे जाएगा, यही चिंता की बात है और इसलिए हम वर्तमान स्थिति से संतुष्ट नहीं हो सकते।

बाजार ने दो दिनों की बढ़त गंवाई, सेंसेक्स 187 अंक टूटा, निफ्टी 18107 पर

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार ने पिछले दो दिनों की बढ़त गंवा दी है। गुरुवार को सेंसेक्स 187.31 अंकों की गिरावट के साथ 60,858.43 अंकों पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 57.50 अंक टूटकर 18107 के लेवल पर बंद हुआ। बैंक निफ्टी में 129 अंकों की कमजोरी के साथ 42328 के लेवल पर कारोबार क्लोज हुआ। इस दौरान वेदांता के शेयरों में 3 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, वहीं अदाणी ग्रीन के शेयरों में सात प्रतिशत तक की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 20 शेयर गुरुवार को लाल निशान पर बंद हुए। गुरुवार को बाजार में पावग्रिड, टाटा स्टील और एक्सिस बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी दिखी है। वहीं दूसरी ओर तिमाही परिणाम आने के बाद एशियन पेंट्स के शेयरों में 3 फीसदी तक की कमजोरी देखने को मिली। टाटा मोटर्स और इंडसइंड बैंक के शेयरों में में भी कमजोरी दिखी। वायदा कारोबार के वीकली एक्सपायरी के दिन डॉलर के मुकाबले रुपया 12 पैसे की गिरावट के साथ 81.36 रुपये के लेवल पर बंद हुआ।

सोना नहीं, हीरे की कीमत में बिकी ट्विटर की चिड़िया ! एलन मस्क हुए मालामाल

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। ट्विटर मुख्यालय सैन फांसिस्को से कई सामनों की नीलामी की जा चुकी है। ट्विटर के 100 सामानों की नीलामी भी पूरी हो चुकी है।इसमें ट्विटर का लोगो यानी कि ट्विटर की चिड़िया की प्रतिमा सबसे महंगे में बिकी है।इसके अलावा, नीलामी की इस लिस्ट में एक @ चिंह, मूर्तिकला प्लांटर, व्हाइट बोर्ड, डेस्क, टेबल, कुर्सी, के.एन.95 के 100 से ज्यादा बाक्स, डिजाइनर कुर्सी, कॉफी मशीन, आईएमएसीएस, स्टेशनरी बाइक स्टेशन जैसी चीजें शामिल हैं।दरअसल, ट्विटर मुख्यालय के किराये और घाटे को मैनेज करने के लिए एलन मस्क ने कई नीलामी का आयोजन किया था।ये नीलामी हेरिटेज ग्लोबल पार्टनर्स की ओर से ये नीलामी 27 घंटे के लिए पेश की गई थी।631 समानों में से 100 वस्तुओं की ही बिक्री हो पाई है। बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, 'ट्विटर की चिड़िया' यानी कि माइक्रो ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म के लोगो की प्रतिमा 1 लाख डॉलर में बिकी है।भारतीय करेंसी में यह कीमत 81 लाख रुपये से ज्यादा में बिक्री हुई है।यह नीलामी में सबसे महंगी वस्तु बनी है।वहीं एक @ प्रतीक के आकार में एक 190 सेमी (6 फीट) प्लांटर 15,000 डॉलर में बिकी है।वहीं एक कस्टम रिक्लेम्ड वुड कॉन्फ्रेंस रूम टेबल के लिए 10,500 डॉलर की बोली लगी है।कॉफी बार से ट्विटर ने 13,500 डॉलर में एक हाई-एंड ला मारज़ोको स्ट्राडा 3 एस्प्रेसो मशीन बेचा है।

163 साल पहले स्कॉटिश अर्थशास्त्री ने पहली बार पेश किया बजट, जानें इससे जुड़े रोचक तथ्य

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी 2023 को मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का आखिरी पूर्ण बजट पेश करेंगी। साल 2024 में आम चुनाव होंगे इस लिए उससे पहले आने वाला यह बजट कई मायनों में अहम है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 112 के तहत हर वित्तीय वर्ष की शुरुआत से पहले सरकार को संसद में केंद्रीय बजट या बजट पेश करना जरूरी होता है। केंद्रीय बजट किसी वित्तीय वर्ष में होने वाली आमदनी और खर्चों से जुड़ा दस्तावेज है। यह वित्तीय वर्ष हर साल 1 अप्रैल से शुरू होकर अगले साल 31 मार्च को समाप्त होता है। देश में सरकार की ओर से बजट पेश करने की शुरुआत 19वीं सदी में ही हो गई थी।

आइए जानतें हैं केंद्रीय बजट से जुड़ी कुछ अहम बातें।

कहां से आया 'बजट' शब्द?

बजट शब्द फ्रेंच भाषा के शब्द 'Bougette' शब्द से लिया गया है। इसका अर्थ होता है छोटा बैग।

ईस्ट इंडिया कंपनी ने पेश किया था पहला बजट

देश का पहला बजट 163 साल पहले अंग्रेजी शासन के दौरान पेश किया गया था। इसे स्कॉटिश अर्थशास्त्री और राजनीतिज्ञ जेम्स विल्सन ने ईस्ट इंडिया कंपनी की ओर से ब्रिटिश क्राउन के समक्ष पेश किया गया था। इस बजट को 7 अप्रैल 1860 को पेश किया गया था। केंद्रीय बजट के शुरुआती 30 वर्षों में इसमें इंफ्रास्ट्रक्चर नाम के शब्द की कोई चर्चा नहीं थी। बजट में यह शब्द पहली बार 20 शताब्दी की शुरुआत में शामिल किया गया।

आजाद भारत का पहला बजट कब पेश किया गया?

आजाद भारत का पहला बजट 16 नवंबर 1947 को पेश किया गया था। इसे देश के पहले वित्त मंत्री आरके शनुखम चेट्टी ने पेश किया था। हालांकि यह एक तरह से भारतीय अर्थव्यवस्था की समीक्षा रिपोर्ट थी। इस बजट में किसी नए टैक्स की घोषणा नहीं की गई थी। इस बजट की कुल राशि का लगभग 46% लगभग 92.74 करोड़ रुपये रक्षा सेवाओं के लिए अलॉट किया गया था।

एक वैज्ञानिक और देश के बजट का कनेक्शन!

माना जाता है कि आजाद भारत के बजट की परिकल्पना प्रो. प्रशांत चंद्र महालनोबिस ने की थी। स्वतंत्र भारत के बजट की अवधारणा उन्होंने ही तैयार की थी। वे एक भारतीय वैज्ञानिक और सांख्यविद् थे। वे भारत के योजना आयोग के सदस्य भी थी।

...जब लीक हो गया था देश का बजट

देश का केंद्रीय बजट वर्ष 1950 में सदन में पेश होने से पहले ही लीक हो गया था। उसके बाद बजट की छपाई का काम राष्ट्रपति भवन से मिंटो रोड स्थित एक प्रेस में शिफ्ट कर दिया गया था। फिर साल 1980 से बजट की छपाई नॉर्थ ब्लॉक स्थित सरकारी प्रेस से की जाने लगी।

हिंदी में बजट की शुरुआत कब हुई?

पहले बजट से जुड़े सारे दस्तावेज सिर्फ अंग्रेजी में ही छपते थे। साल 1955-56 से इसे अंग्रेस और हिंदी दोनों भाषाओं में मुद्रित किया जाने लगा।

भारत के तीन प्रधानमंत्रियों ने खुद पेश किया बजट

देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने वर्ष 1958-1959 का बजट बतौर प्रधानमंत्री पहली बार देश पेश किया। आमतौर पर देश के वित्त मंत्री ही बजट पेश करते हैं। पंडित नेहरू के अलावा इंदिरा गांधी ने वर्ष 1970-71 का बजट बतौर पीएम पेश किया। वे देश का केंद्रीय बजट पेश करने वालीं पहली महिला भीं थीं। उनके बेटे राजीव गांधी ने भी वर्ष 1986-87 का बजट सदन में बतौर पीएम पेश किया।

सबसे अधिक बार बजट पेश करने का रिकॉर्ड किसके नाम?

सबसे अधिक बार देश का बजट पेश करने का श्रेय पूर्व वित्त मंत्री मोरारजी देसाई को जाता है। उन्होंने इसे 10 बार पेश किया। उसके बाद पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने 9 बार, पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने 8 बार, यशवंत सिन्हा ने 8 बार और पूर्व पीएम मनमोहन सिंह ने 6 बार बजट पेश किया।

इंदिरा गांधी के कार्यकाल का ये बजट कहलाता है 'ब्लैक बजट'

वर्ष 1973-74 के बजट को देश का ब्लैक बजट कहा जाता है।

माइक्रोसॉफ्ट में सबसे बड़ी छंटनी, टेक कंपनियों ने छह दिन में 30611 कर्मचारियों को निकाला

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। वैश्विक मंदी के डर से दुनियाभर की प्रौद्योगिकी कंपनियां बड़े स्तर पर छंटनी कर रही हैं। दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट भी पांच फीसदी यानी 11,000 तक कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखा सकती है। माइक्रोसॉफ्ट में इसे अब तक की सबसे बड़ी छंटनी माना जा रहा है। कंपनी जुलाई में भी 1,000 कर्मियों को निकाल चुकी है। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला ने कहा कि आज हम ऐसे बदलाव कर रहे हैं, जो हमसे जुड़े व्यक्ति के लिए चुनौतीपूर्ण है। निकाले जाने वाले कर्मचारियों को सूचना दे दी गई है। इसमें से कुछ को तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है। इस कदम से कंपनी को करीब 1.2 अरब डॉलर की बचत होगी। इस बीच, विभिन्न रिपोर्ट में कहा गया है कि नौकरियों के लिहाज से नए साल की शुरुआत खराब रही है। अमेजन समेत

अन्य कंपनियां जनवरी के पहले छह दिनों में 30,611 लोगों को निकाल चुकी हैं। शेयरचैट ने भी 20 फीसदी छंटनी की घोषणा की है।

प्रभावित कर्मियों को क्षतिपूर्ति

माइक्रोसॉफ्ट ने बताया कि प्रभावित कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति भुगतान के साथ छह महीनों तक स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं दी जाएंगी। साथ ही, उन्हें दो महीने पहले नौकरी से निकालने का नोटिस दिया जाएगा। मॉर्निंगस्टार के विश्लेषक डैन रोमनॉफ के हवाले से रॉयटर्स ने बताया कि माइक्रोसॉफ्ट में छंटनी का एक और दौर बताता है कि हालात बेहतर नहीं हो रहे हैं। प्रौद्योगिकी क्षेत्र जल्द स्थिर नहीं होने वाला है। नौकरियों के लिहाज से आगे हालात और खराब होंगे। माइक्रोसॉफ्ट में 30 जून, 2022 तक करीब 2.21 लाख कर्मचारी थे। इनमें 1.22 लाख कर्मचारी अमेरिका में कार्यरत हैं, जबकि 99,000 भारत समेत अन्य देशों में हैं।

टीसीएस समेत शीर्ष-4 घरेलू कंपनियों में भर्ती 97 फीसदी घटी

देश की चार सबसे बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों टीसीएस, विप्रो, इन्फोसिस और एचसीएल टेक में भर्तियों में 97 फीसदी की गिरावट आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2022-23 की दिसंबर तिमाही में चारों कंपनियों ने शुद्ध रूप से 1,940 कर्मचारी जोड़े। यह पिछली 11 तिमाहियों में सबसे कम भर्ती है। 2021-22 की समान तिमाही में इन चारों कंपनियों ने 61,137 लोगों को नौकरियां दी थीं। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही से तुलना करें तो भर्तियां 94 फीसदी घटी हैं।

ये क्या हो गया ! यहां मिल रहा है 1.85 लाख रुपये तोला सोना

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के आर्थिक हालात दिन-ब-दिन बदतर होते जा रहे हैं। वहां लोगों को खाने के लाले पड़ गए हैं। हालत यहां तक पहुंच गए हैं कि आटे और रोटी के लिए लोगों में झगड़ा हो रहा है। वहां खानेपीने की चीजों की कीमत आम लोगों की पहुंच से दूर हो गई है। इस बीच देश में सोने की कीमत भी आसमान पर पहुंच गई है। बुधवार को देश में सोने की कीमत में भारी उछाल देखने को मिली। देश में सोना एक झटके में 2,100 रुपये प्रति तोला बढ़कर 186,500 रुपये पहुंच गया। इसी तरह 10 ग्राम सोने की कीमत 1,801 रुपये की तेजी के साथ 159,894 रुपये पहुंच गई। एक तोला 11.66 ग्राम के बराबर होता है। जानकारों का कहना है कि पाकिस्तान में सोने की कीमत बाकी दुनिया की तुलना में अधिक है। ऑल पाकिस्तान सर्राफा जेम्स एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक दुबई की कीमतों के मुकाबले पाकिस्तान में सोने की कीमत दुबई के मुकाबले प्रति तोला 2,000 रुपये अधिक है। यानी पाकिस्तान में सोने की कीमत वर्ल्ड मार्केट की तुलना में अधिक है। पाकिस्तान सोने की मांग इंपोर्ट से पूरी करता है। जानकारों का

कहना है कि सोना खरीद रहे अधिकांश लोग इनवेस्टर्स हैं। पहले ये लोग अमेरिकी डॉलर में निवेश कर रहे थे ताकि महंगाई से बचा जा सके। लेकिन ओपन मार्केट में डॉलर की कमी होने के कारण वे सोने का रुख कर रहे हैं। ब्लैक मार्केट में डॉलर 280 से 290 रुपये के भाव पर मिल रहा है जबकि इंटरबैंक मार्केट में इसकी कीमत 228 रुपये है। बुधवार को दिल्ली के सर्राफा बाजार में सोने का भाव 105 रुपये की गिरावट के साथ 56,526 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। जानकारों के मुताबिक मंगलवार को डॉलर इंडेक्स के 0.18 प्रतिशत मजबूत होने से सोने की कीमतों पर दबाव रहा।

अमेरिकी बॉन्ड इनकम में भी हालिया निम्न स्तर से सुधार आया। विदेशी बाजारों में सोना लाभ के साथ 1,910 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। अभी एक भारतीय रुपये की कीमत 2.83 पाकिस्तानी रुपये के बराबर है।

रतन टाटा दे रहे हैं बंपर कमाई का मौका, 19 साल बाद आ रहा टाटा ग्रुप का आईपीओ

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। शेयर मार्केट में निवेश करने वालों के लिए अच्छी खबर है। देश के सबसे बड़े औद्योगिक घरानों में से एक टाटा ग्रुप 19 साल बाद आईपीओ लाने की तैयारी में है। टाटा मोटर्स की सहयोगी कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज इस आईपीओ के जरिए 3,500 से 4,000 करोड़ रुपये जुटा सकती है। इस इश्यू के लिए कंपनी की वैल्यूएशन 16,200 से 20,000 करोड़ रुपये तक हो सकती है। टाटा ग्रुप ने इस आईपीओ के लिए काम करना शुरू कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक कंपनी दो एडवाइजर्स के साथ काम कर रही है। साथ ही एक और एडवाइजर को नियुक्त करने की प्रक्रिया जारी है। पिछले महीने टाटा मोटर्स के बोर्ड ने टाटा टेक में आईपीओ के जरिए कुछ हिस्सेदारी बेचने के प्रस्ताव पर मुहर लगाई थी। इसके बाद से कंपनी के अनलिस्टेड शेयरों में लगातार तेजी आ रही है। हालांकि इस आईपीओ के लिए टाटा ग्रुप ने अभी तक कोई तारीख मुकर्रर नहीं की है। कंपनी का कहना है कि उसे सही मौके का इंतजार है। यह टाटा संस के मौजूदा चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के कार्यकाल में यह टाटा ग्रुप का पहला आईपीओ होगा। टाटा टेक्नोलॉजीज डिजिटल, इंजीनियरिंग और तकनीकी सर्विस सेक्टर में दुनिया की अग्रणी कंपनियों में शामिल है। इसमें टाटा मोटर्स की 74.42 फीसदी हिस्सेदारी है। इसी तरह 8.96 फीसदी हिस्सेदारी अल्फा टीसी और 4.48 फीसदी हिस्सेदारी टाटा कैपिटल ग्रोथ फंड की है। इससे पहले टाटा ग्रुप की किसी कंपनी का आईपीओ 19 साल पहले आया था। टाटा ग्रुप साल 2004 में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का आईपीओ लाया था। टीसीएस आज देश की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

शनि ११, १२, बुध, चंद्र ९, सूर्य शुक्र १०, ८, गुरु, राहु १, ७ केतु, २, ६, मंगल ३, ४, ५

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मकर में	मकर-	06-31 बजे
चंद्र-	धनु में	कुंभ -	08-21 बजे
मंगल	वृष में	मीन...	10-00 बजे
बुध-	धनु में	मेष--	11-35 बजे
गुरु-	मीन में	वृष--	13-20 बजे
शुक्र-	मकर में	मिथुन..	15-22 बजे
शनि-	कुंभ में	कर्क...	17-33 बजे
राहु-	मेष में	सिंह...	19-45 बजे
केतु-	तुला में	कन्या..	20-52 बजे
		तुला	23-57 बजे
		वृश्चिक.	02-08 बजे
		धनु.....	04-25 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-शिशिरदिशाशूल- पश्चिम • दही खाकर घर से निकले
तिथि- त्रयोदशी- **09 -59** तक उपरान्त चतुर्दशी
मास • माघ कृष्ण पक्ष , शुक्रवार **Jan 20**
नक्षत्र -मूल - **12 -40** तक उपरान्त पूर्वाषाढा
योग • व्याघात **-18 - 56 -** तक उप हर्षण
करण- वणिज **- 09 - 59 -** तक उप- विष्टि
विशेष:- मास शिवरात्रि,त्रयोदशी
व्रत -त्योहार - चतुर्दशी तिथि का क्षय

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 11:03 से 12:27 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल.	06:53 - 08:15	शुभ	रोग.	18:00 - 19:39	अशुभ
लाभ.	08:15 - 09:39	शुभ	काल.	19:39 - 21:15	अशुभ
अमृत.	09:39 - 11:03	शुभ	लाभ	21:15 - 22:51	शुभ
काल.	11:03 - 12:27	अशुभ	उत्पात	22:51 - 00:27	अशुभ
शुभ.	12:27 - 13:51	शुभ	शुभ	00:27 - 02:03	शुभ
रोग	13:51 - 15:15	अशुभ	अमृत.	02:03 - 03:39	शुभ
उत्पात	15:15 - 16:39	अशुभ	चंचल.	03:39 - 05:15	शुभ
चंचल	16:39 - 18:00	शुभ	रोग.	05:15 - 06:53	अशुभ

आपका राशिफल

मेष — धू धे धो ला ली लू ले लो आ
आज का दिन कुछ अनिश्चित सा है ,आपको संवेदनशील लोगो से बात करते हुए अधिक सावधान रहना होगा । यह समय सामना करने और फैसले लेने के लिए भी उपयुक्त है । आप जिन अवांछित स्थितियों से बचना चाहते थे ,आपको उनमें खींचा जाएगा । कुछ कठोर निर्णय लेने होंगें । हालाँकि आप दबाव में भी सही फैसले ले पायेंगे और कुल मिलाकर सब अच्छा होगा ।

वृष — ई उ ए जो वा वी वू वे वो
आपके आसपास आपका ध्यान और समय बांटने वाली बहुत सी गतिविधियाँ चल रही है । छोटी-मोटी बातों पर समय व्यर्थ ना करें । एकाग्र रहें,तभी आपको मुक्त ऊर्जा का प्रवाह अनुभव हो पायेगा |अगर आपको यह मिल गया तो आपकी जिन्दगी बन जायेगी । घबराएं नहीं,ध्यान से समझकर समय रहते अवसर का लाभ उठायें । सफलता की कुंजी प्राथमिकताएं तय करने से मिलेगी।

मिथुन — का की कू घ ड झ के को हा
आज आप बिना किसी कारण के जिद्दी बने हुए हैं और सबके कहने तथा अपने खुद के मन की भी नही सुनना चाहते । आपको यह समझना है की इस रवैये से आपको कुछ हासिल नही होगा । आपको अपनी वर्तमान समस्याओं से पार पाने के लिए अपने दिल और दिमाग को खुला रखना होगा । आपकी सेहत आज बहुत अच्छी है ।

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
आज आप व्यावहारिकता की अपेक्षा रखने वाले कई मुद्दों में भावनात्मक व्यवहार करेंगे । स्पष्ट सोच रखते हुए यह समझने की कोशिश करें की आपकी इच्छाएं क्या हैं और आपके लिए अच्छा क्या हैं । आपके भीतर कुछ ऐसी भावनाए पैदा हो सकती हैं जो आपको कुछ सीमायें लांघने के लिए उकसा सकती हैं । ऐसी कोई भी फैसला लेने से पहले सब को सूचित कर दें ।

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
आज साहस दिखाने के लिए बहुत अच्छा दिन है । आज आपका भाग्य आपके साथ है। आज आप जो भी करोगे ,सब कुछ अच्छा ही होगा। अगर कहीं निवेश करना चाहते हैं तो यह बहुत अच्छा समय है। सच्चा प्यार मिलने की उम्मीद बन रही है हालाँकि अपने स्वास्थ्य के बारे में सतर्क रहें ,खांसी और ठण्ड से परेशान हो सकते हैं ।आपको आज यह महसूस होगा कि सेहत का सम्बन्ध शरीर की बजाय मन से अधिक है।

कन्या — टो पा पी पू ष ण ट पे पो
आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा ,स्थितियां आपके सामने किसी पुरानी अवांच्छित बात को फिर से लाकर खड़ी कर सकती हैं,जिससे आप बचना चाहते थे । आपको इस समस्या से निपटने के लिए सहनशील नजरिये से सोचना होगा क्योंकि आज आप बिना पर्याप्त कारण अपने आप सहित हर किसी पर सख्त रहें हैं । इस टकराव से नए अवसरे भी आयेंगे । अंतिम परिणाम अच्छा ही होगा ।

तुला — र री रु रे से ता तू ते
आज आपको यह अनुभव करने की जरुरत है कि अतीत से चिपके रहने से आपको कोई लाभ होने वाला नहीं है । आपको अपने अतीत से सीखना जरुर है ,परन्तु उसे पकड़े रहने से बात नही बनेगी । अगर आप आज यह समझ पाने में कामयाब हो जाते हैं तो पिछले कुछ समय से आपके जीवन में चली आ रही बड़ी समस्याओं को सुलझाने की दिशा में यह एक बड़ा कदम होगा।

वृश्चिक — तो मा मी मू मे मो य यी यू
एक वृद्ध व्यक्ति सोचने के लिए मजबूर करेगा । योजना बनाना और प्राथमिकताएं तय करना आपकी खासियत हैं । अपना काम करें,सब सही होगा । शांति बनाये रखें और धीरज से काम लें । कोई आपसे आज मिलने आएगा । अपनी सेहत और आराम का ख़ास ध्यान रखें । जल्द ही ऐसी वित्तीय स्थिति बन रही है जो आपके लिए फायदे का सौदा साबित होगी ।

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
आप अपने दोस्त की गलती की जिम्मेदारी खुद लेने पर तुले हुए हैं ,लेकिन इसके नतीजों के बारे में भी सोच लें । किसी कानूनी पचड़े में भी पड़ सकते हैं । कोई ऐसी घटना होगी जो आपको कभी ना भूलने वाला सबक देगी । कुछ अलग दिखें,कपड़े या अपना बाल बनाने का तरीका बदल लें । अपने स्वास्थ्य की अतिरिक्त देखभाल करने का समय है।

मकर — भे जे जी खी खू खो मा मी
दूसरों के विश्वास का सम्मान करें और नम्र बने रहें । आप सफलता हासिल करने की राह पर बढ़ रहे हैं लेकिन हमेशा अंतिम समय पर सावधानी नही रखते । जीवन अप्रत्याशित होता ही है,इसीलिए इन परेशानियों की अधिक चिंता ना करें । जीवन के पथ पर उत्साह और जोश से आगे बढ़ते रहें । आज आप शारीरिक और मनोविज्ञानिक दोनों ही दृष्टियों से खुद को बहुत अच्छी स्थिति में पायेंगे।

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
किसी भी काम को तुरंत तैयार होकर शुरू करने से पहले गंभीरता से तर्क की कसौटी पर परख लेना ही ठीक होगा ।आपके लिए कल्पनात्मक सा समय है । इसीलिए रोमांस का आनंद लें । रोमांस में कल्पना लाने से आपके लिए अच्छा होगा लेकिन अगर आप ऑफिस में भी यही करने की कोशिश करेंगे तो परिणाम अच्छे नही होंगे ।

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो च ची
आज आप अपने घर की साज सज्जा ,कपड़ों और सौंदर्य प्रसाधनों पर काफी खर्च कर सकते हैं । हालाँकि आप अपने खर्च को फिजूलखर्ची की सीमा तक पहुचने से पहले नियंत्रित कर पायेंगे । अपने किसी ख़ास को कोई कीमती उपहार दे सकते हैं,जो उसे बहुत अच्छा लगेगा । हालांकि अपनी भावनाओं को बोलकर व्यक्त करने से आपकी बात अधिक सार्थक लगेगी ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

ट्विटर पर वापस आने के बाद नहीं किया ट्वीट

पर फेसबुक पर वापस आना चाहते हैं ट्रंप

न्यूयार्क, 19 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर वापस आना चाहते हैं। बता दें कि फेसबुक ने डोनाल्ड ट्रंप को हिंसा भड़काने के आरोप में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से प्रतिबंधित कर दिया था। अब दोनों पक्षों के बीच बातचीत चल रही है। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप 2024 में अमेरिकी राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ सकते हैं और इसलिए उन्होंने अभी से ही चुनाव प्रचार की शुरुआत कर दी है। ऐसे में फेसबुक पर लौटना उनके लिए मददगार साबित हो सकता है।

डोनाल्ड ट्रंप ने बताया कि हमारी मेटा के साथ बातचीत हो रही है। ऐसे में देखने वाली बात होगी कि चीजें कैसे आगे बढ़ती हैं। अगर वो हमें वापस लेते हैं तो इससे उन्हें काफी फायदा होगा। हमारे लिए भी यह ठीक रहेगा। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि जितनी हमें उनकी जरूरत है, उससे ज्यादा उन्हें हमारी जरूरत है। गौरतलब है कि मेटा इसी महीने डोनाल्ड ट्रंप को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वापस लेने के संबंध में फैसला ले सकता है। अमेरिका की संसद पर 6 जनवरी 2021 को हुए हमले के बाद फेसबुक ने डोनाल्ड ट्रंप को बैन कर दिया था। दरअसल डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पोस्ट में दावा किया था कि 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान बड़े पैमाने पर मतदान में धांधली हुई। इसके बाद ही फेसबुक ने हिंसा भड़काने के आरोप में डोनाल्ड ट्रंप के अकाउंट को बैन कर दिया था। ट्विटर ने भी डोनाल्ड ट्रंप पर प्रतिबंध लगा दिया था। हालांकि एलन मस्क के ट्विटर का अधिग्रहण करने के बाद डोनाल्ड ट्रंप के अकाउंट को फिर से शुरू कर दिया गया था। हालांकि ट्रंप ने अभी तक कोई ट्वीट नहीं किया है और वह ट्विटर के बजाय अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर रहे हैं।

राजधानी का सवाल है, अराजकता के हवाले नहीं कर सकते- केंद्र

सिंघवी का पलटवार- ऐसे कह रहे जैसे दिल्ली हाईजैक की जा रही

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। प्रशासनिक अफसरों के ट्रांसफर-पोस्टिंग को लेकर केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार के बीच चल रहे मामले में सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की संवैधानिक बेंच ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। इस बेंच की अगुवाई चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ कर रहे हैं। बेंच में जस्टिस हिमा कोहली, जस्टिस एमआर शाह, जस्टिस कृष्णा मुरारी और जस्टिस पीएस नरसिम्हा शामिल हैं।

18 जनवरी को इस मामले में पांचवें और आखिरी दिन की सुनवाई में उस वक्त नया मोड़ आ गया जब केंद्र सरकार ने रेफरेंस का हवाला देते हुए मामले को और बड़ी बेंच के पास भेजने की मांग की। केंद्र सरकार की अचानक इस मांग पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ भी चकित नजर आए और उन्होंने कहा कि अब जब मामले की सुनवाई अंतिम चरण में है, तो रेफरेंस पर बहस कैसे कर सकते हैं? केंद्र सरकार की तरफ से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि 'हम यहां राष्ट्रीय राजधानी की बात कर रहे हैं' दिल्ली को अराजकता के हवाले नहीं छोड़ सकते हैं। हम ऐसे शख्स के तौर पर नहीं याद किए जाने चाहेंगे, जिसने दिल्ली को अराजक हाथों में सौंप दिया'। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की इस टिप्पणी का जवाब देते हुए दिल्ली सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे सीनियर एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि 'ऐसी तस्वीर पेश की जा रही थी जैसे राष्ट्रीय राजधानी को हाईजैक किया जा रहा हो'। सिंघवी ने कहा कि दूसरे पक्ष के साथ समस्या यह है कि वह संसद की तुलना केंद्र सरकार से कर रहे हैं।

हनीमाधू इंटरनेशनल एयरपोर्ट का शिलान्यास

विदेश मंत्री बोले- भारत-मालदीव संबंधों के लिए बेहद अहम

माले, 19 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के विदेश मंत्री तीन दिवसीय दौरे पर मालदीव और श्रीलंका के दौरे पर हैं। दौरे के तहत जयशंकर प्रसाद बुधवार को मालदीव पहुंचे। वहां मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह के साथ भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर हनीमाधू इंटरनेशनल एयरपोर्ट के भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान भारतीय विदेश मंत्री ने हनीमाधू इंटरनेशनल एयरपोर्ट पुनर्विकास प्रोजेक्ट को भारत और मालदीव के संबंधों के लिए ऐतिहासिक पड़ाव बताया। कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में भारतीय विदेश मंत्री ने कहा कि भारत की मालदीव के साथ साझेदारी, एक दूसरे के हितों की पूर्ति और कल्याण की इच्छा पर निर्भर हैं। उन्होंने कहा कि हमारी साझेदारी एक दूसरे की मदद से चुनौतियों का सामना करने के लिए है, जैसा हालिया कोरोना महामारी के दौरान देखने को मिला। आज के मुश्किल भू-राजनैतिक समय में, जब नए गतिरोधों की वजह से दुनिया का हर देश प्रभावित है। ऐसे समय में परस्पर सहयोग और साझेदारी और भी अहम हो गई है। कार्यक्रम के बाद एक ट्वीट में जयशंकर प्रसाद ने लिखा कि मालदीव में बढ़ती भारतीय पर्यटकों की संख्या से पता चलता है कि दोनों देशों के संबंध मजबूत हो रहे हैं। मोदी सरकार में अब आधारभूत ढांचे और कनेक्टिविटी को बेहतर करने पर फोकस किया जा रहा है। मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह ने कहा कि हनीमाधू इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रोजेक्ट काफी सुनियोजित तरीके से स्टडी के बाद शुरू किया जा रहा है। देश के माले क्षेत्र से अलग यह एक महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट है। सोलिह ने बताया कि इस प्रोजेक्ट की फंडिंग 2.1 बिलियन एमवीआर एक्जिम बैंक ऑफ इंडिया ने की है।

साथ ही इस प्रोजेक्ट को पूरा करने की जिम्मेदारी भारत की कंपनी जेएमसी को दी गई है। राष्ट्रपति सोलिह ने बताया कि इस परियोजना के पूरा होने से मालदीव के उत्तरी क्षेत्र में भी आर्थिक प्रगति देखने को मिलेगी। इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पुनर्विकास से इस इलाके में गेस्ट हाउस, होटल और पर्यटन संबंधी सुविधाओं का विकास होगा। इससे लोगों को रोजगार मिलेगा और यह क्षेत्र आर्थिक केंद्र के रूप में उभरेगा।

तिब्बत में एवलांच, 8 की मौत

कई लापता लोगों की तलाश 24 घंटों बाद भी जारी, चीन ने रातोंरात 131 लोगों की टीम भेजी

ल्हासा, 19 जनवरी (एजेंसियां)। तिब्बत में एवलांच की चपेट में आने से 8 लोगों की मौत हो गई। स्टेट मीडिया के मुताबिक हादसा तिब्बत के दक्षिण-पश्चिमी इलाके न्यिंगची शहर में डोक्सोंग ला सुरंग के पास हुआ। चीनी सरकार ने घटनास्थल पर रेस्क्यू टीम भेजी है। ये टीम मृतकों के शवों को बाहर निकाल रही है। साथ ही लापता लोगों की तलाश में जुटी है।मंगलवार रात 8 बजे के करीब हुए हादसे के बाद कई वाहन और लोग डोक्सोंग ला सुरंग के पास फंसे हुए हैं।

रेस्क्यू ऑपरेशन 24 से ज्यादा घंटों से जारी

रेस्क्यू ऑपरेशन के 24 से ज्यादा घंटे बीत चुके हैं। लोकल अधिकारियों ने बताया कि अभी यह पता नहीं लग पाया है कि कितने लोग लापता हैं। ग्लोबल टाइम्स के मुताबिक घटना की जानकारी मिलते ही 131 लोगों के सुरक्षा दलों और 28 वाहनों को बचाव कार्य के लिए भेजा गया था। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है कि बुधवार शाम साढ़े पांच बजे तक बचाव कार्य के लिए 350 मीटर रास्ते की खुदाई के लिए 246 बचावकर्मी और 70 से अधिक वाहनों को लगाया जा चुका है। वहीं 10 बड़े स्केल के उपकरण और 994 सर्च डिवाइस भी भेजे गए है।

बुर्का पहनकर पहुंचीं छात्राओं को कॉलेज ने नहीं दी एंट्री

मुरादाबाद, 19 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के हिंदू पीजी कॉलेज में बुर्का पहनकर पहुंची छात्राओं को कॉलेज में एंट्री नहीं दी गई। गुरुवार सुबह बुर्का पहनकर छात्राएं पहुंची, तो ड्रेस कोड का हवाला देकर उन्हें कॉलेज के गेट पर रोक दिया गया। इसके बाद कॉलेज गेट पर हंगामा हो गया। छात्राएं भड़क गईं। कहा- बुर्का पहनना हमारा अधिकार है। दरअसल, कॉलेज ने पहली बार 1 जनवरी से ड्रेस कोड लागू किया है। ठंड के कारण अब तक स्कूल-कॉलेज बंद थे। कॉलेज खुले तो विवाद हो गया। कॉलेज में इंट्री नहीं मिलने से नाराज छात्राएं वहीं बैठ गई थीं। सपा छात्र सभा के पदाधिकारी कॉलेज पहुंच गए। उन्होंने कॉलेज गेट पर हंगामा किया। कॉलेज प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सत्यव्रत सिंह रावत और चीफ प्रॉक्टर डॉ. एपी सिंह बाहर आए। उनकी सपा छात्र सभा के पदाधिकारियों से नोक-झोंक हो गई।

सूखे के चलते बंद हो गई अमेरिकी कस्बे की पानी सप्लाई

अब टॉयलेट साफ करने के लिए भी बारिश के पानी पर निर्भर

वाशिंगटन, 19 जनवरी (एजेंसियां)। एरिजोना इन दिनों सूखे की चपेट में है। पानी बचाने के लिए लोग नए-नए प्रयोग कर रहे हैं। इस बीच यहां के एक शहर स्कॉट्सलेट ने रियो वर्डे की जल आपूर्ति ही रोक दी है, जिससे सैकड़ों परिवार एक जनवरी से पानी की कमी का सामना कर रहे हैं। स्कॉट्सलेट के इस विवादास्पद कदम से आक्रोशित लोगों ने अब न्यायालय का दरवाजा खटखटाया हैं। उधर, स्कॉट्सडेल का कहना है कि वह रियो वर्डे की जल आपूर्ति के लिए जिम्मेदार नहीं है। स्कॉट्सलेट ने कहा है कि वह कई वर्षों से रियो वर्डे को चेतावनी और सलाह देता आ रहा है कि वह सूखे की अवधि के दौरान हमारी आपूर्ति पर निर्भर नहीं रह सकता।

500 से ज्यादा घरों में पीने का पानी नहीं

रियो वर्डे के करीब 500 से ज्यादा घर ऐसे हैं, जहां पीने का पानी तक उपलब्ध नहीं है। लोग दैनिक कार्यों के लिए नए-नए और कठिन प्रयोग कर रहे हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि वे टॉयलेट के लिए बारिश के पानी का उपयोग कर रहे हैं तो खाने के लिए पेपर की प्लेट प्रयोग में ला रहे हैं, जिससे पानी बच सके। वहीं एक अन्य निवासी डी थॉमस ने बताया कि वह अपने परिवार की जरूरतों के लिए पूल में इकट्ठा हुए बारिश के पानी को प्रयोग करने के लिए मजबूर है। आम दिनों में वह इसका प्रयोग नहाने के लिए करते हैं।

दायर किया गया मुकदमा

उधर, स्थानीय निवासियों की ओर से इस मामले में मुकदमा दर्ज कराया गया है। मुकदमे में कहा गया है, परिवारों के लिए खुद नहाने या अपने शौचालयों को फ्लश करने के लिए पानी नहीं है। यहां तक की उनके पास पीने का पानी भी नहीं बचा है, जो एक बुनियादी आवश्यकता है। उधर, राज्य के सांसदों द्वारा हाल ही में एक बिल पेश किया गया है। यह बिल स्कॉट्सडेल को पानी कमी के कारण उत्पन्न कुछ लागतों के लिए वित्तीय रूप से उत्तरदायी बना देगा। बता दें, एरिजोना वर्तमान में सूखे की स्थिति का सामना कर रहे अमेरिका के 33 राज्यों में से एक है।

प्रेमी ने नशे में बिस्तर पर कर दिया पेशाब

गुस्साई महिला ने दी भयानक सजा

न्यूयार्क, 19 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के लुइसियाना में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। दरअसल एक युवक ने शराब के नशे में बिस्तर पर पेशाब कर दिया। इस बात से उसकी गर्लफ्रेंड इतना नाराज हो गई कि उसने युवक को चाकू घोंप दिया। गंभीर हालत में युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। खबर के अनुसार, घायल युवक ने बताया कि वह अपनी गर्लफ्रेंड ब्रियाना लैकोस्ट (25 वर्ष) के साथ बीते डेढ़ साल से रह रहा है। युवक ने बताया कि शनिवार को वह और उसकी महिला मित्र देर रात करीब साढ़े तीन बजे शराब के नशे में घर लौटे। पीड़िता ने बताया कि जब वह सो रहा था तो अचानक उसकी महिला मित्र उठी और उसे पीटना शुरू कर दिया। दरअसल शराब के नशे में युवक ने बिस्तर पर ही पेशाब कर दिया था। युवक ने बताया कि उसने वहां से जाने की कोशिश की लेकिन उसकी गर्लफ्रेंड ने उस पर चाकू से हमला कर दिया।

घटना में पीड़ित शख्स को शरीर में बाईं तरफ चाकू लगा है, जिससे युवक के फेफड़े में भी घाव हो गया है। हालांकि आरोपी महिला का कहना है कि झगड़े के दौरान युवक ने उस पर हमला किया था और उसका गला दबाने की कोशिश की थी। इसी के चलते अपने बचाव में युवक पर चाकू से हमला किया। गौरतलब है कि आरोपी महिला ने खुद युवक को प्राथमिक उपचार दिया और इसके बाद अस्पताल भी लेकर आई। पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है।

दोस्त ने बहाया दोस्त का लहू

शराब के नशे में फिल्मी डायलॉग बोलकर रोब जमाने से हुआ नाराज, हाथ से चाकू छीनकर किया ताबड़तोड़ वार

गरियाबंद, 19 जनवरी (एजेंसियां)। गरियाबंद जिले से 7 किलोमीटर दूर ग्राम चिखली के कुरूभाठा में दोस्त ने ही दोस्त की हत्या कर दी। सबसे बड़ी बात ये है कि हत्या मृत युवक के चाकू से ही हुई। सूचना मिलने पर सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। हाईस्कूल मैदान के ठीक सामने युवक की लहूलुहान लाश पड़ी हुई थी, जिसे पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया और सारे सबूत घटनास्थल से इकट्ठा किए। पुलिस ने आरोपी राकेश ध्रुव (32 साल) को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के मुताबिक, नूतन ध्रुव अपने दोस्त राकेश ध्रुव के साथ बुधवार रात 8 बजे हाई स्कूल के सामने बने चबूतरे पर बैठकर शराब पी रहा था। जैसे ही शराब का नशा युवक नूतन ध्रुव पर चढ़ा, उसने अपना चाकू निकाल लिया और फिल्मी डायलॉग मारने लगा।

यूएन चीफ ने तेल कंपनियों को झूठ बोलने पर फटकारा

बोले- इंसानों के रहने लायक नहीं बचेगी धरती, यहां रहना मौत की सजा जैसा होगा

दावोस, 19 जनवरी (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र संघ यानी यूएन के सेक्रेटरी जनरल एंटोनियो गुटेरेस ने बुधवार को दुनिया की बड़ी तेल कंपनियों पर ग्लोबल वार्मिंग को लेकर डांट लगाई है। दावोस में वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम में बोलते हुए गुटेरेस ने कहा- कई बड़ी तेल कंपनियों को पता था कि ज्यादा तेल की खपत से दुनिया का क्या हाल हो सकता है। उसके बाद भी दशकों तक इस बात को छिपाए रखा गया।

उन्होंने दुनिया को चेतावनी दी कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते पृथ्वी का बड़ा हिस्सा इंसानों के रहने लायक नहीं बचेगा। गरीब और पिछड़े लोगों के लिए यहां रहना मौत की सजा जैसा होगा।

अमेरिकी कंपनी के खुलासे पर बोल रहे थे गुटेरेस

दरअसल एंटोनियो गुटेरेस दुनिया की बड़ी तेल कंपनी एक्सोन मोबिल के खुलासे पर यह बात कह रहे थे। जो पिछले साल दिसंबर में किया गया था। जिसमें बताया गया था एक्सोन कंपनी के वैज्ञानिक को पहले ही पता था कि जिस तरह से तेल कंपनियां तेल का उत्पादन कर रही हैं। इससे धरती का तापमान बढ़ेगा और इसके ज्यादा इस्तेमाल से दुनिया पर ग्लोबल वार्मिंग का खतरा मंडराएगा। हालांकि, सब कुछ पता होने के बाद भी कंपनी कहती रही थी कि इससे पृथ्वी को कोई नुकसान नहीं होगा।

एंटोनियो गुटेरेस ने इन कंपनियों को लेकर कहा कि इनकी जवाबदेही तय की जानी चाहिए। 1970 में सब कुछ पता होने के बाद भी इन्होंने धरती को जलने के लिए छोड़ दिया।

तेल कंपनियों की तंबाकू कंपनियों से तुलना की

एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि 1998 में जिस तरह तंबाकू कंपनियों को लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ करने के लिए हर्जाना देना पड़ा था। ठीक उसी तरह अब तेल कंपनियों से भी हर्जाना वसूला जाना चाहिए। दरअसल तेल कंपनियों की तरह ही दुनिया की बड़ी तंबाकू कंपनियों ने भी उसके मानव शरीर पर होने वाले बुरे असर की जानकारी छिपाई थी। जिसके चलते उसे 20 लाख करोड़ का मुआवजा देना पड़ा था।

दुनिया भर का तापमान पिछले 150 सालों में 1 डिग्री सेल्सियस बढ़ा। लेकिन इस सदी के अंत तक इसके 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने का अनुमान है। ऊपर से धरती के दक्षिण ध्रुव के ऊपर ओजोन परत में हर साल बढ़ रहा छेद अंटार्कटिका से भी बड़े आकार का हो गया है। इसका भी ग्लोबल टेंपरेचर पर असर पड़ना तय है।

लेफ्टिनेंट गवर्नर बनीं अरुणा मिलर

भगवत गीता पर ली शपथ, 58 साल की अरुणा का जन्म भारत के हैदराबाद में हुआ था

मैरीलैंड, 19 जनवरी (एजेंसियां)। भारत में पैदा हुईं अरुणा मिलर ने अमेरिका में इतिहास रच दिया है। वे अमेरिका के मैरीलैंड राज्य की पहली इंडियन-अमेरिकन लेफ्टिनेंट गवर्नर बन गई हैं। उन्होंने भगवत गीता पर हाथ रखकर शपथ ली और पद संभाला। 58 साल की अरुणा का जन्म भारत के हैदराबाद में हुआ था। वे 1972 में अपने परिवार के साथ अमेरिका गई थीं। उन्हें साल 2000 में अमेरिका की नागरिकता मिली थी।

अरुणा मैरीलैंड राज्य की 10वीं लेफ्टिनेंट गवर्नर हैं। 2010 से 2018 तक वे मैरीलैंड के हाउस ऑफ डेलीगेट में भी रही थीं। उन्होंने वहां अपने दो कार्यकाल पूरे किए थे। अरुणा भारतीय-अमेरिकी लोगों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। लेफ्टिनेंट गवर्नर के चुनाव में कई ट्रंप समर्थकों ने उनका समर्थन किया था। अरुणा पेशे से कैरियर ट्रांसपोर्टेशन इंजीनियर हैं। उन्होंने 25 साल तक मैरीलैंड के ट्रांसपोर्टेशन डिपार्टमेंट में काम किया है। उनके पिता भी एक मैकेनिकल इंजीनियर थे और 1960 के दशक में अमेरिका गए थे। 1972 में वे अपनी पत्नी और 3 बच्चों को भी अमेरिका ले गए थे। उस समय अरुणा 7 साल की थीं। अरुणा ने शपथ के बाद स्पीच में सफलता का श्रेय अपने परिवार को दिया। उन्होंने स्पीच में अमेरिका में स्कूल के पहले दिन की घटना का खास जिक्र किया।

उन्होंने बताया- कोई भी मेरे जैसा नहीं दिख रहा था। मुझे अंग्रेजी बिल्कुल नहीं आती थी लेकिन मैं सबके साथ फिट होना चाहती थी। इसलिए मैंने सोचा कि जैसा बाकी बच्चे करेंगे, मैं भी ठीक वैसा ही करुंगी। मैंने उस दिन कैंटीन में पहली बार अमेरिकी खाना खाया और ठंडा दूध पीया। पहले मुझे सब ठीक लग रहा था लेकिन क्लास में पहुंचते ही मुझे उल्टी हो गई। इसके बाद मेरी मां मुझे स्कूल से घर ले गईं। मैंने अपनी मां से कहा कि मुझे वापस अपनी दादी के पास भारत जाना है।

जोशीमठ में इमारतें गिराने का काम जारी

जेसीबी की मदद से तोड़ा गया पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस, सीएम धामी बोले- यहां 70% लोगों का जीवन सामान्य

देहरादून, 19 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड के जोशीमठ में जमीन धंसने से झुकी इमारतों को गिराने का काम चल रहा है। आज जेसीबी की मदद से पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस को गिराया गया। इस इलाके में अब तक 849 इमारतों में दरारें आ गई हैं। लोग डर हुए हैं। 250 परिवारों को अपना घर छोड़कर दूसरी जगह शिफ्ट होना पड़ा है। वहीं, सीएम धामी का कहना है कि जोशीमठ में 65 से 70% लोग जीवन सामान्य चल रहा है।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। मीटिंग के बाद धामी ने जोशीमठ में 65 से 70% लोग सामान्य रूप से अपना काम कर रहे हैं, लेकिन कुछ लोग यहां के बारे में अफवाह फैला रहे हैं। ऐसी अफवाहें देश के लिए भी अच्छी नहीं हैं। अभी भी उत्तराखंड में पर्यटन स्थल औली है, जहां लोग लगातार घूमने आ रहे हैं।

धामी बोले- अगले 3-4 महीने में चारधाम यात्रा शुरू होगी

सीएम धामी ने बताया कि उन्होंने गृहमंत्री को जोशीमठ के मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी दी है। यह मीटिंग गृह मंत्रालय में करीब आधे घंटे तक चली। शाह से मुलाकात के बाद धामी ने कहा कि अगले 3 से 4 महीने में चार धाम यात्रा शुरू हो जाएगी। उन्होंने बताया कि चार धामों में यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम शामिल हैं।

अमित शाह ने आर्थिक मदद का आश्वासन दिया

धामी ने गृहमंत्री को जोशीमठ की स्थिति और लोगों के बचाव के लिए किए जा रहे कामों के बारे में जानकारी दी। जोशीमठ के पीड़ितों के लिए नए स्थान देखे जा रहे हैं, उसको लेकर भी चर्चा की गई है। सीएम धामी ने कहा कि गृहमंत्री ने आर्थिक मदद देने का आश्वासन दिया है।

धामी से पूछा गया कि क्या अमित शाह को जोशीमठ को लेकर कोई रिपोर्ट सौंपी गई है तो सीएम ने कहा कि जब फाइनल रिपोर्ट आ जाएगी, तब केंद्र को दी जाएगी।

गांवों में रिकॉर्ड 98% से ज्यादा बच्चे स्कूल जा रहे

सरकारी स्कूलों में एडमिशन भी बढ़े, बिहार-बंगाल में सबसे ज्यादा निजी ट्यूशन ले रहे बच्चे

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। देश के ग्रामीण इलाकों में शिक्षा की नई तस्वीर सामने आई है। गांवों में अब 98.4% बच्चे स्कूल जा रहे हैं। पहली बार यह आंकड़ा 98% से ऊपर है, 2018 में यह आंकड़ा 97.2% रहा था। उधर, 2022 में सरकारी और निजी स्कूलों में 5वीं कक्षा के 42.8% स्टूडेंट्स ही कक्षा-2 की किताबें पढ़ने में समर्थ रहे, 2018 में यह आंकड़ा 50.5% था। यही नहीं साल 2012 में ऐसे बच्चे 46.9% थे।

रिपोर्ट में पता चला है कि निजी स्कूलों में एडमिशन लेने वाले स्टूडेंट्स की संख्या घटी हैं। वहीं, सरकारी स्कूल में बच्चों का दाखिला बढ़ा है। 4 साल पहले यानी साल 2018 में 30.9% बच्चे निजी स्कूलों में थे, लेकिन 2022 में 25% पर सिमट गए। सरकारी स्कूलों में दाखिला लेने वाले 6-14 साल के बच्चे 72.9% हो गए, जो 2018 में 66% ही थे। देश के स्कूलों में शिक्षकों की उपस्थिति भी सुधरी है। 2022 में टीचर्स की उपस्थिति 87% दर्ज की गई। साल 2018 में यह आंकड़ा 85.4% थी। वहीं, स्टूडेंट्स की उपस्थिति 72% बनी हुई है। 7 से 10 साल तक के सबसे ज्यादा 99% बच्चों ने स्कूलों में एडमिशन लिया। वहीं, 11 से 14 साल की उम्र के 98% बच्चे स्कूलों में दाखिला लेकर दूसरे नंबर पर रहे।

2022 में 69% स्कूलों में प्लेग्राउंड बन गया। जबकि 2018 में 66.5% स्कूलों में ही प्लेग्राउंड था। सर्वे में पता चला है कि 50% बच्चों की माएं और 80% बच्चों के पिता ने 5वीं कक्षा से ज्यादा तक पढ़ाई की है। देश में लड़कों की अपेक्षा लड़कियां ज्यादा काबिल हैं। 8वीं की 71.3% लड़कियां कक्षा 2 की किताबें पढ़ सकती हैं, ऐसे लड़के 67.6% ही हैं।

महिलाओं को बांधकर 200 सीढ़ियों पर घसीटते हैं

भूत भगाने के नाम पर लात-घूंसों से पिटाई, घंटों ठंडे पानी से नहलाते हैं

भीलवाड़ा (एक्सक्लूसिव डेस्क), 19 जनवरी। मंदिर में माता रानी के जयकारे के बीच महिलाओं की चीखें। कहीं महिला को उल्टा लिटाकर सीढ़ियों पर घसीट जा रहा। कहीं कड़ाके की सर्दी में महिलाओं को ठंडे पानी से नहलाया जा रहा। उनके बाल खींचे जा रहे। लात-घूसों से पिटाई की जा रही है।

ये नजारा है राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के बंक्यारानी माता मंदिर का। यहां भूत उतारने और इलाज के नाम पर महिलाओं के साथ बेहिसाब जुल्म हो रहा है। यहां तक कि चोरी-छिपे उन्हें चमड़े के जूते से पानी भी पिलाया जाता है।

शनिवार का दिन। कड़ाके की सर्दी के बीच सुबह 4 बजे मैं मंदिर पहुंची। दुकानें सज गई थीं। भक्तों की भीड़ बढ़ रही थी। लोग जयकारे लगा रहे थे। बीच-बीच में महिलाओं की चीखें गूंज रही थीं। मंदिर में मार-पीट और महिलाओं की चीखें? मुझे थोड़ा अजीब लगा।

करीब 200 सीढ़ियां चढ़कर मैं मंदिर के अंदर घुसी तो देखा छोटा सा गर्भगृह है, जिसमें एक देवी की प्रतिमा है। कुछ लोग उनकी पूजा कर रहे हैं।

दूसरी तरफ महिलाओं को सीढ़ियों पर उल्टा लिटाकर घसीटा जा रहा है। उन्हें लात-घूसों से पिटा जा रहा है। जबरन मंदिर की परिक्रमा कराई जा रही है। महिला चलते हुए जरा भी रुकती है तो उसकी पिटाई होने लगती है।

गर्भगृह के पास करीब दो घंटे रुकती हूं। उस दौरान चार-पांच महिलाओं के साथ ओझा ऐसा ही करते हैं।

मैं मंदिर से बाहर निकलती हूं। यहां सीढ़ियों पर एक महिला उल्टा लेटी है और पीठ के बल रेंगते हुए नीचे उतर रही है। साथ में उसके घर की महिलाएं भी हैं। वे उसे ऐसा करने के लिए फोर्स कर रही हैं। बीच-बीच में महिला थककर रुक जाती है, तो ओझा उसका पैर पकड़कर नीचे खींचने लगते हैं।

उसके हाथ, पैर और पीठ छिल जाती है। वह रहम की भीख मांगती है, लेकिन भोपा पर कोई फर्क नहीं पड़ता। करीब 15-20 मिनट लगते हैं ऊपर से नीचे उतरने में।

मेरे पास ही एक महिला खड़ी है। वह इस महिला की सास है। मैं पूछती हूं- बहू के साथ ऐसा क्यों करवा रही हैं आप?

वे बताती हैं, 'इसके ऊपर कोई साया है। सूखी सब्जी बनाने को कहती हूं तो पानी डाल देती है। पानी वाली सब्जी बनाने को कहती हूं तो सूखा बना देती है। हर काम उल्टा करती है। इसके शरीर में कोई घुसा है, वही इससे ये सब करवा रहा है।'

किसी डॉक्टर से नहीं दिखाया?

वे बिना जवाब दिए आगे बढ़ जाती हैं। मैं दोबारा बात करने की कोशिश करती हूं, लेकिन वे मुझे अनसुना कर देती हैं।

मैं आगे बढ़ती हूं। सीढ़ियों के नीचे एक महिला बैठी है। चुनरी से उसका सिर ढंका है। भोपी उसका बाल पकड़कर खींच रही है। उससे जबरन कुछ बुलवाने की कोशिश कर रही है। वह नहीं बोलती है तो उसे मुक्के से मारती है। इसी बीच महिला एक कुत्ते की तरफ इशारा करती है। तभी भोपी तपाक से बोल पड़ती हैं- अच्छा, अच्छा ये कुत्ते की बलि देने के लिए बोल रही है।

भोपी उस महिला को ज्वाला मंदिर ले जाती है। ज्वाला मंदिर, बंक्यारानी मंदिर के ठीक नीचे है। यहां 5-6 घंटे महिला को भोपी इधर से उधर घुमाती है। उसके बाद महिला अपने घर वालों के साथ बाहर निकल जाती है। मैं महिला के घर वालों से बात करने की कोशिश करती हूं, लेकिन वे मना कर देते हैं।

ज्वाला मंदिर में एक महिला को बांधकर फर्श पर घसीटा जा रहा है। तीन महिलाएं उसे खींच रही हैं। पूछने पर उन्हीं में से एक महिला बताती हैं, 'इस महिला के अंदर बुरी आत्मा है। पूरा चक्कर काट लेगी तभी वो आत्मा इसके शरीर से जाएगी।'

थोड़ी दूर पर एक महिला चूल्हे पर खाना पका रही है। उसके बगल में 20-22 साल की एक महिला बैठी है। बाल बिखरे हैं। कपड़े और स्वेटर काफी मैले हैं। पूछने पर पता चला कि देविका (बदला हुआ नाम) नाम की यह महिला चितौड़ से आई है। उसकी सास इलाज के लिए मंदिर लाई थी फिर यहीं छोड़कर चली गई। अब बहन देखभाल कर रही है।

क्या दिक्कत है आपको?

देविका बताती हैं, 'तबीयत खराब चल रही थी। ठीक से घर के काम नहीं कर पाती थी। एक दिन पड़ोसी ने सास से कहा कि तुम्हारी बहू पर बुरी आत्मा का साया है। उसे बंक्यारानी माता मंदिर ले जाओ। मैंने सास को समझाया कि डॉक्टर के पास चलिए, इलाज कराइए, लेकिन वह नहीं मानीं।

मुझे दो जोड़ी कपड़ों के साथ यहां छोड़ गई। पांच शनिवार हो गए इलाज कराते हुए, कोई फायदा नहीं हुआ। भोपा-भोपी जबरदस्ती करते हैं। चोटी खींचते हैं, मारते हैं। मैं उनके सामने लाचार हो जाती हूं, कुछ नहीं कर पाती।

पति खेती-किसानी करते थे।

अभी कमाने के लिए गुजरात गए हैं। यहां अपनी देखभाल के लिए बहन को बुलाई हूं। दो छोटे बच्चे हैं, उनके लिए जीना चाहती हूं। जल्द घर लौटना चाहती हूं। क्या बताऊं मैडम घरवाले भी तो मेरी नहीं सुनते।'

इसके बाद मेरी मुलाकात मध्य प्रदेश के नीमच से आई सोनाली (बदला हुआ नाम) से होती है। वे अपनी ननद गीता का इलाज कराने के लिए मंदिर आई हैं।

सोनाली बताती हैं, 'ननद के पेट में दर्द हुआ। दवाई खिलाई, लेकिन आराम नहीं मिला। मैं किसी और डॉक्टर के पास जाना चाहती थी। इनकी जांच कराना चाहती थी, लेकिन ससुर ने कहा कि गीता को दवा की जरूरत नहीं है। इसे लेकर मंदिर चले जाओ। पांच हफ्ते से यहां गीता का इलाज चल रहा है। अभी कोई फायदा नहीं है।'

कहां हैं आपकी ननद?

जवाब में सोनाली एक दुबली-पतली लड़की की ओर इशारा करती हैं। मैं उससे बात करना चाहती हूं, लेकिन वह कुछ भी बोलने की स्थिति में नहीं है। भोपा की मार और इलाज की प्रक्रिया ने उसे सदमे में पहुंचा दिया है।

यहां लगभग हर महिला ने कुंड में स्नान कराने की बात कही। मैंने एक महिला से कुंड के बारे में पूछा तो बताया कि कुंड यहां से दो किलोमीटर दूर है। इसके बाद मैं उस कुंड को देखने के लिए निकल जाती हूं।

दोपहर का वक्त। एक बड़े से कुंड में पानी भरा हुआ था। उसकी दीवारों पर लिखा था कष्ट निवारण कुंड। इसी कुंड के जल से महिलाओं को नहलाया जाता है। मैंने कुंड के अंदर हाथ डालकर देखा तो ऐसा लगा जैसे उसमें बर्फ जमा हो।

दो घंटे बाद तीन-चार महिलाएं एक महिला को पकड़कर कुंड के पास लाती हैं। उसे ठंडे पानी से नहलाती हैं। उससे कुछ कहलवाने की कोशिश करती हैं। महिला कुछ बोल नहीं पाती। भोपा-भोपी उसे पीटने लगते हैं। कभी मुक्के से मारते हैं तो कभी बाल खींचते हैं। एक भोपा से पूछती हूं ऐसा क्यों करते हैं आप? पहले तो वे सवाल टाल देते हैं, फिर कहते हैं- 'हम कहां कुछ करते हैं। सब माता रानी कराती हैं।' जैसे-जैसे रात ढलती है, मंदिर में भीड़ बढ़ती जाती है। इलाज के नाम पर महिलाओं के साथ ज्यादती का खेल पूरी रात चलता है। सुबह होते ही भोपा-भोपी निकल लेते हैं।

मंदिर के आसपास के लोगों से पूछने पर पता चलता है कि हर शनिवार भोपा-भोपी यहां आते हैं। एक दिन के इलाज का वे कम से कम 500 रुपए लेते हैं। जो लोग दूर से आते हैं, उनके ठहरने की व्यवस्था भी भोपा-भोपी करते हैं। इसके लिए वे दो से तीन हजार रुपए एक दिन का लेते हैं।

मंदिर के मुख्य पुजारी पहले इनकार करते हैं, वीडियो दिखाने पर मजबूरी बताने लगते हैं

इसके बाद मैं बंक्याराणी ट्रस्ट के अध्यक्ष और मुख्य पुजारी देवीलाल गुर्जर से मिली। देवीलाल बताते हैं कि पहले मंदिर में इस तरह की परंपरा थी, लेकिन अब नहीं है।

मैं उन्हें वीडियो दिखाती हूं तो वे कहते हैं, 'पहले जो लोग इस तरह के काम के लिए आते थे, हम उन्हें यहां से भगा देते थे। इसके बाद लोग बाहर जाकर कहने लगे कि हमें मंदिर में घुसने नहीं दिया जा रहा। तब हमें मंदिर में आने की इजाजत देनी पड़ी। भोपा-भोपी बाहर से आते हैं। ऐसे में उनका रिकार्ड रखना मुश्किल है।' बता दें कि सात साल पहले इसी मंदिर में जूते में पानी पिलाने के फोटो-वीडियो वायरल हुए थे। इसके बाद प्रशासन ने कार्रवाई की और जूते से पानी पिलाने पर रोक लगा दी। हालांकि, स्थानीय लोग दबी जुबान से कहते हैं कि आज भी चोरी-छिपे जूतों में पानी पिलाया जाता है।

पुलिस बोली- कोई शिकायत दर्ज करवाए तब तो कार्रवाई करेंगे

बंक्याराणी में होने वाली यातानाओं के बारे में पूछने पर असींद के शंभूगढ़ थाना के एसएचओ हनुमान राम कहते हैं, 'जूतों में पानी पिलाने के बारे में मैंने बहुत पहले सुना था। मुझे यहां तैनात हुए 5 महीने हो गए हैं। अब तक मुझे कोई शिकायत नहीं मिली है। शनिवार को मंदिर में 500 से 1000 लोग आते हैं। पुलिस वहां गश्त भी करती है। अभी तक किसी ने शिकायत दर्ज नहीं कराई है। कोई शिकायत करेगा तभी तो हम एक्शन लेंगे।'

अंध विश्वास के खिलाफ मुहिम चलाने वाली सोशल वर्कर तारा अहलूवालिया बताती हैं, 'कोई महिला बीमार होती है या दिमागी रूप से उसे कोई दिक्कत होती है, तो परिवार वाले उसे भोपा के पास ले जाते हैं।

भोपा बिना देर किए घोषित कर देता है कि महिला के शरीर में डाकन, भूत है। फिर चमड़े के जूते में पानी पिलाना, पीटना और उसका शोषण शुरू हो जाता है। हमने स्टिंग करके कई लोगों को जेल भी भेजवाया है।

मैं 37 साल से लोगों को जागरूक कर रही हूं। आज तक एक बात समझ नहीं आई कि बुरा साया सिर्फ महिलाओं पर क्यों आता है, पुरुषों पर क्यों नहीं? इलाज के नाम पर प्रताड़ित महिलाएं ही क्यों होती हैं, पुरुष क्यों नहीं?'

भीलवाड़ा कोर्ट में एडवोकेट राजू डिडवानिया बताते हैं कि इन महिलाओं के साथ जो जुल्म हो रहा है, उसकी सबसे बड़ी वजह जागरूकता की कमी और गरीबी है। उनके परिजन आसानी से भोपा-भोपी के झांसे में आ जाते हैं। उनका ऐसा ब्रेन वॉश कर दिया जाता है कि उन्हें लगता ही नहीं है कि उनका शोषण हो रहा है। उनके घर की महिलाओं के साथ ज्यादती हो रही है। कुछ महिलाएं डॉक्टर के पास जाती भी हैं, तो गरीबी की वजह से झोला छाप डॉक्टरों से इलाज कराती हैं। उससे बीमारी ठीक नहीं होती। फिर लौटकर उन्हें भोपा-भोपी के पास ही आना पड़ता है। इसी वजह से दिन-पर-दिन इसके मामले बढ़ते जा रहे हैं।

क्या बीजेपी में शामिल होंगे टीएस सिंह देव?

भूपेश बघेल से सत्ता को लेकर जारी खींचतान के बीच दिया यह जवाब

रायपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री और कांग्रेस नेता टीएस सिंह देव ने पार्टी छोड़ने के सवाल पर गुरुवार को कहा कि वह वैचारिक मतभेदों को लेकर बीजेपी के साथ गठबंधन नहीं कर सकते हैं। देव ने यह भी कहा कि उनकी अपनी राजनीतिक पार्टी बनाने की कोई योजना नहीं है।

बीजेपी से नहीं मिलती विचारधारा

राजनांदगांव जिले के प्रवास के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए टीएस सिंह देव ने कहा, "मेरी विचारधारा और जीवन का दर्शन भारतीय जनता पार्टी के साथ मेल नहीं खाता है इसलिए मैं कभी भी भाजपा में शामिल नहीं हो सकता। मेरी राजनीति यहां से क्या रास्ता अपनाती है यह भविष्य पर निर्भर करता है।" यह पूछे जाने पर कि

टीएस सिंह देव

क्या वह अपनी पार्टी बनाएंगे स्वास्थ्य मंत्री ने हंसते हुए कहा कि नहीं, इसके लिए बहुत पैसे की जरूरत है।

टीएस डियो और भूपेश बघेल के बीच सत्ता का टकराव

2018 में कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से ही टीएस देव का भूपेश बघेल के साथ सत्ता का टकराव चल रहा है। चुनावों में मुख्यमंत्री की दौड़ में दावेदार रहे देव सीएम बघेल के कार्यभार संभालने के बाद खुद को दरकिनार महसूस कर रहे थे। सूत्रों के मुताबिक, यह कहा गया था कि कांग्रेस नेतृत्व ने प्रस्तावित किया था कि टीएस देव और भूपेश बघेल के बीच पांच साल का कार्यकाल विभाजित होगा। देव और बघेल दोनों ढाई-ढाई साल मुख्यमंत्री पद संभालेंगे, हालांकि कांग्रेस के दोनों वरिष्ठ नेताओं ने इस तरह की व्यवस्था से इनकार करते हुए इसे मीडिया अटकल बताया।

वहीं दिसंबर 2022 में टीएस देव ने कहा था कि वह अब आगामी विधानसभा चुनाव नहीं लड़ना चाहते हैं, लेकिन अपने समर्थकों के साथ चर्चा के बाद कोई फैसला लेंगे। इससे पहले जुलाई 2022 में देव ने महत्वपूर्ण पंचायत और ग्रामीण विकास विभागों के प्रभार को यह कहते हुए छोड़ दिया था कि मुख्यमंत्री ने पीएम आवास योजना के तहत धन आवंटित नहीं किया था।

वहीं जब स्वास्थ्य मंत्री से ये पूछा गया कि पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह आपके राजनीतिक करियर को लेकर काफी चिंतित रहते हैं, इस पर टीएस देव ने कहा कि रमन सिंह बड़े भाई हैं और बड़े भाई को छोटे भाई की चिंता करनी भी चाहिए।

भूपेश बघेल बोले- झूठ बोलने में बीजेपी को महारत

मुख्यमंत्री ने कहा- रासुका पर कर रहे झूठी बयानबाजी किसान और मजदूरों के लिए छत्तीसगढ़ मॉडल

बिलासपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा नेताओं पर जमकर हमला बोलते हुए कहा कि उन्हें झूठ बोलने में महारत हासिल है। लेकिन, अभी वो प्राइमरी क्लास में है और पीएचडी नहीं हुए, इसलिए इनका झूठ पकड़ा जा रहा है और लोगों को भी विश्वास नहीं हो रहा है। इनकी मातृ संस्था में ही अफवाह फैलाने की ट्रेनिंग दी जाती है। लेकिन, इनका सही तरीके से ट्रेनिंग नहीं हुआ है। आरक्षण पर भाजपा नेताओं के मुंह में दही जम गया है और रासुका पर झूठी बयानबाजी कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि, गुजरात मॉडल में गरीब और गरीब होता जा रहा है। लेकिन, छत्तीसगढ़ मॉडल में हम गरीब, किसान, मजदूर को पैसा दे रहे हैं, जिससे लोगों को लाभ हो रहा है। बिलासपुर के तखतपुर विधानसभा क्षेत्र में भेंट मुलाकात कार्यक्रम और अफसरों की बैठक के बाद खपरी रेस्ट हाउस में मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री

भूपेश बघेल ने कहा कि आरक्षण को लेकर भाजपा के छोटे से लेकर बड़े नेता बयान नहीं दे रहे हैं। यहां तक आरक्षण बिल में राज्यपाल हस्ताक्षर करें, यह अपील भी नहीं कर रहे हैं। और बात कर रहे हैं राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) का। उन्होंने रासुका पर भाजपा के बयानबाजी का जवाब देते हुए कहा कि रासुका राज्य सरकार ने नहीं बनाया है। राज्य सरकार को राष्ट्रीय कानून बनाने का अधिकार ही नहीं है और लोकसभा में पारित कानून पर बयानबाजी कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपाई झूठ बोलने की बजाए जनता की आवाज उठाएं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रहते रमन सिंह ने 10 बार रासुका लागू किया, तब उन्हें तकलीफ नहीं हुई। इस कानून को हर तीन महीने में रिनुअल होना है, जिसमें उन्हें दिक्कत हो रही है।

धान खरीदी पर भी झूठ बोल रही भाजपा

उन्होंने कहा कि भाजपा नेता कह रहे हैं कि धान खरीदी के लिए केंद्र सरकार पैसा देती है। उन्हें आंकड़ा भी मालूम है और 90% पैसा देने की बात कहती है। भाजपाई बताए कि केंद्र सरकार ने कब-कब कितना पैसा दिया है। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि जब केंद्र सरकार धान खरीदी के लिए पैसा देती है, तब भाजपा की सरकार रहते प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को कितने पर बार धन्यवाद दिए हैं कि आपने पैसा दिया है तो हमने धान खरीदी की है। दरअसल, भाजपाईयों लगातार झूठ बोल रहे हैं, जिस पर लोगों को भरोसा भी नहीं हो रहा है। रासुका, धर्मांतरण सहित सभी मामलों में भाजपाई केवल झूठी बयानबाजी कर रहे हैं।

50 करोड़ का ब्राउन सुगर बरामद

बिहार- झारखंड के रास्ते उत्तर प्रदेश का ट्रक कर रहा था तस्करी, बंगाल एसटीएफ ने पकड़ा

चितरंजन, 19 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश से लेकर बिहार और झारखंड के रास्ते पश्चिम बंगाल तक ब्राउन सुगर जैसे मादक पदार्थों की तस्करी की जा रही थी। पश्चिम बंगाल के एसटीएफ ने पश्चिम बर्दवान जिला अंतर्गत कांकसा थाना क्षेत्र के बासकोपा टोल प्लाजा के पास बीती रात गुप्त सूचना के आधार पर एक ट्रक ब्राउन शुगर का कच्चा माल और केमिकल समेत चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। बरामद ब्राउन शुगर के कच्चे माल की कीमत 50 करोड़ रुपये आंकी जा रही है। पुलिस के मुताबिक ट्रक उत्तर प्रदेश से बंगाल आ रहा था। गिरफ्तार आरोपियों में दो पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के पलासी के रहने वाले हैं जबकि दो लोगों में एक ट्रक का चालक और दूसरा खलासी है।

किस गिरोह का हाथ, कौन - कौन है शामिल एसटीएफ कर रही है पड़ताल

एसटीएफ सूत्रों के मुताबिक उत्तर प्रदेश से आया ये ट्रक ब्राउन शुगर का कच्चा माल उतारकर नदिया ले जाने के फिराक में तस्कर था। लेकिन इससे पहले ही एसटीएफ को इसकी भनक मिल गयी। जिसके बाद कच्चा माल समेत तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया। मामले में और कौन-कौन लोग शामिल हैं तथा ये माल उत्तर प्रदेश के किस जिले से आ रहा था और बंगाल में कहां-कहां सप्लाई किया जाने वाला था, क्या झारखंड और बिहार के तस्कर की भी इसमें संलिप्तता है। इन सब सवालों को लेकर एसटीएफ जांच पड़ताल में जुटी है। कांकसा एसीपी सुमन कुमार जायसवाल ने बताया कि एसटीएफ और कांकसा पुलिस ने संयुक्त रूप से अभियान चलाकर भारी मात्रा में ब्राउन शुगर बनाने का कच्चा माल जब्त किया है। चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जब्त माल में चार बस्ते मौजूद एक क्विंटल ब्राउन शुगर बनाने का डस्ट और दो बैरल केमिकल जब्त किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

कई बम धमाके जिंदा बम बरामद

अवैध कोयला कारोबार में वर्चस्व की लड़ाई, आधा दर्जन लोग घायल

धनबाद, 19 जनवरी (एजेंसियां)। धनबाद के झरिया में वर्चस्व की लड़ाई में बमबाजी हुई है। झरिया थाना क्षेत्र स्थित सिंह नगर के समीप भुइयां टोली में गुरुवार की सुबह गोली-बम की धमाकों से पूरा इलाका गूंज उठा खुलेआम गोली-बम चलने से कई लोगों को गंभीर चोटें आई हैं।

घायलों को धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल भेजा गया। एसएनएमएमसीएच पहुंचे घायल का नाम निरंजन कुमार बताया जा रहा है। वह कैटरिंग का काम करता है। वही मौके पर पुलिस भारी संख्या में पुलिस बल के जवान पहुंच गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि एक ही परिवार के दो राजनीतिक दल वाले परिजन के समर्थकों के बीच में गोलीबारी और बमबारी की घटना हुई है।

झरिया थाना क्षेत्र के सिंह नगर में पुरानी रंजिश को लेकर दो गुटों में जमकर मारपीट हुई है। इस दौरान गोली चलने की भी सूचना है। गुरुवार की सुबह भुइया बस्ती के रहने वाले दो गुटों में पुरानी रंजिश को लेकर खूनी संघर्ष हुआ।

पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़

टॉप कमांडर शशिकांत का दस्ता इलाके में था सक्रिय पुलिस को भारी पड़ता देख घने जंगल में हुआ फरार

पलामू, 19 जनवरी (एजेंसियां)। पलामू के मनातू थाना क्षेत्र में सुरक्षा बल और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। मनातू थाना क्षेत्र के पिकेट के समीप ही गुरुवार की सुबह यह मुठभेड़ हुई। उग्रवादी संगठन टीपीसी के साथ मुठभेड़ में कई राउंड गोली चली। पुलिस और सीआरपीएफ को भारी पड़ता देख उग्रवादी घने जंगल की तरफ फरार हो गये। पुलिस ने इलाके में सर्च अभियान चलाया जहां से 1 एयर गन समेत कई सामान बारद किए हैं जिसमें , कंबल, मोबाइल टेंट सहित कई सामान हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मुठभेड़ में टीपीसी के टॉप कमांडर शशिकांत का दस्ता शामिल था।

एसपी चंदन कुमार सिन्हा ने नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ के

संबंध में बताया कि करीब 15 से 20 मिनट तक दोनों तरफ से गोलीबारी हुई। जब सुरक्षा बल नक्सलियों पर भारी पड़ने लगे तो वह जंगल का लाभ उठाकर भाग निकले. मुठभेड़ में जिला पुलिस के साथ-साथ सीआरपीएफ 134 बटालियन शामिल थी।

पुलिस- सीआरपीएफ को गुप्त सूचना मिली थी कि इस इलाके में टीएसपीसी के टॉप कमांडर शशिकांत का दस्ता देखा गया है। इस सूचना के बाद पुलिस ने तुरंत सर्च अभियान तेज कर दिया था। पुलिस को देख कर उग्रवादियों की ओर से फायरिंग शुरू कर दी गई.। जवाब में जिला पुलिस और सीआरपीएफ 134 बटालियन के जवानों ने डटकर उनका मुकाबला किया और 15 से 20 मिनट की मुठभेड़ में ही उग्रवादियों को खदेड़ दिया।

पुलिस अब भी इलाके में सर्च अभियान चला रही है। बताया जा रहा है कि इस अचानक हुए महले से नक्सली हैरान है और अपना सामान छोड़कर फरार हो गये हैं। दोनों ओर से 60 से 70 राउंड गोली चली है। पुलिस पूरे इलाके में तलाशी अभियान चला रही है। पुलिस सूत्रों ने दावा किया कि जल्द ही नक्सलियों को गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

3000 जूनियर डॉक्टर हड़ताल पर

ओपीडी-इमरजेंसी सेवाएं बाधित, स्वास्थ्य मंत्री ने बताया गलत

जगदलपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में गुरुवार से करीब 3000 जूनियर डॉक्टर हड़ताल पर चले गए हैं। रायपुर से बस्तर तक जूनियर डॉक्टर हाथों में पोस्टर लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके चलते ओपीडी के साथ ही इमरजेंसी सेवाएं भी बाधित हो गई हैं। सबसे बुरे हालात प्रदेश के बड़े अस्पतालों में हैं। बस्तर के सबसे बड़े अस्पताल डिमरापाल मेडिकल कॉलेज की स्थिति बिगड़ गई है। वहीं स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने डॉक्टरों की हड़ताल को गलत बताया है। उनका कहना है कि डॉक्टरों को वेतन के साथ इंसेंटिव भी दे रहे हैं।

प्रदेश में नौ मेडिकल कॉलेज हैं। जूनियर डॉक्टरों की इस हड़ताल में इन कॉलेजों के अस्पतालों में कार्यरत जूनियर डॉक्टर्स, इंटर्न, बॉंडेड डॉक्टर्स और मेडिकल कॉलेज के छात्र शामिल हैं।

गहलोत ने इशारों में पायलट की कोरोना से तुलना की

कर्मचारियों से बोले- कोविड के बाद एक और बड़ा कोरोना हमारी पार्टी में आया

जयपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच कोल्ड वॉर एक बार फिर से शुरू होती दिख रही है। कर्मचारी संगठनों के साथ सीएम गहलोत की बजट पूर्व हुई बातचीत का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें बिना पायलट का नाम लिए उन्होंने सियासी संकट और पायलट की तुलना कोरोना से कर दी। बुधवार को बातचीत के दौरान संविदा कर्मचारियों के नेता शमशेर भालू खान ने सीएम के नहीं मिलने की बात कही तो गहलोत ने बात काटते हुए कहा- आप ठीक कह रहे हो, मैं मिलने लगा हूं, पिछले सोमवार को मिला था। क्या हुआ कि पहले कोरोना आ गया। फिर एक बड़ा कोरोना और आ गया हमारी पार्टी के अंदर।

कभी उपचुनाव, कभी राज्यसभा चुनाव। राज्यसभा चुनाव में भी वोट कहीं पड़ रहा है हम कहीं हैं। बहुत खराब टाइम था। जो टाइम बीता है न, वह अलग तरह से बीता है। इसके बावजूद भी आपके सहयोग, आशीर्वाद, समर्थन और दुआओं से हम शानदार स्कीम लेकर आए हैं, उस कारण से सब बातें ढक गई हैं। अगर हमारे बजट अच्छे नहीं होते तो आप और हम जिस माहौल में बात कर रहे हैं, वह नहीं कर पाते।

फिर टूटा बयानबाजी का 'सीजफायर'

चार साल में हमारी बर्बादी हुई, दिन खराब हुए

गहलोत ने कर्मचारी नेताओं से कहा- चार साल में जो बर्बादी हुई है हमारी खुद की, जिस प्रकार से दिन खराब हुए हैं। मिलना नहीं, जुलना नहीं। कभी कोरोना से टाइम नहीं मिला। फिर मुझे तीन बार कोरोना हो गया। पोस्ट कोविड से फिर हार्ट का स्टेंट लग गया। मैं आप लोगों की शिकायत से सहमति रखता हूं। अब मैं मिलने लगा हूं। सोमवार को मिलता हूं और अगर जरूरी काम से बाहर चला गया तो आपको मिलने का समय बता दूंगा।

तीन दिन से पायलट भी हमलावर

पिछले तीन दिन से सचिन पायलट भी सभाओं में पेपर लीक को लेकर सरकार पर हमलावर हैं। पायलट ने बुधवार को झुंझुनूं के गुढ़ा में पेपर लीक में अफसर-नेताओं को सीएम की क्लीन चिट पर सवाल उठाए थे। पायलट ने कहा था- जब कोई नेता अफसर जिम्मेदार नहीं है तो तिजोरी से पेपर बाहर कैसे आ गया, यह तो जादूगरी हो गई, कोई तो जिम्मेदार होगा? इस बयान के कुछ देर बाद ही सीएम की प्री-बजट बैठक थी। इसमें गहलोत ने कर्मचारियों के सामने पार्टी के कोरोना का जिक्र कर दिया।

गहलोत-पायलट के बीच सियासी सीजफायर टूटा

कांग्रेस में अब पायलट-गहलोत के बीच विवाद और तेज होने के आसार बन गए हैं। सीएम अशोक गहलोत और सचिन पायलट खेमों के बीच राहुल गांधी की यात्रा के समय हुआ सीजफायर टूट गया है और अब फिर से सियासी कोल्ड वॉर की शुरुआत हो गई है।

सचिन पायलट की सभाओं से इसकी शुरुआत हो गई है। दोनों नेता अब एक दूसरे पर पलटवार करने लगे हैं। सियासी लड़ाई में अब नए-नए शब्द भी आने लगे हैं। राहुल गांधी की यात्रा से पहले गहलोत ने पायलट को गद्दार बताया था। अब ताजा पलटवार पर पायलट के रिस्पॉन्स का इंतजार है।

कर्मचारी नेता ने सुनाया शेर- 'सुना है दरबार में अशर्फियां बंटी, अफसोस.....'

संविदा कर्मचारियों के नेता शमशेर भालू ने सीएम से कहा - संविदा कर्मचारियों की मांगें कभी नहीं सुनी गई। एक शेर है - 'सुना है कल दरबार में अशर्फियां बंटीं थीं, अफसोस कि मैं दरवाजे पर एक रोटी के लिए खड़ा रहा।'

शमशेर ने कहा कि संविदाकर्मियों की मांगों के लिए हमने दांडी यात्रा की, धरने दिए, लेकिन अफसोस हमें कुछ हासिल नहीं हुआ। संविदाकर्मियों को कॉन्ट्रैक्चुअल सर्विस रूल लेने में भी गड़बड़ है। नियमित की जगह फिर संविदा पर रख दिया और उसमें भी पिछले काम का अनुभव नहीं जोड़ा। पुराने अनुभव को नहीं जोड़ना संविदाकर्मियों के पेट पर लात मारने जैसा है।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल का आगाज

पांच दिन साहित्य महाकुंभ में दिखेंगे अनेक भाषाओं के रंग

जयपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के 16वें संस्करण के उद्घाटन सत्र की शुरुआत शास्त्रीय गायिका सुषमा सोम और पुष्कर के नाथू लाल सोलंकी की प्रस्तुति से हुई। इस बार फेस्टिवल में देखने को मिलेगा 'ग्रीन कॉन्सेप्ट'।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के 16वें संस्करण का गुरुवार को यहां के होटल क्लार्क्स आमेर में आगाज हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत शास्त्रीय गायिका सुषमा सोम और पुष्कर के नाथू लाल सोलंकी की प्रस्तुति से हुई। पांच दिवसीय इस साहित्य महाकुंभ में अनेक भाषाओं के रंग देखने को मिलेंगे। पांच दिनों में कई संगीत और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। लिफाफा, पक्षी, रिदम्स ऑफ इंडिया, कबीर कैफे, शेडो एंड लाइट, पीटर कैट कंपनी जैसे बैंड्स की परफॉर्मेंस होगी। इस बार उत्सव महोत्सव की थीम पर लिटरेचर फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के प्रोड्यूसर संजय रॉय ने बताया कि इस बार ग्रीन कांसेप्ट पर फेस्टिवल का आयोजन किया गया है। इस बार किसी तरह के कार्ड आपको फेस्टिवल के दौरान दिखाई नहीं पड़ेंगे। फेस्टिवल में शामिल होने की व्यवस्था ऑनलाइन की गई है। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराने के बाद लोग केवल बारकोड दिखाकर फेस्टिवल में प्रवेश ले सकेंगे। फेस्टिवल में आने वाले लोगों के लिए लजीज व्यंजनों की व्यवस्था भी की गई है।

21 भारतीय और 14 अंतरराष्ट्रीय भाषाएं होंगी प्रस्तुत

जेएलएफ में इस बार 350 स्पीकर हिस्सा लेंगे। फेस्टिवल में इस बार 21 भारतीय और 14 अंतरराष्ट्रीय भाषाएं प्रस्तुत की जाएंगी। स्पीकर्स और पैनलिस्टों में 'टॉम्ब ऑफ सैंड'के लिए पिछले साल के अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार विजेता गीतांजलि, बुकर विजेता बर्नार्डिन एवरिस्टो के साथ गुलजार, नोबेल पुरस्कार विजेता अब्दुलराजक गुरनाह, शशि थरूर, आंचल मल्होत्रा, अमीष त्रिपाठी, सुधा मूर्ति, अश्विन सांघी, फिल्म निर्माता ओनिर और भारतीय खुफिया ब्यूरो के पूर्व विशेष निदेशक अमरजीत सिंह दुलत जैसे जाने-माने चेहरे शामिल रहेंगे।

किसानों को किराये पर ड्रोन देगी गहलोत सरकार

कृषि मंत्री बोले, 2 साल में 1500 ड्रोन कस्टम हायरिंग केंद्रों पर उपलब्ध कराए जाएंगे

जयपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। राज्य में गहलोत सरकार किसानों को खेतों में रसायनों के छिड़काव समेत अन्य फसलों की मॉनिटरिंग के लिए किराये पर ड्रोन देगी। इसके लिए सरकार अगले 2 साल में 1500 ड्रोन कस्टम हायरिंग केन्द्रों पर उपलब्ध करवाएगी। ड्रोन की उपयोगिता के लिए किसानों को जागरूक करने और उनके खेतों में लाइव डेमो देने के लिए ड्रोन निर्माता कंपनियों को 6 हजार रुपए प्रति हैक्टेयर तक का अनुदान भी देगी। यही नहीं ड्रोन बनाने में आने वाली लागत पर 40 प्रतिशत तक का भी अनुदान सरकार देगी, ताकि किसानों को सस्ती दरों पर ड्रोन किराये पर उपलब्ध हो सके।

कृषि विभाग की ओर से जयपुर के जोबनेर स्थित जोशीवास गांव में आयोजित राज्य स्तरीय ड्रोन तकनीकी का लाइव डेमोस्ट्रेशन

कार्यक्रम में कृषि मंत्री लालचंद कटारिया ने कहा कि प्रदेश के ऐसे किसान जो सीमित आय के कारण महंगे कृषि उपकरणों खरीद नहीं पाते उन्हें ड्रोन किराए पर दिए जाएंगे। इससे किसान कम लागत और कम समय में अपने खेतों में रसायनों का छिड़काव कर सके।

80 प्रतिशत होती है पानी की बचत

कृषि डिपार्टमेंट के कमिश्नर कानाराम ने बताया कि पारंपरिक तरीके से खेतों में छिड़काव के मुकाबले ड्रोन से छिड़काव में 80 प्रतिशत तक पानी की बचत होती है। खड़ी फसल में पोषक तत्वों की कमी का निर्धारण और उनकी पूर्ति ड्रोन के जरिए आसानी से की जा सकती है। उन्होंने कहा कि ड्रोन रसायन छिड़काव के साथ सिंचाई निगरानी, फसल स्वास्थ्य की निगरानी, मिट्टी का एनालिसिस, फसल नुकसान का आंकलन और टिड्डी नियंत्रण जैसे कार्यों को भी किया जा सकता है।

33 जिलों में ड्रोन से करवाया छिड़काव

कृषि में ड्रोन तकनीकी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने सभी 33 जिलों में इस लाइव डेमोस्ट्रेशन को करवाया है। हर जिले में कुल 20 हैक्टेयर क्षेत्र में ड्रोन प्रदर्शन कर रसायनों का छिड़काव करवाया गया। इसके तहत नैनो यूरिया के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए ड्रोन का उपयोग किया जा रहा है, जिससे यूरिया की कमी को पूरा किया जा सकेगा।

पाले से हुए नुकसान की गिरदावरी के दिए आदेश

कृषि मंत्री लालचंद कटारिया ने बताया कि हाल ही में तेज सर्दी से जिन एरिया में फसलों को पाला पड़ने से नुकसान हुआ है उसका सरकार आंकलन करवाएगी। इसके लिए सरकार ने गिरदावरी करवाने के आदेश दे दिए है। जैसे ही गिरदावरी की रिपोर्ट मिलेगी किसानों को नुकसान का भुगतान किया जाएगा।

फीडबैक लेने जिलों के दौरे पर जाएंगे प्रभारी मंत्री

योजनाओं की करेंगे समीक्षा, सीएम गहलोत भी आज से श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ के दौरे पर

जयपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। प्रदेश की कांग्रेस सरकार व पार्टी चुनावों की तैयारियों में जुट गई है। पहले पार्टी के स्तर पर ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्तियां हुईं और उसके तुरंत बाद 2 दिन तक राजधानी में चिंतन शिविर आयोजित किया। अब शिविर के समाप्त होते ही सरकार ने सभी जिलों का हाल जानने के लिए फील्ड में उतरने की तैयारी की है। गुरुवार और शुक्रवार दो दिन तक सभी मंत्री अपने प्रभार वाले जिलों में रहेंगे।

प्रभारी मंत्री जिलों का दौरा कर कांग्रेस पदाधिकारियों से बातचीत करेंगे और कलेक्टर-एसपी सहित विभिन्न विभागों की बैठकें भी लेंगे। 23 जनवरी से विधानसभा में बजट सत्र शुरू होगा। ऐसे में जिला प्रभारी मंत्रियों द्वारा दिए जाने वाला फीडबैक बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सीएम अशोक गहलोत ने चिंतन शिविर में ही सभी मंत्रियों को बजट घोषणाओं और फ्लैगशिप योजनाओं पर फोकस करने को कहा है। मंत्री सभी विभागों में चल रही योजनाओं की समीक्षा बैठकें भी करेंगे। इसकी रिपोर्ट वे 21-22 जनवरी को सीएम को सौंपेंगे। उसके बाद 23

चिंतन शिविर के बाद अब जिलों का फीडबैक लाएंगे मंत्री

जनवरी से विधानसभा में बजट सत्र शुरू होगा।

मंत्रियों को ठीक बजट सत्र से पहले जिलों में भेजने के पीछे सरकार की मंशा यही है कि अगर कोई बहुत बड़ी समस्या, मांग या जरूरत उस क्षेत्र में ऐसी हो जिस पर तुरंत ध्यान देना जरूरी हो तो उसके बारे में मंत्री सीएम को बता सकेंगे। बजट सत्र शुरू होने के करीब एक पखवाड़े के बाद सीएम बजट पेश करेंगे। ऐसे में मंत्रियों द्वारा बताया गया ताजा फीडबैक बजट में शामिल किया जा सकेगा।

मंत्रियों के दो दिवसीय जिलों के दौरों के बाद अगले महीने प्रभारी सचिवों (आईएएस अफसरों) का 2 दिवसीय दौरा भी प्रस्तावित है। अक्टूबर में मंत्रियों ने दौरा किया था, उसके बाद नवंबर में जिला प्रभारी सचिवों के रूप में आईएएस अफसरों ने दौरे किए थे। अब जनवरी में मंत्रियों का दौरा रहेगा और फरवरी के अंत तक अफसरों का। आईएएस अफसरों के दौरे बजट सत्र खत्म होने के तुरंत बाद शुरू होंगे।

सीएम गहलोत करेंगे श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ का दौरा

सीएम गहलोत 19 और 20 जनवरी को श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ जिलों का दौरा करेंगे। वे वहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे। उनके साथ कांग्रेस के राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा भी रहेंगे। इस क्षेत्र में एक दिन पहले ही पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने किसान सम्मेलन को संबोधित किया था। पायलट ने तब नागौर और इन जिलों में किसानों की समस्याओं और पेपर लीक प्रकरण में सरगनाओं को पकड़ने संबंधी बयान दिए थे।

जिलों में प्रभारी मंत्रियों को कार्यकर्ता सुना सकते हैं खरी-खोटी

जिलों में जाने वाले प्रभारी मंत्रियों के सामने कांग्रेस कार्यकर्ता इस बार बहुत सी समस्याएं रख सकते हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि मंत्रियों का संभवतः यह आखरी दौरा हो। बजट सत्र के बाद प्रदेश में चुनावी चौसर बिछनी शुरू हो जाएगी। बहुत से जिलों में अध्यक्षों की नियुक्तियां नहीं होने सहित 13-14 यूआईटी में चेयरमैन के पदों पर अब तक राजनीतिक नियुक्तियां नहीं होने का मुद्दा भी प्रभारी मंत्रियों के सामने उठना तय ही है। हाल ही जयपुर में ब्लॉक अध्यक्षों की मीटिंग में भी यह मामले उठे थे।

गुढ़ा बोले- 200 में से 21 लाने वाला पास कैसे?

नौजवान चाहता है, राजस्थान की तकदीर का फैसला पायलट करें

झुंझुनूं, 19 जनवरी (एजेंसियां)। झुंझुनूं जिले के गुढ़ा में हुए किसान सम्मेलन में बुधवार को सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाने का मुद्दा छाया रहा। सचिन पायलट समर्थक नेताओं ने सीएम अशोक गहलोत को निशाने पर लेने के साथ पायलट को मुख्यमंत्री बनाने की खुलकर मांग उठाई। पायलट समर्थक मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने गहलोत पर हमला बोलते हुए कहा- 100 में से 21 नंबर लाए वह फेल हो जाता है, जो 200 में से 21 लाए फिर भी वह पास। जो 21 सीट को 100 में बदल दे, वह निकम्मा कैसे हो गया? हम यह कैसे भूलें? गुढ़ा ने कहा- नौजवान हाईकमान के फैसले का इंतजार कर रहा है। जो बच्चा पहली बार वोटिंग करेगा, वह भी और जिसका वोटर लिस्ट में नाम तक नहीं है वह भी पूछ रहा है कि पायलट साहब सीएम कब बन रहे हैं? जब जब सत्ता के गलियारों में अन्याय होता है। जनता के बीच उस व्यक्ति के प्रति साख-इज्जत बढ़ती है। राजस्थान का नौजवान चाहता है कि राजस्थान की तकदीर का फैसला पायलट करें।

उठने लगी मांग पायलट CM कब बनेंगे?

गुढ़ा ने कहा- राजा राम का राजतिलक होने के बाद उन्हें 14 साल का वनवास दिया गया तो जनता के मन में यह बैठ गया कि राम के साथ अन्याय हुआ। हस्तिनापुर में द्रौपदी का चीरहरण हुआ तो जनता के मन हुआ कि द्रौपदी और पांडवों के साथ अन्याय हुआ। जिस जिसके साथ सत्ता ने अत्याचार किए हैं, वह जनता की सहानुभूति का पात्र बना है।

एससी आयोग के अध्यक्ष और बसेड़ी विधायक खिलाड़ीलाल बैरवा ने खुलकर सचिन पायलट को सीएम बनाने की मांग उठाई। बैरवा ने कहा- सचिन पायलट को कमान मिल गई तो 40 सीटें तो मध्य प्रदेश में बढ़ जाएंगी। जहां भी जाते हैं लोग पूछते हैं। पायलट की ताजपोशी कब होगी? हम जनता को जवाब देते हैं कि आप चिंता मत कीजिए। हाईकमान जल्द फैसला करेगा। हाईकमान सब देख रहा है। भारत जोड़ो यात्रा भी हो गई। चुनाव में अब 10 महीने रह गए हैं। चूक गए तो राजस्थान माफ नहीं करेगा। सचिन पायलट के सीएम बनने से ही राजस्थान में सरकार बनने वाली है, नहीं तो कांग्रेस की सरकार नहीं आएगी। पायलट की ताजपोशी तो जनता करेगी। परिवहन मंत्री बजेंद्र सिंह ओला ने कहा- जब 2013 में कांग्रेस की हार हुई तो कहा जाने लगा था कि अब 25 साल तक भूल जाओ। कांग्रेस की सरकार नहीं आने वाली है। सचिन पायलट ने प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद हर जिले में ग्राउंड तक जाकर लोगों को जोड़ा। सारे राजस्थान में कोई क्षेत्र ऐसा नहीं था, जिसमें पायलट नहीं गए हों। हम सबने उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया। पायलट साहब ने संघर्ष किया। उसी का फल भोग रहे हैं।

पायलट के संघर्ष से ही राजस्थान में कांग्रेस की सरकार बनी। पायलट के हाथ मजबूत करने जरूरी हैं। राजस्थान में कांग्रेस की सरकार फिर से बनाने के लिए पायलट जुटे हैं। राजस्थान में कांग्रेस की सरकार नहीं बनी तो देश में पार्टी की हालत बहुत दयनीय हो जाएगी। वन मंत्री हेमाराम चौधरी ने कहा- जनता ने तय कर लिया है कि पायलट का साथ देना है। जनता तय कर लेती है, उसे कोई रोक नहीं सकता। मैं कोई नया आदमी नहीं हूं। लोगों के चेहरे देखकर पता लग जाता है कि वे चाहते क्या हैं? किसान सम्मेलन में 36 कौम के लोग हैं।

किसानों को जाति के नाम पर बांध दिया जाता है। खेत में काम करने वाले की एक ही जाति होती है। आज बिजली के क्या हालत हैं? हमारे पास किसानों के फोन आते हैं। हमारे पास जवाब नहीं

प्रॉपर्टी डीलर ने क्यों करवाई साले की हत्या

ससुराल से भागी बहन ननद की मदद बनी वजह

पाली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। प्रॉपर्टी डीलर भवानी सिंह राजपुरोहित की 22 साल की पत्नी और बहन ने बनाए हैं। अपने परिवार के जुल्मों से तंग आकर दोनों घर से भाग गईं और ये वीडियो बनाए। पुलिस और समाज से बचाने की अपील करती रही।

32 साल के बिजनेसमैन चचेरे भाई कुलदीप ने इस मामले में दोनों का साथ दिया। 15 जनवरी को महिला के पति और कुछ बदमाशों ने उसका अपहरण कर हत्या कर दी। हत्या के बाद पुलिस और प्रशासन आमजन के निशाने पर है। इस हाई प्रोफाइल मर्डर में कई अनसुलझे सवाल हैं। दैनिक भास्कर ने पूरे मामले की पड़ताल की तो कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। कुलदीप की चचेरी बहन और उसकी ननद पति और ससुराल वालों के जुल्मों से तंग आ चुकी थीं। महिला की ननद ने अपनी भाभी का साथ दिया तो परिवार वालों ने उस पर भी जुल्म ढहाने शुरू कर दिए। आखिर में दोनों भाभी और ननद घर से भाग गईं। अब बहन और ननद अकेली रह रही हैं और उन्हें डर है कि कहीं उनकी भी हत्या कर दी न जाए। भास्कर पड़ताल में पुलिस की लापरवाही भी सामने आई। व्यापारी की हत्या में जोधपुर की एक गैंग के शामिल होने की भी बात सामने आ रही है। कुलदीप की बहन का कहना है कि उसने परिवार वालों के खिलाफ जाकर भवानी सिंह से शादी की थी। 3 शादी साल तक रही। शादी के बाद कुछ महीनों तक भवानी ने अच्छे से रखा। फिर छोटी-छोटी बात पर परेशान करने लगा। सब्जी में नमक कम होने पर भी सीधा थप्पड़ मार देता था। मारपीट के अलावा वो कई तरह के अत्याचार करता था।

जयपुर में 3 महीने की प्रेग्नेंट महिला की हत्या !

महिला ने दूसरी शादी की थी, भाई बोलाः गला घोंटकर फंदे से लटकाया

जयपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर जयपुर में दहेज के लालच में एक प्रेग्नेंट महिला की हत्या का मामला सामने आया है। ससुराल वालों का कहना है कि महिला ने फंदे पर झूल कर सुसाइड कर लियाा। जबकि मृतका के भाई का कहना है कि उसकी बहन की ये दूसरी शादी थी। पति समेत ससुराल वालों ने हत्या कर फंदे से लटका दिया है। मामला जयसिंहपुरा खोर थाने में बुधवार दोपहर 2 बजे का है।

मृतका के पिता जगदीश की ओर से गुरुवार को ससुराल वालों के खिलाफ हत्या का भी मामला दर्ज करवाया गया है। पुलिस ने एफएसएल टीम की मदद से मौके से सबूत जुटाए है। गुरुवार दोपहर एसएमएस हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

पुलिस ने बताया कि मृतका सोनू सैनी (24) पुत्री जगदीश टीला नंबर-1 जवाहर नगर की रहने वाली थी। जुलाई 2022 में उसकी शादी रामगढ़ रोड जयसिंहपुरा खोर निवासी मदन सैनी से हुई थी। पति मदन सेनेटरी फिटिंग का काम करता है।

सुसराल में रह रही सोनू तीन महीने की प्रेग्नेंट थी। बुधवार सुबह करीब 10 बजे पति सहित ससुराल वाले खेत पर काम करने चले गए। पीछे से सोनू ने अपने कमरे में फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। दोपहर करीब 2 बजे घर लौटने पर सोनू का शव कमरे में लटका मिला। फंदे से उतारकर शव को बेड पर रखा गया। पुलिस ने मृतका के पास किसी प्रकार का सुसाइड नोट मिलने की बात से इंकार किया है।

मृतका के भाई मनीष सैनी ने बताया कि सोनू की ये दूसरी शादी थी। पहले पति से उसके तीन साल का बेटा पार्थिक है। पहले पति से तलाक के बाद जुलाई 2022 में सोनू की दूसरी शादी मदन से हुई। शादी के 6 महीने तक तो सब कुछ सही रहा। इसके बाद पति मदन पहले बेटे को छोड़ने का दबाव बनाने लगा। बहन से कहता था कि उसे अपने बाप के यहां छोड़ आ। मैं तुझे खुश रखुंगा। मदन की बात मानकर हम सब परिवारवालों ने बच्चे पार्थिक को अपने पास रख लिया था। एक महीने से पार्थिक को छोड़ने के बाद भी ससुरालवाले उसे मानसिक और शारीरिक प्रताड़ित कर रहे थे। उससे बार-बार दहेज के रूप में अपने घरवालों से पैसे मांगने का दबाव बना रहे थे।

मृतका के भाई मनीष का कहना है कि उसकी बहन सोनू की ससुरालवालों ने हत्या की है। गला घोंटकर सोनू की हत्या की। इसके बाद सुसाइड दिखाने के लिए फंदा लगाकर लटका दिया। शव लटकाने के दौरान मुंह से झाग निकलने पर उसे दोबारा नीचे उतार लिया। सोनू की लाश को बेड पर रख दिया। मृतका के पिता जगदीश ने बेटी के ससुराल वालों पति समेत सास-ससुर और ननद के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज करवाया है।

बस का कंडक्टर नाबालिग को लेकर गया था मावली

नाबालिग को तीन शहरों में लेकर घूमते रहे, फिर बस स्टैंड पर छोड़ भागे

राजसमंद, 19 जनवरी (एजेंसियां)। राजसमंद में नाबालिग के किडनैपिंग और गैंगरेप के मामले में कई चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। आरोपी नाबालिग को 5 दिन तक उदयपुर और मावली के धर्मशाल और होटल में लेकर घूमते रहे। इतना ही नहीं नाबालिग को रोडवेज बस का कंडेक्टर ही मावली लेकर गया था, जहां उसके साथ गैंग रेप हुआ।

राजसमंद एएसपी शिव लाल बैरवा ने बताया कि पीड़िता के पिता ने केलवाड़ा थाने में 5 जनवरी को रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। उन्होंने बताया कि 4 जनवरी को उसकी 12 साल की बेटी घर से निकली थी। इसके बाद वो शाम तक घर नहीं लौटी तो वह थाने पहुंचे। इधर, पुलिस ने तलाश शुरू की तो 10 जनवरी को बच्ची उदयपुर में लावारिस हालात में मिली। जब बयान लिए तो बच्ची ने बताया कि उसके साथ गैंगरेप हुआ है। पुलिस सूत्रों के अनुसार 4 जनवरी को किशोरी को को केलवाडा से उदयपुर ले जाया गया था। किशोरी शाम 5 बजे उदयपुर बस स्टैंड पहुंची, जहां से वो अकेली ही चित्तौड़गढ़ गई थी। चित्तौड़गढ़ में रात बिताने के बाद 5 जनवरी को किशोरी दोबारा उदयपुर पहुंची। उदयपुर बस स्टैंड जब उतरी को एक ऑटो वाला उसे धर्मशाला ले गया, जहां उसके साथ रेप किया गया।

जेएनएएफएयू का चौथा दीक्षांत समारोह आयोजित

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जवाहरलाल नेहरू आर्किटेक्चर एंड फाइन आर्ट्स यूनिवर्सिटी (जेएनएएफएयू) का चौथा दीक्षांत समारोह गुरुवार को आयोजित किया गया। दीक्षांत समारोह तीन शैक्षणिक वर्षों 2019-20, 2020-2021 और 2021-2022 के लिए आयोजित किया गया।

डॉ. बी.एस. मूर्ति, निदेशक, आईआईटी हैदराबाद, मुख्य अतिथि थे। दीक्षांत समारोह के दौरान छह पीएचडी, 114 स्वर्ण पदक और 612 अन्य डिग्रियों को प्रदान किया जाएगा। 331 पीजी डिग्रियां और 4456 अंडरग्रेजुएट डिग्रियां, कुल मिलाकर 4793 डिग्रियां प्रदान की जाएंगी। वास्तुकला और संरक्षण के क्षेत्र में उनके योगदान की मान्यता में प्रसिद्ध और प्रसिद्ध वास्तुकार और संरक्षण विशेषज्ञ, आर्किटेक्ट बृंदा सोमाया को डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी, मानद कौसा से सम्मानित किया गया। तेलंगाना की राज्यपाल व विश्वविद्यालय की चांसलर डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन ने पुडुचेरी से लाइव शामिल हुईं और सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर बोलते हुए, राज्यपाल ने व्यक्तिगत रूप से शामिल नहीं होने में असमर्थता व्यक्त की। दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. बीएस मूर्ति ने कहा कि हर किसी के जीवन में जुनून होना चाहिए। जीवन में सफल होने के लिए जुनून के साथ जीवन का पीछा करें। हम अपने छात्रों को समस्याओं की पहचान करने और समाधान विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए आईआईटी हैदराबाद में कई पहल करते हैं। इसी प्रयास के तहत हमने एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के साथ सहयोग किया है। डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए वास्तुकार बृंदा सोमाया ने कहा कि सभ्यता जैसी वास्तुकला गतिशील और विकासशील है।

अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट भवन के लिए भूमि पूजन पर विचार-विमर्श

अग्रबंधुओं से 25 जनवरी को भूमि पूजन कार्यक्रम में उपस्थित रहने का आग्रह

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट को तेलंगाना सरकार द्वारा उप्पल में भवन निर्माण के लिए दी कई तीन एकड़ जमीन पर भवन निर्माण कार्य शुरू करने के संदर्भ में आज पुनः एक बैठक आयोजित की गई। इसमें अग्रवाल समाज तेलंगाना के सभी पूर्व अध्यक्ष, वर्तमान केन्द्रीय समिति के पदाधिकारियों, वर्तमान सभी शाखा पदाधिकारियों एवं वर्तमान केन्द्रीय समिति सदस्यों ने भाग लिया।

गौरतलब है कि अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट को सरकार द्वारा आवंटित भूमि पर विशाल भवन बनाने हेतु 25 जनवरी को सुबह 11 बजे उप्पल में भूमि पूजन होगा। सभा में विशिष्ट अग्रबन्धुओं ने अपने-अपने विचार प्रस्तुत किये। अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट के चेयरमैन करोडीमल अग्रवाल ने आये सभी सस्थाओं के पदाधिकारियों एवं विशिष्ट अग्रबन्धुओं का स्वागत किया। मैनेजिंग ट्रस्टी राजेश अग्रवाल ने भूमि एवं प्रस्तावित भवन के विषय में विस्तृत जानकारी दी एवं सभी से अपने सुझाव के लिए आमंत्रित किया। अग्रबन्धुओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए इस बात पर हर्ष व्यक्त किया। सभी अग्रबन्धुओं को इस अवसर पर 25 जनवरी को उप्पल पधारने के लिए आह्वान किया। विशेषकी बद्रीविशाल बंसल, सुरेश कुमार अग्रवाल, प्रमोद कुमार केडिया, वेदप्रकाश अग्रवाल, प्रताप नारायण संघी, सुरेश जालानी, अंजनी कुमार अग्रवाल ने अपने विचार रखे। सभी उपस्थित संस्थाओं के पदाधिकारियों ने आश्वासन दिया कि इस भूमि पुजन कार्यक्रम को सभी सदस्यों सहित उपस्थित रहकर कार्यक्रम की शोभा बढायेंगे। इस अवसर पर गोपाल मोर, नवीन अग्रवाल, विजयकुमार अग्रवाल आदि की महत्ती उपस्थिति रही।

बैठक में अग्रवाल समाज बन्धुओं द्वारा संचालित संस्थाएँ अग्रवाल शिक्षा समिति, अग्रसेन बैंक, अग्रोहा बैंक, श्री श्याम मन्दिर सेवा समिति, श्रीकृष्ण गौशाला मंडल, रानी सती दादी मंदिर (घासी बाजार), सालासर हनुमान मन्दिर, पहाड़ी हनुमान मंदिर, अग्रसेन भवन, अग्रवाल मानव सेवा मंच, अग्रवाल सेवा दल, हरियाणा नागरिक संघ, अभा अग्रवाल सम्मेलन, श्री गोपाल गौशाला, श्री श्याम सत्संग समिति, झुंझुनू प्रगति संघ भाग्यनगर गौशाला सदन के अलावा अग्रवाल बंधुओं द्वारा संचालित अन्य संस्थाओं के पदाधिकारियों ने भाग लिया। एक दूसरी विशेष बैठक गुरुवार 19 जनवरी को सायं 5 बजे से आयोजित की जायेगी। बैठक में उपस्थित समाज बन्धुओं को भवन निर्माण से संबंधित विस्तृत जानकारी दी जायेगी।

बड़ी फ्लॉप रही बीआरएस की जनसभा : बंडी

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने आज खम्मम जिले में बुधवार की जनसभा को बड़ी फ्लॉप बताया। उन्होंने मजाक उड़ाया कि केसीआर ने केरल, दिल्ली और पंजाब के मुख्यमंत्रियों को यह बताने के लिए आमंत्रित किया कि वह मंदिरों का निर्माण करके कैसे व्यापार कर रहे हैं? यह कहते हुए कि सीएम केसीआर ने श्रीलंका, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देशों के बारे में बात की, उन्होंने दावा किया कि तीनों देश अब वित्तीय संकट का सामना कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कृष्णा और गोदावरी नदियों में तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के बीच अंतरराज्यीय जल विवादों को हल करने में विफल रहने वाले मुख्यमंत्री ने अपने सार्वजनिक संबोधन में देश की सिंचाई नीति के बारे में बात की। केसीआर द्वारा केंद्र सरकार की अग्निपथ योजना पर की गई टिप्पणियों की आलोचना करते हुए, संजय ने आरोप लगाया कि सीएम एसआई और पुलिस कांस्टेबल पदों के हजारों उम्मीदवारों की समस्याओं को हल करने में विफल रहे हैं और उन्हें अग्निपथ योजना के बारे में बात करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री, जो अपने पहले मंत्रिमंडल में एक महिला को शामिल करने में विफल रहे, अब देश की महिलाओं को विधायी निकायों में 35 प्रतिशत आरक्षण देने का वादा कर रहे हैं। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा केंद्र सरकार की आलोचना करने के लिए अपनी जनसभा की थी।

अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए काचीगुडा-तिरुपति के बीच विशेष ट्रेनें

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को क्लियर करने के लिए,दक्षिण मध्य रेलवेकाचेगुडा-तिरुपति के बीच विशेष ट्रेनें चलाएगा। तदनुसार, 07797 काचीगुडा-तिरुपति का परिचालन 20 जनवरी को और 07798 तिरुपति-काचीगुड़ा का संचालन 21 जनवरी को होगा।

मार्ग में ये विशेष ट्रेनें उम्दानगर, शादनगर, जदचेरला, महबूबनगर, वानापार्थी रोड, गडवाल, कुरनूल सिटी, ढोने, गूटी, ताडीपत्री, येर्रागुंटला, कडप्पा, राजमपेट और रेनिगुंटा स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में रुकेंगी।

अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी अधिवेशन में डॉ सुरभि दत्त 'सहोदरी रत्न' व अन्य 'सोहोदरी सम्मान' से सम्मानित

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के भाषा सहोदरी हिन्दी न्यास के साथ मॉरीशस के महात्मा गांधी संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से मॉरीशस में आयोजित नवें अंतरराष्ट्रीय हिंदी अधिवेशन में नगर के कई विशिष्ट हिंदी प्रेमियों ने भाग लिया। अधिवेशन का उद्घाटन मॉरीशस के राष्ट्रपति पृथ्वीराज सिंह रूपन द्वारा किया गया। इसमें भाग लेने के लिए भारत के 24 राज्यों से शिक्षकों, साहित्यकारों का प्रतिनिधि मंडल पहुंचा।

अमेरिका, कनडा, नेपाल, यूएई आदि 6 देशों के प्रतिनिधियों सहित 127 लोग उपस्थिति हुए। जयकांत मिश्र ने सभी महानुभावों का स्वागत करते हुए अधिवेशन में सम्मिलित होने के लिए आभार अभिव्यक्त किया। राष्ट्रपति ने हिंदी के प्रचार प्रसार के साथ-साथ भारतीय संस्कृति के विस्तार पर बल दिया और साथ ही गदगद हृदय से भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा असीम सहयोग और कोरोना काल में भेजी गई स्वास्थ सुविधाओं के प्रति कृतज्ञता प्रकट की । इस अवसर पर महात्मा गांधी संस्थान एवं रवींद्रनाथ टैगोर इंस्टीट्यूट के महानिदेशक राजकुमार रामप्रताप, अध्यक्ष प्रेमलाल महादेव ने मारिशस में भारतीय संस्कृति हिन्दी भाषा और साहित्य पर बहुमूल्य विचार रखे।

मॉरीशस से अनेक सजीव उपन्यासों के लेखक वरेण्य साहित्यकार प्रोफेसर रामदेव धुरंधर, साहित्यकार ब्रह्मदेव, रजिस्ट्रार उमा देवी कोलेस्सर ने मारिशस के इतिहास और वर्तमान पर विहंगम प्रकाश डाला । उत्साह वर्धक बात यह रही कि सभी अतिथि सम्माननीय वक्ताओं ने शुद्ध हिन्दी में संबोधन दिया। सभी ने आशा हिन्दी विश्वास से कहा कि हिन्दी अवश्य ही भारत की राष्ट्र भाषा और राष्ट्र संघ की आधिकारिक भाषा बनेगी। इस अवसर पर तेलंगाना प्रदेश हिन्दी महाविद्यालय कार्यकारिणी सदस्य तथा तेलंगाना होटलस एण्ड रेस्टोरेंट एसोसिएशन आफ तेलंगाना स्टेट के वाइस प्रेसिडेंट प्रदीप कुमार दत्त, फ़ीनिक्स ग्रीन्स के हिंदी विभागाध्यक्ष सुनील दुबे, हिन्दी महाविद्यालय की एसोसिएट प्रोफेसर एवं पूर्व उप प्राचार्य डॉ. सुरभि दत्त, असिस्टेंट प्रोफेसर शासकीय महिला महाविद्यालय नलगोंडा डॉ. अपर्णा चतुर्वेदी तथा स्टेनली की प्राध्यापिका डॉ. प्रेमलता ने हैदराबाद का प्रतिनिधित्व किया और प्रपत्र प्रस्तुत किये। डॉ सुरभि दत्त को सहोदरी' रत्न एवं अन्य प्रतिभागियों को 'सहोदरी' सम्मान से सम्मानित किया गया। छात्रों के मध्य शोध को प्रेरित करने के लक्ष्य हेतु पुस्तकें आमंत्रित किये जाने पर भारत के लगभग पंद्रह लेखकों ने महात्मा गांधी संस्थान के पुस्तकालय को पुस्तकें भेंट की। पुस्तक प्रदाताओं को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। डॉ सुरभि दत्त ने अपनी पांच पुस्तकें भेंट की।

शिक्षा के क्षेत्र में बौद्धिक ज्ञान का आदान-प्रदान जरूरी : डॉ. अविनाश

हिन्दी महाविद्यालय में क्लस्टर की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के पहले निजी कॉलेजों के क्लस्टर की बैठक हिन्दी महाविद्यालय में संपन्न हुई, जिसमें बद्रुका शिक्षा समिति, विवेक वर्धनी शिक्षा समिति अग्रवाल शिक्षा समिति, मारवाडी शिक्षा समिति के संबद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्यों एवं प्रतिनिधियों ने भाग लिया। अग्रवाल शिक्षा समिति की ओर से एस.डी. सिगनोडिया के प्राचार्य डॉ. सी.एच.दलपड़े, मारवाड़ी शिक्षा समिति की ओर से एस.आर. पटवारी, पी.जी. कॉलेज की श्रीमती वी. राधिका, आर.जी. केडिया कॉलेज ऑफ कामर्स के प्राचार्य डॉ. के. श्रीहरी, एम.एस.एस. लॉ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. डी.वी.एन. प्रदीप, आर.जी. केडिया पी.जी. कॉलेज के प्राचार्य डॉ. श्रीनिवास कुलदीपराय, बद्रुका शिक्षा समिति की ओर से बद्रुका कॉलेज ऑफ आर्टस एंड कामर्स के प्राचार्य डॉ. बी. मोहन कुमार, बंकटलाल बद्रुका कॉलेज ऑफ आई.टी. के प्राचार्य डॉ.डी.वी.एन. एस. मूर्ति, वी.वी. कॉलेज की ओर से प्राचार्य डॉ. विद्याधर ने उनकी शिक्षा समितियों का प्रतिनिधित्व किया। हिन्दी महाविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित इस बैठक में प्राचार्य डॉ. अविनाश जायसवाल, उप-प्राचार्य श्रीमती अश्विनी सनपूरकर एवं डॉ. बी.श्रीदेवी ने हिन्दी महाविद्यालय समिति का प्रतिनिधित्व किया। हिन्दी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अविनाश जायसवाल ने क्लस्टर ऑफ कॉलेस के गठन की आवश्यकता एवं महत्व के संबंध बताते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बौद्धिक ज्ञान के आदान-प्रदान का आयत ही महत्वपूर्ण स्थान है एवं क्लस्टर ऑफ कालेजेस के गठन से इन महाविद्यालयों के बौद्धिक ज्ञान के आदान-प्रदान का अत्यंत महत्वपूर्ण एवं सुगम माध्यम है। उन्होंने तकनीकी रूप से इसके संबंध में स्पष्ट किया है कि अभी ये क्लस्टर अंकुरित हुआ है, इसके पल्लवन एवं पुष्पन में समय लगेगा। हिन्दी विद्यालय की उपप्रचार्य डॉ. बी. श्रीदेवी ने अतिथियों का स्वागत किया एवं बैठक का संचालन उपप्राचार्य श्रीमती अश्विनी सनपूरकर द्वारा किया गया।

बीआरएस पार्टी की जनसभा में खम्मम के विकास का कोई एजेंडा नहीं : भट्टी

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम जिले में सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा आयोजित जनसभा को लेकर मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव पर निशाना साधते हुए सीएलपी नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने आज कहा कि बैठक में खम्मम जिले के विकास के लिए कोई एजेंडा नहीं है। उन्होंने कहा कि यह निराशाजनक है कि मुख्यमंत्री ने जिले के लोगों द्वारा उठाये गये मुद्दों पर कोई बयान नहीं दिया. उन्होंने कहा कि सीएम द्वारा खम्मम जिले के आदिवासियों सहित राज्य के आदिवासियों द्वारा सामना किए जा रहे पोडू भूमि के मुद्दों का कोई उल्लेख नहीं है। उन्होंने कहा कि सीएम ने उनके अनुरोध के बावजूद अपने संबोधन में अविभाजित खम्मम जिले में एक विश्वविद्यालय की स्थापना पर कोई बयान नहीं दिया और कहा कि सीएम ने बेघर गरीब लोगों के लिए डबल बेडरूम घरों के निर्माण के बारे में भी बात नहीं की और अपने जिले के पत्रकार उन्होंने कहा कि सीएम ने उनके जिले में बय्याराम स्टील फैक्ट्री की स्थापना की बात नहीं की।

आबिडस में आयोजित एक कार्यक्रम में इंस्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया, हैदराबाद चैप्टर के नवनिर्वाचित मंत्री सीएस मंजीत बूचा, प्रबंध समिति सदस्य सीएस शिल्पा बंग गुप्ता, सीएस पवन कांकाणी का तेलंगाना प्रादेशिक मारवाडी सम्मेलन की ओर से अभिनन्दन करते हुए अध्यक्ष रमेश कुमार बंग, मंत्री रामप्रकाश भण्डारी, सीएस द्वारका असावा, सीए संदीप झंवर, सीए अमित झँवर, प्रकाश नारायण राठी, अनिरुद्ध कांकाणी, जितेन्द्र विजयवर्गीय एवं सुमेश कुमार बंग।

तरुपति वी.कोटा स्थित श्री आईमाता मंदिर में सीरवी समाज कोरेमुला पूर्व अध्यक्ष प्रभुराम परिहारियां का सम्मानकर पूजा-अर्चना कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष पूनाराम काग, सचिव रतनलाल सनपुरा, लाबुराम, अशोक राठौड़, तेजाराम परिहारियां, मूलाराम, तेजाराम सीरवी व अन्य।

पटनचेरु में व्यापारी के घर में चोरी

संगारेड्डी, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पटनचेरु थाना क्षेत्र के इसनापुर की तेजा कॉलोनी में अज्ञात चोरों ने एक घर से 10 लाख रुपये और सोने के गहने चुरा लिए।

इंसनापुर इलाके में कारोबार करने वाले मकान मालिक गोपीचंद राजू के मुताबिक वह घर में ताला लगाकर गुंटूर में परिवार के साथ संक्रांति मनाने के लिए निकला था. गुरुवार की सुबह जब वह घर लौटा तो दरवाजा खुला पाया। गोपीचंद को अलमारी से नकदी और तीन तोले सोने के गहने भी गायब मिले। एक शिकायत के बाद, पटानचेरु पुलिस ने मामला दर्ज किया और जांच कर रही है।

सीएम केसीआर की हर योजना से लोगों में प्रसन्नता : बिलाल

गोशामहल विस के विभिन्न क्षेत्रों में कंटी वेलुगु शिविर शुरू

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के लोगों को अंधत्व से निजात दिलाने के लिए सीएम केसीआर के दिमाग की उपज योजना कंटी वेलुगु के दूसरे चरण के शुभारंभ पर गोशामहल विधानसभा मंडल में विभिन्न केंद्रों पर नेत्र जांच शिविर लगाये गये। बीआरएस के स्थानीय वरिष्ठ नेता नंद किशोर व्यास बिलाल ने कई स्थानों पर जांच शिविर का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में श्री बिलाल ने कहा कि ईश्वर प्रदत्त प्राकृतिक सुंदरता का आनंद हम नेत्र के माध्यम से ही ले सकते हैं। अतः सभी को अपने-अपने नेत्र को सुरक्षित रखने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि सीएम केसीआर की हर योजना चाहे व कंटी वेलुगु हो या फिर रैतु बंधु हो, हर योजना से लोगों में भारी प्रसन्नता है। इस अवसर पर मंगलहाट की पूर्व पार्षद परमेश्वरी सिंह लोधे, शकर सिंह जमीदार लोधे, विनोद यादव और बीआरएस नेता शैलेश कुर्मा, प्रदीप राज, अनिल राव, शशिराज सिंह, संदीप गौड़, कृष्णा जी, साईं कुमार राम, ए.रवि गिरी, अरुणा, लता और अन्य शामिल रहे।

विवेकानंद जयंती के समापन समारोह में राष्ट्रीय एकता पुरस्कार प्रदत्त

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बुद्धिजीवी मंच ने स्वामी विवेकानंद की 160वीं जयंती का समापन समारोह तेलंगाना सरस्वती परिषद सभागार बोग्गुलाकुंटा एबिड्स में आयोजित किया। इस अवसर पर तेलंगाना राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति जी. चंद्रैया ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। एमसीआर एमएचआरडी के अतिरिक्त महानिदेशक डॉ. ए. अशोक (सेवानिवृत्त) ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का भारत के उदय की अनिवार्यता के साथ-साथ भारतीय युवाओं की शक्ति, नवाचार और दृढ़ संकल्प में गहरा विश्वास था। इसलिए उन्होंने युवाओं से उनके पदचिन्हों पर चलने की अपील की ताकि सभी अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें। मंच के अध्यक्ष डॉ. राजनारायण मुदिराज ने सभा में स्वागत किया और छात्रों और युवाओं से राष्ट्र निर्माण के लिए काम करने और देश को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय एकता की अपील की। इस अवसर पर टीआईएफ ने डॉ. चिन्नाला वेंकटेश्वरलू, कैप्टन डॉक्टर टीपी सिंह, सन्निधानम कृष्ण शर्मा, डॉ सरिता, वी. प्रभाकर राव, रामानंदम वेंकटेश्वर राव, सदमाला रेड्डी, लक्ष्मण कुमार, रामानंदम वीरभद्र राव को राष्ट्रीय एकता पुरस्कार 2023 प्रदान किया।

महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बोंदिली राजपूत वेलफेयर एसोसिएशन, तेलंगाना प्रदेश की ओर से आज महाराणा प्रताप सिंह जी की प्रतिमा पर ठाकुर रंजीत सिंह, उपाध्यक्ष ने पूजा अर्चना कर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर महेश बैंक के निदेशक व समाजसेवी गोविन्द नारायण राठी ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और महाराणा प्रताप की जीवनी पर प्रकाश डाला। प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर रामेश्वर सिंह बैस की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। वे अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि महाराणा प्रताप सिंह जी की यह 426वीं बलिदान दिवस है और उन्हें कोटी कोटी नमन करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर ठाकुर कमल सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, रंजीत देवी सिंह, ठाकुर गजेंदर सिंह चौहान, संघठन मंत्री, शैलेंदर सिंह, के.राजेश सिंह, ट्रस्टी, क्षत्रिय राजपूत ट्रस्ट बोर्ड, गणेश सिंह, राजेन्द्र सिंह, मनोज देवी सिंह, विश्वजीत सिंह राजपूत, विनय सिंह सन्नी और अन्य लोगों ने महाराणा प्रताप सिंह जी कि प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित किए।

श्री रामलिंगेश्वरम स्वामी मंदिर में सभी सुविधाएं उपलब्ध कराएं : मेदक सांसद

सिद्दीपेट, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक के सांसद कोथा प्रभाकर रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे कुडावेली में श्री रामलिंगेश्वरम स्वामी मंदिर में सभी सुविधाएं प्रदान करें क्योंकि वार्षिक जतारा 21 जनवरी से शुरू होने वाला है। गुरुवार को अकबरपेट-भूमपल्ली मंडल के रामेश्वरपल्ली गांव में नई मंदिर समिति के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेते हुए, सांसद ने कहा कि राज्य सरकार भक्तों के लाभ के लिए मंदिर के आसपास सुविधाओं में सुधार के लिए विकास कार्य करेगी।

अध्यक्ष पुजारी चंद्रम के नेतृत्व वाली नई मंदिर समिति को बधाई देते हुए सांसद ने श्रद्धालुओं को परेशानी मुक्त दर्शन सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया। इससे पहले, रेड्डी ने डब्बाका विधानसभा क्षेत्र के कई लाभार्थियों को मुख्यमंत्री राहत कोष के चेक वितरित किए।

ज्ञानबाग कॉलोनी के पीछे स्थित भरत सामूदायिक हॉल में कंटी वेलुगु कार्यक्रम के दूसरे चरण के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित विधायक टी. राजा सिंह, गोशामहल पार्षद लाल सिंह, सुधाकर गौड़ भाई, अक्षय साहू व अन्य चिकित्सक।

जामबाग डिवीजन में कंटी वेलुगु कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल। साथ में हैं भाजपा के कई वरिष्ठ नेता। विधायक टी. राजा सिंह ने भी केंद्र का दैरा किया।

भारत-न्यूजीलैंड वनडे सीरीज पहला मुकाबला के टॉप मोमेंट्स

खेल डेस्क, 19 जनवरी (एजेंसियां)। हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में बुधवार भारत-न्यूजीलैंड वनडे सीरीज का पहला मुकाबला खेला गया। इसे भारतीय टीम ने 12 रनों से जीता। सांसे थाम देने वाले इस रोमांचक मुकाबले में कई रोचक पल देखने को मिले तो कुछ विवाद भी उठे।

40वें ओवर में थर्ड अंपायर का हार्दिक पंड्या को आउट करार दिया जाना सबसे ज्यादा चर्चा का विषय रहा। इससे पहले शुभमन गिल ने छक्कों की हैट्रिक के साथ अपना पहला दोहरा शतक पूरा किया। भारतीय फास्ट बॉलर मोहम्मद सिराज अपने होम ग्राउंड पर खेल रहे थे। सिराज के खेल का लुत्फ उठाने उनकी फैमिली मेंबर्स स्टेडियम पहुंचे थे। इस स्टोरी में इन तमाम पलों की यादों को फिर से ताजा करेंगे।

1. शुरुआत पंड्या के आउट होने पर हुई कॉन्ट्रोवर्सी से....

भारतीय पारी का 40वां ओवर चल रहा था। डेरिल मिचेल बॉलिंग कर रहे थे और हार्दिक पंड्या क्रीज पर थे। वे गिल के साथ 5वें विकेट के लिए 74 रन जोड़ चुके थे। तभी मिचेल की चौथी बॉल पंड्या मिस कर गए और बॉल विकेटकीपर टॉम लैथम के दस्तानों में चली गई।

लैथम ने ग्लव्स से गिल्लियां गिरा दीं। ऐसा लगा कि बॉल गिल्लयों के पास से होते हुए लैथम के ग्लव्स में गई थी। पंड्या क्रीज में थे तो उनके स्टंप होने का सवाल नहीं उठता था। फील्डिंग टीम की अपील पर ग्राउंड अंपायर ने मामला थर्ड अंपायर के पास भेज दिया।

थर्ड अंपायर का मानना था कि गिल्लियां बॉल लगने से गिरीं या विकेटकीपर के ग्लव्स से यह रिप्ले देखकर कहना मुश्किल है। चूंकि ग्राउंड अंपायर का सॉफ्ट सिग्नल आउट था इसलिए थर्ड अंपायर ने पंड्या को बोल्ड आउट करार दे दिया। पंड्या और खुद गेंदबाज डेरिल मिचेल भी इस फैसले से हैरान रह गए।

पंड्या अउट या नहीं ट्रेंड

थर्ड अंपायर के फैसले के बाद से ही सोशल मीडिया पर 'पंड्या अउट या नहीं ' पर बहस छिड़ गई। कुछ लोग इसे आउट करार दे रहे थे। तो कुछ थर्ड अंपायर के फैसले को गलत ठहरा रहे थे।

2. गिल ने 49वें ओवर में जमाए लगातार 3 छक्के..और दोहरा शतक पूरा

भारतीय पारी के 48 ओवर समाप्त हो चुके थे और गिल 182 रनों के निजी स्कोर पर खेल रहे थे। अब पारी की 12 बॉल ही बची थीं। कमेंटेटर्स यह डिबेट कर थे कि क्या गिल को डबल सेंचुरी बनाने का मौका मिल पाएगा? कीवी कप्तान ने 49वां ओवर फेंकने के लिए लोकी फर्ग्युसन को बॉल थमा दी।

गिल ने फर्ग्युसन की पहली, दूसरी और तीसरी बॉल पर लगातार तीन छक्के जमाए और अपने वनडे करियर का पहला दोहरा शतक पूरा कर लिया। दोहरा शतक जड़ने के बाद 50वें ओवर में भी उन्होंने एक छक्का लगाया।

दोहरे शतक के बाद गिल ने विराट कोहली और ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर की तरह एग्रेसिव सेलिब्रेशन किया। आखिरकार वे 149 बॉल में 208 रन बनाकर आउट हुए। इस पारी में उन्होंने 19 चौके और 9 छक्के जड़े।

3. सिराज की मां ने देखा मैच

मोहम्मद सिराज की मां और बाकी रिश्तेदार भी हैदराबाद में भारत-न्यूजीलैंड का वनडे मैच देखने पहुंचे। सिराज हैदराबाद में ही रहते हैं। इस कारण उनकी मां शबाना बेगम अपने बच्चों और रिश्तेदारों को लेकर मैच देखने पहुंचीं। सिराज ने मैच में 4 विकेट अपने नाम किए।

4. रन के कॉल में कन्फ्यूजन, तो शार्दूल ने गिल के लिए दी कुर्बानी

भारतीय पारी के 47वें ओवर में शुभमन गिल 169 रन पर बैटिंग कर रहे थे। फर्ग्यूसन की फुलर लेंथ बॉल को गिल ने कवर्स की दिशा में शॉट मारा और सिंगल लेने के लिए दौड़ पड़े। मिचेल सैंटनर ने बॉल उठाई और कीपर की ओर थ्रो कर दिया।

नॉन स्ट्राइकर एंड पर खड़े शार्दूल ठाकुर क्रीज से बाहर निकले और गिल को क्रीज के अंदर भेजा, जिससे कि वे रन आउट हो जाएं और गिल खेलना जारी रख अपना दोहरा शतक पूरा करें। शार्दूल 3 बॉल पर 3 रन बनाकर आउट हुए।

5. ईशान ने हाथ से गिराई गिल्लियां और अपील भी की

दूसरी पारी में भारत का 16वां ओवर कुलदीप यादव फेंक रहे थे। स्पिनर कुलदीप ने गुड लेंथ पर गेंद फेंकी। जिसे न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम ने बैकफुट पर डिफेंस कर दिया। बॉल रोहित शर्मा के पास गई, तभी लैथम की गिल्लियां भी गिर गईं। भारत के विकेटकीपर ईशान किशन ने विकेट की अपील की।

मामला थर्ड अंपायर के पास गया, लेकिन रिप्ले में साफ नजर आया कि लैथम हिट विकेट नहीं हुए थे। किशन ने कीपिंग ग्लव्स से गिल्ली गिराई थीं। थर्ड अंपायर ने लैथम को नॉटआउट करार दिया। फैसले के बाद किशन मजाकिया अंदाज में मुस्कुराने लगे, क्योंकि उन्होंने लॉथम को ट्रोल करने के लिए ही ऐसा किया था। लॉथम ने पहली पारी में 2-3 बार अपने ग्लव्स से गिल्लियां गिराई थीं।

6. आखिरी ओवर का रोमांच

350 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड ने 49 ओवर में 330 रन बना लिए थे। आखिरी ओवर में 20 रन की जरूरत थी।

पहली ही बॉल पर शार्दूल ठाकुर को छक्का पड़ गया। दूसरी बॉल उन्होंने वाइड फेंकी और अगली ही गेंद पर यॉर्कर फेंक कर माइकल ब्रेसवेल को एलबीडब्ल्यू कर दिया। ब्रेसवेल ने रिव्यू लिया और रिप्ले में भी वे आउट ही नजर आए। अगर रिव्यू का फैसला न्यूजीलैंड के हक में जाता तो माइकल ब्रेसवेल कीवी टीम को मुकाबले में जीत दिला भी सकते थे।

दूसरे दौर में ही ऑस्ट्रेलियन ओपन से बाहर हुए शीर्ष दो खिलाड़ी

कैस्पर रुड को जेनसन ने हराया

मेलबर्न, 19 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2023 में उलटफेर का सिलसिला जारी है। पुरुष एकल में शीर्ष वरीयता वाले राफेल नडाल के बाद दूसरी वरीयता वाले कैस्पर रुड भी दूसरे दौर में ही हारकर बाहर हो चुके हैं। ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में कैस्पर रुड को अमेरिका के जेनसन ब्रुक्स्बी ने 6-3, 7-5, 6-7, 6-2 से हराया। इसके साथ ही खिताब जीतने के दो प्रबल दावेदार टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं। इससे पहले शीर्ष वरीयता वाले राफेल नडाल को टेनिस रैंकिंग में 65वें स्थान पर काबिज अमेरिका के मैकेंजी मैक्डोनाल्ड ने सीधे सेटों में हराया था। नडाल और केस्पर रुड के टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद सितसिपास और नोवाक जोकोविच पुरुष एकल में खिताब जीतने के सबसे प्रबल दावेदार हैं।

नडाल ने इस टूर्नामेंट के पहले राउंड में जैक ड्रैपर को मात दी थी। हालांकि, वह बहुत अच्छी लय में नहीं दिख रहे थे। दूसरे राउंड में उन्होंने अच्छी शुरुआत की, लेकिन पहला सेट हार गए। दूसरे सेट में वह चोटिल हो गए और ब्रेक लिया। ब्रेक से वापस आने के बाद वह पुरानी लय में नहीं दिखे और मैच हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

कैस्पर रुड के भी इस टूर्नामेंट से बाहर होने का तरीका नडाल से

मिलता-जुलता है। दूसरे राउंड में शुरुआती दो सेट गंवाने के बाद उन्होंने मेडिकल टाइम आउट लिया था और तीसरा सेट 7-6 के करीबी अंतर से अपने नाम किया। हालांकि, चौथे सेट तक वह अपनी लय खो चुके थे और टेनिस रैंकिंग में 39वीं रैंकिंग पर काबिज ब्रुक्स्बी से 2-6 के अंतर से हार गए। इसके साथ ही इस टूर्नामेंट में उनका सफर खत्म हो गया। इस हार के साथ ही रुड का नंबर एक टेनिस खिलाड़ी बनने का सपना कुछ समय के लिए टूट गया है। इन दो बड़े खिलाड़ियों के टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद नडाल के पास 10वीं बार ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने का मौका है।

डब्लूडब्लूई रेसलर की तरह नजर आए रोबिन उथप्पा

दुबई की आईएलटी 20 लीग में मिला ग्रीन बेल्ट, नेटिजन्स ने किए मजेदार कमेंट्स

खेल डेस्क, 19 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और कर्नाटक के पूर्व बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा, ने पिछले साल सितंबर में भारतीय क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लेने की घोषणा की। रॉबी अब विदेश की टी-20 लीग में हिस्सा ले रहा है। इस समय वे यूएई की आईएलटी-20 यानी इंटरनेशनल लीग टी-20 में खेल रहे है।

वे दुबई कैपिटल्स के लिए खेलते है। वे सोमवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में गल्फ जायंट्स के खिलाफ 46 गेंदों पर 79 रन की पारी के बाद ग्रीन बेल्ट प्राप्त करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। उथप्पा वर्तमान में 122 रनों के साथ टॉप रन स्कोरर है।

ग्रीन बेल्ट के साथ रॉबी की

फोटो वायरल हो गई। कई लोग उनकी तुलना डब्लूडब्लूई रेसलर्स से कर रहे है। क्योंकि बेल्ट हूबहू डब्लूडब्लूई में मिलने वाले चैंपियनशिप बेल्ट की तरह ही लग रहा है। नेटिजन्स ने इंटरनेट पर इसे लेकर फनी कमेंट भी किए।

जिस तरहर आईपीएल में टॉप रन स्केरर को ऑरेंज कैप मिलती है। ठीक उसी तरह दुबई की इस लीग में प्लेयर को ग्रीन बेल्ट दिया जाता है। उथप्पा 2007 टी-20 वर्ल्ड कप का थे हिस्सा

उथप्पा 2007 में खेले गए टी-20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया का हिस्सा थे। भारत ने ये वर्ल्ड कप महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में जीता था। रॉबिन ने पाकिस्तान के खिलाफ टाई हुए मुकाबले के बाद जब बॉल-आउट हुआ था। तब उन्होंने सहवाग और हरभजन के साथ थ्रो किया था। जिससे टीम इंडिया को जीत मिली थी।

उथप्पा ने भारत की तरफ से 46 वनडे और 13 टी-20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले। वनडे में 6 अर्धशतकीय पारी की बदौलत उन्होंने 934 रन बनाए। जबकि टी20 में 1अर्धशतक के साथ उनके नाम 249 रन रहे। इसके अलावा उथप्पा आईपीएल में 205 मुकाबले खेल चुके हैं। इसमें उन्होंने 27.51 की औसत और 130.55 के स्ट्राइक रेट से 4952 रन बनाए। उन्होंने आईपीएल में 27 अर्धशतक जड़े हैं। उनका बेस्ट स्कोर 88 रन का रहा है।

कोको गॉफ ने एमा राडुकानू को किया बाहर

इगा स्विटेक और मेडिसन कीज भी अगले दौर में पहुंचीं

मेलबर्न, 19 जनवरी (एजेंसियां)। कोको गॉफ के करियर की 100वीं जीत है। 18 साल की कोको ने 100 मैच जीतने वाली सबसे युवा महिला खिलाड़ी बन गईं। उन्होंने कैरोलिना वोज्नियाकी को पीछे छोड़ा। वोज्नियाकी ने 2009 में यह उपलब्धि हासिल की थी।

अमेरिका की युवा खिलाड़ी कोको गॉफ ने महिलाओं में शीर्ष वरीयता प्राप्त इगा स्विटेक, तीसरी वरीय जेसिका पेगुला, छठी वरीय मारिया सकारी, दसवीं वरीय मेडिसन कीज ने अपने-अपने

मुकाबले जीतकर तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। स्विटेक ने कोलंबिया की कैमिला ओसोरियो को 6-2, 6-3 से हराया। वहीं, कीज ने चीन की वांग जिनयू को 6-3, 6-2 से हरा दिया।

ऑस्ट्रेलियन ओपन में बुधवार (18 जनवरी) को शानदार जीत हासिल की। उन्होंने 2021 में यूएस ओपन जीतने वाली ब्रिटेन की एमा रादुकानू को हरा दिया। सातवीं वरीयता प्राप्त कोको ने 6-3, 7-6 (4) से उन्हें शिकस्त दी। यह उनके करियर की 100वीं जीत है। 18 साल की कोको ने 100 मैच जीतने वाली सबसे युवा महिला खिलाड़ी बन गईं। उन्होंने कैरोलिना वोज्नियाकी को पीछे छोड़ा। वोज्नियाकी ने 2009 में यह उपलब्धि हासिल की थी।

गोल्डन बॉय नीरज चोपड़ा की हार्ड ट्रेनिंग

आनंद महिंद्रा का ट्वीट- वर्कआउट देख कमर तोड़ प्रयास याद आया, कुछ भी आसानी से नहीं मिलता

पानीपत, 19 जनवरी (एजेंसियां)। देश के फेमस उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा के वर्कऑउट का एक वीडियो शेयर किया। अपने ट्विटर अकाउंट से शेयर किए गए इस वीडियो के साथ कैप्शन के माध्यम में आनंद महिंद्रा ने युवाओं समेत तमाम मेहनतकश लोगों को बड़ा संदेश दिया। आनंद महिंद्रा ने लिखा- नीरज चोपड़ा के वर्कआउट रूटीन को देखकर मुझे उस कमर तोड़ने वाली मेहनत की याद आ जाती है, जो किसी भी जीत के पर्दे के पीछे होती है। कुछ भी आसानी से नहीं मिलता। जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा इस वक्त यूके में है। वे 2023 सीजन के लिए यूके के प्रशिक्षण ले रहे हैं। यूके में उनके वर्कऑउट का एक वीडियो 16 जनवरी को आनंद महिंद्रा ने शेयर किया। इस वीडियो के साथ महिंद्रा ने याद दिलाया कि जीत आसान नहीं है। उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने अपने ट्वीट में लिखा, नीरज चोपड़ा के वर्कआउट रूटीन को देखने मात्र से ही मुझे उस असाधारण, कमर तोड़ने वाले प्रयास की याद आ जाती है, जो किसी भी जीत के 'पर्दे के पीछे' होता है। कुछ भी आसान नहीं होता।

दरअसल, नीरज चोपड़ा इस साल होने वाली तीन बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए तैयारी कर रहे हैं। जिसमें वर्ल्ड चैंपियनशिप, एशियाई खेल 2023 और डायमंड लीग का फाइनल शामिल है। हाल ही में जेवेलिन थ्रोअर ने पत्रकारों से कहा था कि इस साल जेवलिन में 90 मीटर के आंकड़े को छूने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा की ये एक जादुई आंकड़ा जिस तक कड़ी मेहनत के बाद ही पहुंच पाना संभव होता है। इसी साल होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप में हिस्सा लेना है। 19 से 27 अगस्त के बीच हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में वर्ल्ड चैंपियनशिप होगी। चीन के ह्वांगझू में एशियन गेम्स भी है। 2024 में पेरिस ओलंपिक के लिए भी क्वालिफिकेशन प्रोसेस इसी साल शुरू होना है।

राजीव गांधी ऑल इंडिया अंडर-19 नेशनल 20-20 क्रिकेट चैंपियनशिप शुरू

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 40वें राजीव गांधी ऑल इंडिया अंडर-19 नेशनल ट्वेंटी-20 फेडरेशन कप डे एंड नाइट क्रिकेट चैंपियनशिप का उद्घाटन एआईसीसी के महासचिव और पूर्व केंद्रीय मंत्री तारीक अनवर ने हैदराबाद के अंबरपेट वाटर वर्क्स ग्राउंड में किया। इस अवसर पर बोलते हुए तारीक अनवर ने पूर्व पीएम राजीव गांधी के नाम पर हर साल इन क्रिकेट मैचों के आयोजन और युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए सीएफआई के अध्यक्ष और पूर्व सांसद वी. हनुमंत राव के प्रयासों की सराहना की। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक एम. कोदंडा रेड्डी, सीएफआई के अध्यक्ष सैयद सादिक पाशा, महासचिव अमरजीत, हैदराबाद सीएफआई के अध्यक्ष आदि अविनाश, महासचिव एस. श्रीकांत गौड़ कांग्रेस नेता आर.लक्ष्मण यादव, एस.पी.क्रांति कुमार, ए.यादगिरी गौड़ और अन्य ने उद्घाटन समारोह में भाग लिया।

किदांबी श्रीकांत पहले दौर में ही हुए बाहर

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। महिला युगल में भारत की शिखा गौतम और अश्विनी भट की जोड़ी मलयेशिया की थिनाह मुरलीधरन और तान पर्ली की जोड़ी से 8-21, 11-21 से हार गई। शीर्ष भारतीय शटलर किदांबी श्रीकांत बुधवार को इंडिया ओपन बैडमिंटन सुपर 750 टूर्नामेंट के पहले दौर में डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसन से हारकर बाहर हो गए। विश्व के नंबर एक, ओलंपिक और विश्व चैंपियन विक्टर ने श्रीकांत को 21-14, 21-19 से शिकस्त दी। यह मुकाबला 41 मिनट चला।

पहला गेम गंवाने के बाद विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत दूसरे गेम में एक समय 14-5 से आगे थे। इसके बाद विक्टर ने बढ़त बनाना शुरू किया। एक्सलसेन ने 18-18 फिर 19-19 की बराबरी के बाद लगातार दो अंक जुटाकर मैच अपने नाम कर लिया।

कभी एक सेकेंड में कमाए 8 करोड़, अब अकाउंट में 9 लाख रुपये भी नहीं!

खेल डेस्क, 19 जनवरी (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे महान स्प्रिंटर उसेन बोल्ट को बहुत बड़ा झटका लगा है. खबरों के मुताबिक बोल्ट को करोड़ों का चूना लगा है. उसेन बोल्ट के अकाउंट से 12.7 मिलियन डॉलर यानि 101 करोड़ रुपये गायब हो चुके हैं. उसेन बोल्ट ने ये पैसा जमैका की प्राइवेट इन्वेस्टमेंट फर्म के अकाउंट में रखा था और अब रकम गायब हो चुकी है. बोल्ट के वकीलों ने इसकी पुष्टि की है. बोल्ट का अकाउंट किंग्स्टन, जमैका स्टॉक्स एंड सिक्योरिटीज लिमिटेड में है और अब उसमें महज 12 हजार डॉलर ही बचे हैं. जमैका का फाइनेंशियल सर्विस कमिशन इस मामले की जांच में जुट गया है. बोल्ट ने 10 दिनों में अपना सारा पैसा वापस मांगा है. अगर ऐसा नहीं हुआ तो इन्वेस्टमेंट फर्म पर धोखेबाजी का केस चलना तय है.

बता दें उसेन बोल्ट ने ओलिंपिक में 8 गोल्ड मेडल जीते हैं. साल 2018 में बोल्ट सबसे ज्यादा पैसा कमाने वाले एथलीट्स की लिस्ट में 45वें नंबर पर थे. उनकी सैलरी 1 मिलियन डॉलर थी. वहीं 30 मिलियन डॉलर वो एंडॉर्समेंट से कमाते थे.

रेसलर विनेश फोगाट की चेतावनी

बेटियां अगर सामने आकर बताने लगीं कि उनके साथ क्या-क्या हुआ तो देश का दुर्भाग्य होगा

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ जारी देश की महिला पहलवानों के मोर्चे के बाद गुरुवार को मंत्रालय ने पीड़ित खिलाड़ियों को बातचीत के लिए बुलाया और उनसे करीब एक घंटे तक बातचीत की। बातचीत से पहलवान संतुष्ट नहीं हैं। उनकी मांग पहले डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष को हटाने की थी, अब वे कुश्ती संघ को भंग कराना चाहते हैं। उन्होंने कहा- मांग पूरी होने तक उनका धरना-प्रदर्शन जारी रहेगा। इधर, मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कल (शुक्रवार को) खिलाड़ियों के धरने में हरियाणा की खाप पंचायतें भी शामिल हो सकती हैं।

बता दें कि डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह और कुछ कोच पर ओलिंपिक विजेता खिलाड़ियों ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। दिल्ली के जंतर-मंतर पर 200 से ज्यादा खिलाड़ी बुधवार यानी 18 जनवरी से धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। आरोपों के बाद खेल मंत्रालय भी मामले को लेकर तुरंत एक्टिव हो गया। बुधवार देर रात उसने कुश्ती संघ को नोटिस भेजा और 72 घंटे में जवाब देने को कहा। ऐसा न करने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दे डाली। खेल मंत्रालय से मीटिंग खत्म होने के बाद पहलवानों ने मीडिया से बातचीत की। पढ़ें पहलवानों ने क्या कहा...

विनेश फोगाट: हमारा एक-एक दिन कीमती है। बैठक में हमें संतोषजनक जवाब नहीं मिला है। हमारे जो आरोप हैं, वो सच्चे हैं। हमें मजबूर न किया जाए सबसे सामने आने के लिए। हम अपने सम्मान के लिए लड़ रहे हैं। हम पूरे देश को यह नहीं बताना चाहते कि देश की बेटियों के साथ क्या हुआ है। जिस दिन सारी लड़कियां मीडिया को बताएंगी कि हमारे साथ क्या हुआ, वो कुश्ती का दुर्भाग्य होगा।

हम अध्यक्ष का इस्तीफा भी चाहते हैं और अध्यक्ष को जेल भी भिजवाएंगे। हमारे साथ बहुत गलत हुआ है। हम बिना सबूत यहां नहीं बैठे हैं। अध्यक्ष दो मिनट मेरे सामने आंखों में आंखें में डाल कर बोल दें कि गलत नहीं किया है। हमारी लड़ाई लड़कियों को शोषण से बचाना है। अगर हम भी सुरक्षित नहीं हैं तो हिंदुस्तान में एक भी लड़की पैदा नहीं होनी चाहिए। अध्यक्ष ने यूपी की कुश्ती खत्म कर दी है। अगर हमारी मांग नहीं मानी गई तो हम इन लड़कियों के साथ एफआईआर कराएंगे।

डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को जेल भिजवाएंगे।

बजरंग पूनिया ने टोक्यो ओलिंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

बजरंग पूनिया: हमारे साथ हिंदुस्तान के सारे रेसलर हैं। अध्यक्ष ने कहा था सबूत दो तो फांसी पर लटक जाऊंगा। पहले हमारे साथ दो लड़कियां थीं, अब हमारे साथ विद प्रूफ 6-7 लड़कियां हैं, जिनका अध्यक्ष ने शोषण किया है। हम पीछे नहीं हटेंगे। हम सिर्फ इस्तीफे से संतुष्ट नहीं होंगे। हम फेडरेशन को भंग कराना चाहते हैं।

साक्षी मलिक: बैठक में हमें सिर्फ आश्वासन दिया गया है। हम आश्वासन से संतुष्ट नहीं है। हमें हमें ठोस कार्रवाई चाहिए।

जान हथेली पर लेकर दमकलकर्मियों ने कई लोगों की बचाई जान

> आग पर काबू पाने तक लोगों की थमी रही सांसें

> घटनास्थल पर पहुंचे गृह मंत्री व पशुसंवर्धन मंत्री समेत कई अधिकारी

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद अग्निकांड में दमकलकर्मियों ने अपनी जान को दांव पर आग में फंस कई लोगों को बचाया। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पा लिया। घटना की जानकारी मिलते गृहमंत्री मो. महमूद अली, पशु संवर्धन मंत्री तलसानी श्रीनिवास आदि मौके पर पहुंच गए। सिकंदराबाद के रामगोपालपेट इलाके में स्थित डेक्कन नाइटवियर स्पोर्ट्स स्टोर में भीषण आग लगने के बाद तेजी से आसपास की इमारतों में फैल गई, जिससे घटनास्थल पर धुएं की मोटी चादर बन गई। स्पोर्ट्स मॉल में आग लगते ही स्थानीय लोग दहशत की स्थिति में घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। आसपास के इलाके में रहने वाले आग की लपटों और धुंए के गुबार के देखकर भयभीत हो गए। पुलिस और दमकलकर्मियों ने सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आसपास के कुछ आवासीय इलाकों को खाली करा दिया।

घर खाली कराने की बात सुनते ही कुछ महिलाए रो पड़ी। धुंए के कारण बचाव कार्यो में दमकलकर्मियों को काफी परेशानी करना पड़ा। आग के कारण इमारत में फंसे लोगों को बिना बड़ी कठिनाई से बाहर निकाला गया। आग को काबू करने में करीब आठ घंटे का समय लगा। सुबह करीब दस बजे से रात 7 बजे तक दमकलकर्मी काम करते रहे। घटना की जानकारी होने पर मंत्री मो. महमूद अली व तलसानी श्रीनिवास यादव घटना स्थल पर पहुंचे।

उन्होंने बताया कि बचाव अभियान अभी भी जारी है। पुलिस और राजस्व अधिकारी बचाव प्रयासों के साथ समन्वय में काम कर रहे हैं और कई लोगों को पहले ही बचाया जा चुका है। मंत्री तलसानी ने बताया कि इमारत बड़ी मात्रा में कपड़े की सामग्री से भरी हुई थी, जिसने भीषण आग में योगदान दिया। इसी वजह से आग पर काबू पाना चुनौतीपूर्ण हो गया। उद्यमी बीपी सिंघल ने बताया कि अचानक आग लगने की घटना होने से इलाके के व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और बिल्डिंग, बस्तियों में रहने वाले सहम गए। आसमान में धुंए के गुब्बार और तेज लपटों को देखकर लोग तरह-तरह के कयास लगा रहे थे। बाद में पता चला कि स्पोर्ट्स शॉप में आग लग गई। इसके बाद अधिकांश लोग सुरक्षा को लेकर सतर्क हो गए। उन्होंने बताया कि दमकलकर्मियों ने करीब आठ घंटे तक कठिन परिश्रम कर काबू पा लिया। इसके बाद इलाके के लोगों ने राहत की सांस ली।

मेडिकोज ने वाइस प्रिंसिपल के समर्थन में धरना दिया

जगतियाल, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी मेडिकल कॉलेज के छात्रों ने बुधवार रात उप-प्राचार्य पी. डेविड आनंद कुमार के समर्थन में विरोध प्रदर्शन किया, जिन्हें कॉलेज परिसर में एक कमरा आवंटित नहीं करने के लिए जिला मुख्यालय अस्पताल के डॉक्टरों द्वारा कथित रूप से दुर्व्यवहार किया गया था। अस्पताल के डॉक्टर डॉ. शशिकांत रेड्डी और चंद्रशेखर रेड्डी पिछले दो महीनों के दौरान कॉलेज प्रशासन से उनके लिए कॉलेज परिसर में कमरे आवंटित करने के लिए कह रहे थे।

जब वे उनसे मिले, तो आनंद कुमार ने उन्हें प्रिंसिपल से संपर्क करने की सलाह दी। बुधवार की रात वे फिर आनंद कुमार के पास पहुंचे और कॉलेज परिसर में कमरा आवंटित नहीं करने का तर्क दिया तथा जाति का नाम लेकर भी गाली-गलौज की।

डॉक्टरों के रवैये से आक्रोशित छात्रों ने कॉलेज परिसर में धरना दिया। घटना की जानकारी होने पर पुलिस मौके पर पहुंची और छात्रों को अपना विरोध वापस लेने के लिए मनाया। दूसरी ओर, उप-प्राचार्य ने शशिकांत रेड्डी और चंद्रशेखर रेड्डी के खिलाफ जाति के नाम पर गाली देने की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई।

लोगों में अंधेपन को रोकना कंटी वेलुगु का उद्देश्य : हरीश

स्वास्थ्य मंत्री ने किया कंटी वेलुगु के दूसरे चरण का शुभारंभ

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री टी हरीश राव ने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य कांटी वेलुगु कार्यक्रम में हर एक की स्क्रीनिंग की जानी है और तेलंगाना के लोगों में परिहार्य अंधेपन को रोका जाना है। पशुपालन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव के साथ मंत्री हरीश राव ने गुरुवार को यहां विवेकानंद कम्युनिटी हॉल, अमीरपेट में कांटी वेलुगु के दूसरे संस्करण का शुभारंभ किया।

राज्य के सभी 33 जिलों में, मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और अन्य निर्वाचित अधिकारियों द्वारा बड़े पैमाने पर नेत्र जांच शिविरों का आधिकारिक उद्घाटन किया गया। शिविर के दौरान हितग्राहियों के बीच नि:शुल्क दवाइयां व चश्मे का वितरण किया जाएगा। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि कंटी वेलुगु के दूसरे चरण के तहत, पूरे तेलंगाना राज्य में 1500 मेडिकल टीमों की मदद से नेत्र जांच शिविर आयोजित किए जा रहे हैं और अगले 100 दिनों में सभी ग्राम पंचायतों और नगरपालिका वार्डों को कवर किया गया है। सरकार का लक्ष्य कंटी वेलुगु पहल के तहत लगभग 1.5 करोड़ लोगों को कवर करना है। हरीश राव ने कहा, हम लोगों से इस सुविधा का लाभ उठाने और बेहतर दृष्टि के लिए जांच कराने की अपील करते हैं। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के तहत अधिक संख्या में लोगों को कवर करने के लिए जीएचएमसी सीमा के तहत स्थित सभी ग्रेटर समुदायों, अपार्टमेंट और विला में चिकित्सा दल भेजे जाएंगे। हरीश राव ने कहा कि यह तेलंगाना के लिए बहुत गर्व की बात है कि अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री अपने-अपने राज्यों में कंटी वेलुगु को दोहराने के लिए आगे आए हैं। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने बुधवार को खम्मम में नए उद्घाटन किए गए एकीकृत जिला समाहरणालय परिसर में कार्यक्रम के दूसरे चरण की औपचारिक रूप से शुरुआत की। उनके साथ उनके समकक्ष केरल के पिनाराई विजयन, दिल्ली के अरविंद केजरीवाल और पंजाब के भगवंत सिंह मान भी थे। मंत्री श्रीनिवास यादव ने कंटी वेलुगु की एक अच्छी पहल शुरू करने के लिए मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की सराहना की और कहा कि यह देश के इतिहास में पहली बार एक सामूहिक नेत्र जांच कार्यक्रम आयोजित करने वाला है।

कंटी वेलुगु कार्यक्रम सीएम के दिमाग की उपज : शांति कुमारी

मुख्य सचिव ने कंटी वेलुगु केंद्र का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने गुरुवार को यहां एवी कॉलेज, दोमलगुड़ा का दौरा किया और कंटी वेलुगु केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने कैंप का दौरा कर मरीजों से बातचीत की। इस मौके पर मुख्य सचिव ने आंखों की जांच के बाद एक मरीज को चश्मा सौंपा।

बाद में पत्रकारों से बात करते हुए, मुख्य सचिव ने कहा कि कंटी वेलुगु कार्यक्रम के दूसरे चरण का उद्घाटन खम्मम जिले में किया गया, जो मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के दिमाग की उपज है। पूरे तेलंगाना राज्य में लगभग 15000 कर्मचारियों की भागीदारी के साथ 1,500 टीमों द्वारा नेत्र जांच शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि तेलंगाना ने 2018 में कांटी वेलुगु कार्यक्रम के पहले चरण के दौरान लगभग 1.57 करोड़ नेत्र जांच परीक्षण और लगभग 45 लाख चश्मे वितरित करके एक उत्कृष्ट रिकॉर्ड हासिल किया है।

उन्होंने कहा कि अगले 100 कार्य दिवसों में, दूसरे चरण के दौरान पिछले रिकॉर्ड को पार करने की व्यवस्था की जा रही है। रोगी को रिकॉर्ड समय में गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान करने और रोगी के लिए प्रतीक्षा समय को कम करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। प्रतीक्षा समय लंबे दृष्टि वाले चश्मे भी कम कर दिए गए हैं। मुख्य सचिव ने लोगों से अपील की कि वे राज्य सरकार द्वारा प्रदान किए जा रहे अवसर का उपयोग करें और अपनी जांच करवाएं। उन्होंने कहा कि पहले चरण के दौरान महिलाओं सहित कई बुजुर्गों ने इस सुविधा का लाभ उठाया। सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण रिजवी, जीएचएमसी आयुक्त लोकेश कुमार, आयुक्त स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण स्वेता मोहंती और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

दो फर्जी पुलिसकर्मी व नकली रिपोर्टर गिरफ्तार

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिटी पुलिस आयुक्त की टास्क फोर्स, पश्चिम क्षेत्र की डिटेक्टिव टीम ने दो फर्जी पुलिसकर्मियों और एक नकली रिपोर्टर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार दोनों नकली पुलिसकर्मी खुद को 'टास्क फोर्स अधिकारी' बताकर लोगों से पैसे वसूल रहे थे।

इसी काम में एक नकली मीडिया चैनल रिपोर्टर भी शामिल था। गिरफ्तार लोगों में मुनव्वर हसन खान लंगर हाउस, गफ्फार अली खान निवासी पीएनटी कॉलोनी, सनसिटी, रंगारेड्डी, सैयद अब्दुल रऊफ निवासी पीएनटी कॉलोनी, सनसिटी, रंगारेड्डी शामिल है। पुलिस के मुताबिकमुनव्वर हसन खान हैदराबाद का रहने वाला है। वह कार ड्राइवर का काम करता था। वर्ष 2021 में गोलकुंडा पुलिस द्वारा एनडीपीएस अधिनियम में गिरफ्तार किया गया। इसके बाद जमानत पर रिहा हो गया। इसी तरह गफ्फार अली खान हैदराबाद के मूल निवासी हैं। वर्तमान में वह सन सिटी में एक डायग्नोस्टिक सेंटर में लैब टेक्नीशियन के रूप में काम कर रहा था। तीनों दोस्त हैं और दो साल से आर्थिक तंगी में थे। उन्होंने हैदराबाद शहर में मसाज सेंटर (एसपीए) से टास्क फोर्स अधिकारी और मीडिया रिपोर्टर बनकर धन उगाहने की योजना बनाई। उनकी योजना के अनुसार मुनव्वर हसन खान और गफ्फार अली खान उर्फ सलमान एक मसाज सेंटर शेखपेट, हैदराबाद में जबरन घुस गए। मुनव्वर हसन खान और गफ्फार अली खान ने एसपीए प्रबंधन को धमकी देना शुरू कर दिया कि वे ग्राहकों को क्रॉस मसाज प्रदान कर रहे हैं। उनसे 20 रुपये की शुद्ध नकदी की उगाही की। तीनों अभियुक्तों को जब्त सामग्री सहित आवश्यक कार्रवाई हेतु थाना गोलकुंडा थाने को सुपुर्द कर दिया गया।

पुलिस वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार रात शमशाबाद में एक पुलिस वाहन की चपेट में आने से बाइक चला रहे एक व्यक्ति की मौत हो गई। अलीजापुर थांडा नवाबपेट मंडल महबूबनगर जिले का रहने वाला पीड़ित केतवत आकाश (25) मोटरसाइकिल चला रहा था, जब उसने शमशाबाद के गोलूर चौराहे पर मोड़ ले रहे एक पुलिस वाहन में कथित तौर पर टक्कर मार दी। पुलिस वाहन चालक बुर्जगुडा थांडा रोड की ओर मोड़ ले रहा था जब आकाश ने अपनी बाइक को टक्कर मार दी।

खम्मम बैठक की सफलता नए बदलाव की शुरूआत : पुव्वाड़ा

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पुव्वाड़ा अजय कुमार ने कहा कि खम्मम में विशाल जनसभा की सफलता के साथ, मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने राष्ट्र को एक मजबूत संदेश दिया कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) केवल राष्ट्र के विकास के लिए एक वैकल्पिक पार्टी है।

गुरुवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, मंत्री पुव्वाड़ा अजय कुमार के साथ सांसद वद्दीराजू रविचंद्र, राज्य रैतू बंधु समिति के अध्यक्ष और एमएलसी पल्ला राजेश्वर रेड्डी और विधायक क्रांति किरण ने कहा कि खम्मम बैठक पांच से अधिक की भारी भागीदारी के साथ इतिहास में बनी हुई है। लाखों लोग और इसने देश में एक नए बदलाव की शुरुआत की।

पुव्वाडा ने कहा कि बीआरएस के सभी नेताओं के सामूहिक प्रयासों से बैठक एक बड़ी सफलता बन सकती है। भले ही खम्मम में एक बैठक आयोजित करने का निर्णय सिर्फ 10 दिन पहले लिया गया था, लेकिन हम इसे एक बड़ी सफलता बना सके। भाजपा राज्य इकाई के अध्यक्ष बंडी संजय की टिप्पणी से इंकार करते हुए, जिन्होंने कहा कि बीआरएस की बैठक में लोगों की कम से कम भागीदारी के साथ खराब प्रतिक्रिया हुई थी, मंत्री ने कहा कि भाजपा अध्यक्ष ने अपनी दृष्टि खो दी है और उन्हें बेहतर दृष्टि के लिए कंटी वेलुगु कार्यक्रम में भाग लेने का सुझाव दिया। पुव्वाड़ा ने बंडी संजय के आरोपों का भी खंडन किया, जिन्होंने आरोप लगाया था कि तेलंगाना में कहीं भी 24 घंटे बिजली की आपूर्ति नहीं की जा रही है, और मंत्री ने उन्हें राज्य में कहीं भी बिजली के तारों को पकड़ने की चुनौती दी, चाहे बिजली की आपूर्ति हो या नहीं। एमएलसी पल्ला राजेश्वर रेड्डी ने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार पूरे ऊर्जा क्षेत्र का निजीकरण करने की कोशिश कर रही है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वफादार अडानी को ऊर्जा क्षेत्र सौंपने की साजिश रच रही है।

खम्मम में बीआरएस बैठक के लिए केसीआर ने जनता के धन का दुरुपयोग किया : कांग्रेस

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री मोहम्मद अली शब्बीर ने आज आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने खम्मम में बीआरएस की जनसभा आयोजित करने के लिए सार्वजनिक धन का दुरुपयोग किया है। कामारेड्डी में गुरुवार को मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए शब्बीर अली ने कहा कि मुख्यमंत्री ने खम्मम में अपनी पार्टी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की एक जनसभा आयोजित करने के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए हैं। पार्टी फंड से पूरी राशि खर्च करने के बजाय, केसीआर ने जनता के पैसे का दुरुपयोग करने के लिए दो सरकारी कार्यक्रमों को अपनी जनसभा से जोड़ दिया। उन्होंने कहा कि दिल्ली, पंजाब और केरल के मुख्यमंत्रियों अरविंद केजरीवाल, भगवंत मान और पी. विजयन ने बीआरएस बैठक में भाग लेने के लिए ही तेलंगाना का दौरा किया, लेकिन केसीआर ने उन्हें खम्मम एकीकृत समाहरणालय के उद्घाटन और कांटी वेलुगु के दूसरे चरण के शुभारंभ के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने दावा किया कि ऐसा करके उन्होंने उनके आने-जाने का सारा खर्च सरकारी खजाने में स्थानांतरित कर दिया। शब्बीर अली ने कहा कि उनकी पार्टी बीआरएस बैठक के लिए सार्वजनिक धन के दुरुपयोग पर एक रिपोर्ट तैयार करेगी और उच्च स्तरीय जांच की मांग करते हुए राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन को एक ज्ञापन सौंपेगी। खम्मम में बीआरएस की बैठक एक लंबी फिल्म का पहला दृश्य है, जिसमें केसीआर ने अपनी असफलताओं से लोगों का ध्यान हटाने का प्रस्ताव रखा था। शब्बीर अली ने यह भी आरोप लगाया कि तेलंगाना की सदर्न पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी अवैध रूप से उपभोक्ताओं से अत्यधिक राशि वसूलने के लिए अनियमित बिल भेज रही थी। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को एडवांस कंजम्पशन डिमांड (एसीडी) शुल्क देने के लिए मजबूर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे पर आंदोलन शुरू करेगी।

सीपीएम ने की टीएसईआरसी की सिफारिशों को लागू नहीं करने की मांग

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य विद्युत नियामक आयोग (टीएसईआरसी) पर अपनी सिफारिशों के माध्यम से राज्य के आम लोगों पर अनावश्यक बोझ डालने का आरोप लगाते हुए, राज्य की वामपंथी पार्टी सीपीएम ने आज राज्य सरकार से मांग की आयोग द्वारा की गई सिफारिशों को लागू न किया जाए। एक बयान में, सीपीएम के राज्य सचिव तामिनेनी वीरभद्रम ने कहा कि आयोग ने राज्य बिजली वितरण कंपनियों को हर महीने ईंधन अधिभार समायोजन शुल्क बढ़ाने की अनुमति दी है और कहा कि पार्टी सिफारिशों की निंदा कर रही है। उन्होंने राज्य सरकार से इस अनुशंसाओं को तत्काल वापस लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि आयोग ने वर्ष 2018 से 2022 तक टैरिफ तय नहीं किया था और वितरण कंपनियों ने आयोग को कोई टैरिफ प्रस्ताव भी प्रस्तुत नहीं किया है।

उन्होंने यह भी कहा कि चालू वित्त वर्ष 2022-23 में 33,000 करोड़ रुपये बकाया जमा करने का प्रस्ताव है। उन्होंने आरोप लगाया कि डिस्कॉम ने पिछले वित्त वर्ष के दौरान आयोग से अनुमति लिए बिना अवैध रूप से राज्य के उपभोक्ताओं से विकास शुल्क वसूल किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि डिस्कॉम अपनी आंतरिक क्षमता में सुधार किए बिना उपभोक्ताओं पर बोझ डाल रहे हैं और कहा कि वे अभी भी नुकसान उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा कानूनों के अनुसार, डिस्कॉम को सार्वजनिक जांच के बाद डिस्कॉम के आवेदन के आधार पर अतिरिक्त शुल्क तय करना चाहिए।

काजीपेट रेलवे स्टेशन के पास मिला अज्ञात शव

हनमकोंडा, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वरंगल-काजीपेट रेलवे स्टेशनों के बीच काजीपेट दरगाह लेवल क्रॉसिंग के पास रेलवे ट्रैक पर गुरुवार को करीब 25 से 30 साल के एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। आशंका जताई जा रही है कि ट्रेन से गिरकर उसकी मौत हुई है। उन्होंने ब्लैक टी-शर्ट, ब्लैक एंड मैरून कलर का लोअर और नेवी कलर का शॉर्ट्स पहना हुआ था। उसके लंबे काले बाल, काली दाढ़ी और मूंछें हैं।

राजकीय रेलवे पुलिस के अनुसार, वह व्यक्ति 5'93 कद का है और उसके पास बिना सिम वाला एक नीला सैमसंग फोन है। शव पर कोई पहचान पत्र नहीं है, जिसे वारंगल एमजीएम अस्पताल के मुर्दाघर में स्थानांतरित कर दिया गया। जीआरपी के पास कोई जानकारी होने पर लोग 9441557232 या 9440627532 पर पुलिस से संपर्क कर सकते हैं।

आदिलाबाद में दो अंतर्राज्यीय गांजा तस्कर गिरफ्तार

आदिलाबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को यहां दो अंतर्राज्यीय गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से आठ किलो गांजा बरामद किया गया। आदिलाबाद ग्रामीण इंस्पेक्टर बी. रघुपति ने कहा कि आरोपी व्यक्ति महाराष्ट्र के हिंगोली जिले के सेनगांव तालुक के नारनूर मंडल के बोप्पापुर गांव के निवासी दुतीराज प्रशांत और उनके चाचा मिलिंद निरवती बेटके हैं। पूछताछ के दौरान, प्रशांत और मिलिंद ने आंध्र प्रदेश और ओडिशा के सीमावर्ती गांवों से गांजा खरीदने की बात कबूल की। वे तेलंगाना, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में 3,000 रुपये प्रति किलो गांजा बेच रहे थे। पुलिस ने कहा कि दोनों फोन पर ऑर्डर स्वीकार कर रहे थे और फोनपे और जीपे जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए भुगतान प्राप्त कर रहे थे और बस से ओडिशा, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र की यात्रा कर गांजा पहुंचा रहे थे।

तमिलनाडु के प्रतिनिधिमंडल ने की दलित बंधु की तारीफ

करीमनगर, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में लागू की जा रही दलित बंधु योजना की विधायकों और अधिकारियों सहित तमिलनाडु के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रशंसा की। उन्होंने समाज के विभिन्न वर्गों के लाभ के लिए लागू की जा रही अन्य कल्याणकारी योजनाओं की भी सराहना की। दलित बंधु के साथ-साथ अनुसूचित जाति उप-योजना के कार्यान्वयन का अध्ययन करने के लिए दो विधायकों सहित छह सदस्यीय टीम जिले में पहुंची। अपने दो दिवसीय अध्ययन दौरे के हिस्से के रूप में, उन्होंने गुरुवार को पहले दिन करीमनगरमें विभिन्न इकाइयों का दौरा किया। दौरा शुरू करने से पहले टीम ने बीसी कल्याण एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री गंगुला कमलाकर से भी मुलाकात की। मंत्री ने टीम को दलित बंधुयोजना के तहत दलितों को दिए जा रहे लाभों के बारे में बताया। योजना की अवधारणा से प्रभावित होकर विधायकों ने तेलंगाना सरकार के साथ-साथ मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव द्वारा राज्य में दलितों के सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि दलित बंधु के अलावा, जनता के कल्याण के लिए तेलंगाना में लागू की जा रही सभी योजनाएं भी अच्छी हैं। उन्होंने चौपडांडी मंडल में रुक्मापुर सैनिक स्कूल और करीमनगर शहर में दो दलित बंधु इकाइयों-अमेरिकन टूरिस्टर लगेज बैग स्टोर और जया डायग्नोस्टिक्स का भी दौरा किया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.